राष्ट्रीय मुख्यधारा PRESS
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शनिवार
01.03.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 29
हिन्दी दैनिक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

भारत और ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौता पर कही बात

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने एक व्यापक व्यापार समझौते के लिए चल रही वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा की। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और कॉलेज ऑफ कमिशनर्स की यह भारत यात्रा अभूतपूर्व है। यह न केवल भारत में यूरोपीय आयोग की पहली यात्रा है बल्कि किसी भी देश में इसकी पहली ऐसी व्यापक भागीदारी भी है। यह आयोग की नई व्यवस्था की पहली विदेश यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच दो दशक से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी स्वाभाविक और सहज है। इसका आधार विश्वास, लोकतान्त्रिक मूल्यों में साझा विश्वास, साझा प्रगति और समृद्धि के लिए साझा प्रतिबद्धता है। कल से इस संबंध में लगभग 20 मंत्रिस्तरीय बैठकें हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी पार्टनरशिप को ऊपर उठाने और गति बढ़ाने के लिए कई निर्णय लिए गए हैं। व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, नवाचार, हरित विकास, सुरक्षा, कौशल और गतिशीलता पर सहयोग का एक ब्लू प्रिन्ट तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भारत - मध्य पूर्व - यूरोप आर्थिक गलियारा, यानि "आइमेक", को आगे ले जाने के लिए ठोस कदम उठाये जाएंगे। मुझे विश्वास है कि "आइमेक" ग्लोबल कॉमर्स, सतत विकास और समृद्धि को बढ़ावा करने वाला इंजन साबित होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े शेयर बाजार पर हमारा विशाल सहयोग मित्रता विश्वास का प्रतीक है। साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग के लिए हम आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के महत्व दोनों पक्ष एकमत हैं। "इंडो पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव" में शामिल यूरोपीय संघ के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के महत्व पर एकमत हैं।

'कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि' पर बजट पश्चात वेबिनार आज, प्रधानमंत्री मोदी देंगे मुख्य भाषण

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय शनिवार को "कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि" पर एक दिवसीय बजट पश्चात वेबिनार आयोजित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे और मुख्य भाषण देंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान कल अपराह्न 3:30 बजे अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस वेबिनार का उद्देश्य हितधारकों को एक केंद्रित चर्चा में शामिल करना और 2025 की बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की रणनीति बनाना है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि वेबिनार के रूप में निर्धारित यह कार्यक्रम कृषि विकास और ग्रामीण समृद्धि के प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करेगा, जिससे बजट में उल्लिखित दृष्टिकोण को साकार करने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा। इसके अलावा वेबिनार का उद्देश्य संरचित, उप-विषय-केंद्रित वेबिनार के माध्यम से "कृषि और ग्रामीण समृद्धि' के लिए 2025 के बजट के कार्यान्वयन में निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और विषय वस्तु विशेषज्ञों सहित प्रमुख हितधारकों को एकजुट करना भी है। इसका लक्ष्य संवाद को सुविधाजनक बनाना, अंतर्दृष्टि एकत्र करना और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में समय पर और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

भारत के हवाई बेड़े को हर साल 35-40 लड़ाकू विमानों की जरूरत : वायु सेना प्रमुख

जेट विमानों की संख्या बढ़ाने के लिए निजी कंपनियों की ओर देखने का सुझाव

एजेंसी। नई दिल्ली

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शुक्रवार को एक बार फिर लड़ाकू विमानों की कम स्क्वाड्रन पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वायु सेना को अगले कुछ वर्षों में पुराने बेड़े से मिराज, मिग-29 और जगुआर को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए हर साल 35-40 लड़ाकू विमानों की जरूरत है। उन्होंने टाटा और एयरबस के संयुक्त उद्यम में सी-295 परिवहन विमान निर्माण का हवाला देते हुए जेट विमानों की संख्या बढ़ाने के लिए निजी कंपनियों की ओर देखने का सुझाव दिया। वायु सेना प्रमुख ने आज नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने लड़ाकू बेड़े में हर साल दो स्क्वाड्रन जोड़ने की जरूरत है। इसका मतलब है कि हमें हर साल 35-40 विमान चाहिए। हालांकि, यह क्षमता रातोंरात नहीं आ सकती, लेकिन इन विमानों की जरूरत मौजूदा कमियों को पूरा करने के लिए है। साथ ही यह जरूरत अगले 5-10 वर्षों में मौजूदा बेड़े को चरणबद्ध तरीके से हटाए जाने के बाद पैदा होने वाली कमियों को भी पूरा करने के लिए है। उन्होंने कहा कि जगुआर, मिग-29 और मिराज 2000 जेट को हवाई बेड़े में 1980 के दशक के दौरान शामिल किया गया था, जिन्हें 2029-30 के बाद चरणबद्ध तरीके से सेवानिवृत्त किया जाना है। इस महीने की शुरुआत में बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान वायु सेना प्रमुख ने तेजस मार्क-1ए जेट के उत्पादन की गति पर चिंता जताई थी, क्योंकि अनुबंधित 83 तेजस मार्क-1ए जेट की आपूर्ति समय सीमा से एक साल से अधिक पीछे चल रही है। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अगले साल 24 तेजस मार्क-1ए जेट बनाने का वादा किया है। एक बार फिर नाराजगी भरे लहजे में उन्होंने वायु सेना की जरूरतों के साथ आत्मनिर्भरता को संतुलित करने के बारे में कहा कि मैं विदेशी कंपनियों से खरीद पर जोर नहीं दे रहा हूं, लेकिन स्वदेशी विमानों की आपूर्ति वादा किए गए आंकड़े से बहुत कम हैं, इन कमियों को दूर करने के लिए कुछ करने की जरूरत होगी। उन्होंने जेट विमानों की संख्या बढ़ाने के लिए निजी कंपनियों की ओर देखने का सुझाव देते हुए टाटा और एयरबस के संयुक्त उद्यम में सी-295 परिवहन विमान के निर्माण का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि हम निजी भागीदारी से हर साल 12-18 जेट विमान हासिल कर सकते हैं। एयर चीफ मार्शल सिंह ने 2047 तक वायु सेना का विजन देते हुए कहा कि हमें इसी तरह आगे बढ़ना है। यह समय सीमा 'विकसित भारत' या विकसित भारत के लिए है। उन्होंने कहा कि वायु सेना के पास वर्तमान में लड़ाकू विमानों की 31 स्क्वाड्रन हैं, जबकि पाकिस्तान और चीन के खिलाफ दो मोर्चों पर खतरे से निपटने के लिए 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम फडणवीस को पाकिस्तानी नंबर से मिली धमकी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय को पाकिस्तान के फोन नंबर से

धमकी भरा संदेश मिला है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुट गई हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय पर हमले की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकीभरा संदेश पाकिस्तानी नंबर से व्हाट्सएप पर भेजा गया है। इस कारण मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा एजेंसियां और चौकन्नी हो गई हैं। मुंबई पुलिस मामला दर्ज कर फौरी जांच में जुट गई है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय समेत अन्य महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस की सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। साइबर सेल और इंटेलिजेंस एजेंसियां संदेश भेजने वाले व्यक्ति या संगठन की पहचान करने में लगी हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां संदेश भेजने वाले नंबर को ट्रैक कर रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी इस घटना की सूचना दे दी गई है। महाराष्ट्र सरकार मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है।

नेपाल में 6.1 तीव्रता का भूकंप, कोई मानवीय क्षति नहीं

काठमांडू। नेपाल में सिंधुपालचोक जिले में आज सुबह स्थानीय समयानुसार 2:51 बजे आए भूकंप के तेज झटके काठमांडू और पूर्वी नेपाल तक महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 मैग्नीच्यूट दर्ज की गई। अब तक किसी भी प्रकार की मानवीय क्षति की कोई सूचना नहीं है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के प्रभारी मुकुंद भट्टराई ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के प्रभारी मुकुंद भट्टराई के अनुसार, भूकंप का केंद्र सिंधुपालचोक जिले का भैरवकुंड था। इसका असर राजधानी काठमांडू सहित पूर्वी और मध्य नेपाल तक रहा। सिंधुपालचोक के जिलाधिकारी किरण थापा ने टेलीफोन से संपर्क करने पर बताया कि भूकंप के कारण किसी भी प्रकार के मानवीय क्षति की अब तक कोई सूचना नहीं मिली है। कुछ भौतिक क्षति हुई है लेकिन वह बहुत ही सामान्य है। इस बीच सिंधुपालचोक पुलिस के हवाले से खबर आ रही है कि जिला जेल में बंद कैदी 33 वर्षीय स्याङबो तामांग भूकंप का फायदा उठाकर दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर भागने की कोशिश में घायल हो गया। इसी जिले के गोदारी पुलिस चौकी की दीवारों में दरार पड़ गईं। जिले के भोटेकोशी में लैंड स्लाइड होने की सूचना मिली है। मानव बस्ती से दूर हुए इस भू-स्खलन से कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिलाधिकारी थापा ने कहा कि पूरे जिले में पुलिस को अलर्ट किया गया गया है। जिला प्रशासन किसी भी परिस्थिति से निबटने के लिए तैयार है। इसी बीच भूकंप के बाद आफ्टरशॉक आने की भी सूचना है।

हिमस्खलन से चीन सीमा पर बीआरओ का कैंप ध्वस्त, सेना ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

- हिमस्खलन में 57 श्रमिक आठ कंटेनरों और एक शेड के अंदर दबे, 10 बचाए गए

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत-चीन सीमा पर उत्तराखंड में जोशीमठ के माणा क्षेत्र में शुक्रवार को हुए हिमस्खलन से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) का जीआरईएफ कैंप ध्वस्त हुआ है। बीआरओ में भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को इसी कैंप में बुलाया जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से बात की है। उन्होंने बताया कि प्रशासन प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। भारतीय सेना ने भी रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है और सेना की स्थानीय इकाइयों ने बचाव कार्य चलाया है। सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके फंसे हुए कर्मियों को बचाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से घटना के बारे में जानकारी लेने के बाद बताया कि माणा क्षेत्र में आज हुए दुर्भाग्यपूर्ण हिमस्खलन से बीआरओ का जीआरईएफ कैंप ध्वस्त हुआ है। स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री धामी ने उन्हें अवगत कराया है कि प्रशासन प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। सेना की स्थानीय इकाइयों ने भी बचाव कार्य चलाया है। सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके फंसे हुए कर्मियों को बचाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्र में भारी बर्फबारी जारी है और जीआरईएफ जोशीमठ और माणा के बीच सड़क को साफ करने का काम कर रहा है। बचाव और चिकित्सा सहायता में सहायता के लिए जोशीमठ से अतिरिक्त चिकित्सा संसाधन भेजे जा रहे हैं। सेना के मध्य क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालने वाली सूर्या कमांड ने बताया कि शुक्रवार को सुबह करीब 07:15 बजे माणा क्षेत्र और बद्रीनाथ के बीच स्थित एक बीआरओ लेबर कैंप हिमस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे 57 श्रमिक आठ कंटेनरों और एक शेड के अंदर दब गए।भारतीय सेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीमों में आईबेक्स ब्रिगेड के 100 से अधिक कर्मियों को तुरंत तैनात किया गया, जिसमें डॉक्टर, एम्बुलेंस और प्लांट उपकरण शामिल थे। सुबह 11:50 बजे तक टीमों ने पांच कंटेनरों का पता लगाकर 10 मजदूरों को सफलतापूर्वक बचा लिया, जो सभी जीवित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने उत्तराखंड में हिम स्खलन की घटना पर मुख्यमंत्री धामी से की बात

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चमोली में हिम स्खलन की घटना पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और आईटीबीपी और एनडीआरएफ के महानिदेशक से बात की। उन्होंने कहा कि हादसे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी प्राथमिकता है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, "उत्तराखंड के चमोली में ग्लेशियर फटने के संदर्भ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, डीजी आईटीबीपी और डीजी एनडीआरएफ से बात की। हादसे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी प्राथमिकता है। स्थानीय प्रशासन बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से लगा हुआ है। एनडीआरएफ की दो टीमें भी जल्द ही घटना स्थल पर पहुंच रही हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की मस्जिद में आत्मघाती बम विस्फोट, जमीयत नेता समेत पांच की मौत, 20 से अधिक घायल

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक मस्जिद में शुक्रवार को हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम समीउल हक (जेयूआई-एस) के नेता मौलाना हामिद उल हक हक्कानी शामिल हैं। यह वाकया अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के नौशेरा जिले के अकोरा खट्टक शहर की दारुल उलूम हक्कानिया मदरसा परिसर की मस्जिद में हुआ। प्रांतीय सरकार ने पुष्टि की कि इस विस्फोट में जेयूआई-एस नेता मौलाना हामिद-उल हक हक्कानी सहित पांच नमाजियों की मौत हो गई। विस्फोट में 20 से अधिक नमाजी घायल हो गए। द न्यूज की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने कहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अकोरा खट्टक शहर पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर (35 मील) पूर्व में स्थित है। यहां के ऐतिहासिक मदरसे की मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के बाद सभी नमाजी बाहर निकल रहे थे, तभी अचानक बम विस्फोट हुआ। विस्फोट में मारा गया हामिद मौलाना समी-उल-हक हक्कानी का बेटा है। वह आतंकवादियों के निशाने पर थे। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि विस्फोट में लहूलुहान दारुल उलूम हक्कानिया के उप प्रशासक और जेयूआई-एस के अमीर मौलाना हामिद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। विस्फोट स्थल पर पुलिस की टीमें मौजूद हैं और आसपास तलाशी अभियान शुरू किया गया है। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि रमजान से पहले यह आखिरी शुक्रवार की नमाज थी। अधिकारियों का कहना है कि पेशावर के लेडी रीडिंग हॉस्पिटल प्रशासन और मेडिकल स्टाफ को अलर्ट पर रखा गया है। यह अस्पताल घटनास्थल से लगभग 45 मिनट की दूरी पर है। दारुल उलूम हक्कानिया मुल्क के सबसे बड़े मदरसों में से एक है। शीर्ष पुलिस अधिकारी के मुताबिक, चार शव काजी हुसैन अहमद मेडिकल कॉम्प्लेक्स में रखे गए हैं। घायलों का इलाज चल रहा है। हामिद का शव नौशेरा सीएमएच में है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने विस्फोट की निंदा करते हुए इसे दुखद और निंदनीय कृत्य बताया। उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रवक्ता असलम गौरी ने विस्फोट की निंदा करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद है।

जेपी नड्डा ओडिशा दौरे पर, एनएचएम कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

भुवनेश्वर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा अपने दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचे हैं। इस दौरान वह पुरी में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के एक विशेष कार्यक्रम में आज शामिल होंगे। जेपी नड्डा जब भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, तो मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

पुरी में होगा राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन : भाजपा प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष बिरंची नारायण त्रिपाठी ने बताया कि नड्डा पहले कोणार्क रवाना हुए, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। वह शुक्रवार को पुरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित नौवें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली की कानून व्यवस्था की समीक्षा की

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली में कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और आईबी प्रमुख के साथ-साथ गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि दिल्ली पुलिस और दिल्ली की नई सरकार के बीच समन्वय कैसे बेहतर बनाया जाए। बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गई कि राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की नई चुनौतियों से कैसे निपटा जाए और साथ ही इन चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस के प्रयासों को कैसे मजबूत किया जाए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 18 फरवरी को अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ बैठक की थी। उस बैठक में उन्होंने अप्रैल 2025 तक जम्मू-कश्मीर में नए आपराधिक कानून लाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया था।

जीएसटी और कस्टम्स अधिनियम मामलों में व्यक्ति को मिलेगी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी अधिनियम और कस्टम्स अधिनियम के मामलों में अग्रिम जमानत का प्रावधान लागू किया जाएगा। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि एफआईआर दर्ज न होने की स्थिति में भी व्यक्ति अग्रिम जमानत के लिए अदालत का रुख कर सकते हैं। यह फैसला भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता और उसके बाद लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत जारी किया गया है। सुनवाई के बाद पिछले साल 16 मई को इस मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिय था। यह फैसला चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने सीजीएसटी, एसजीएसटी और कस्टम्स अधिनियम की दंडात्मक धाराओं की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली 279 याचिकाओं पर सुनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तारी तभी की जा सकती है जब कारणों पर विश्वास हो। अब इस सिद्धांत को जीएसटी और कस्टम्स अधिनियम की गिरफ्तारियों पर भी लागू किया गया है। कोर्ट ने कहा कि जीएसटी विभाग द्वारा गिरफ्तारी को लेकर जारी सर्कुलर का सख्ती से पालन होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया है कि कस्टम्स अधिकारियों को पुलिस अधिकारी नहीं माना जा सकता। सीजेआई खन्ना ने कहा कि हमारे पास डेटा है, जो दिखाता है कि कर भुगतान में बल प्रयोग और जबरदस्ती के आरोपों में कुछ सच्चाई हो सकती है। यह कानून के खिलाफ है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस तरह के दबाव में कर चुकाता है, तो वह रिट याचिका दायर कर न्याय की गुहार लगा सकता है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ संदेह के आधार पर गिरफ्तारी नहीं की जा सकती है।

मणिपुर के चार जिलों में 109 हथियार सरेंडर, सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता

इंफाल। मणिपुर में जारी अशांति के बीच सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। राज्य के चार जिलों कांगपोकपी, बिष्णुपुर, इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट के स्थानीय लोगों ने कुल 109 हथियार और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सुरक्षा बलों को सरेंडर किए हैं। कांगपोकपी जिले के सैकुल पुलिस स्टेशन में स्थानीय लोगों ने 9 एमएम पिस्टल, ग्रेनेड, कारतूस और दो वायरलेस सेट जमा कराए। पुलिस और प्रशासन ने इसे शांति की दिशा में बड़ा कदम बताया है। बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन में भी लोगों ने अवैध हथियारों का आत्मसमर्पण किया। प्रशासन का कहना है कि इससे जिले में कानून व्यवस्था को बहाल करने में मदद मिलेगी और हालिया हिंसक घटनाओं पर रोक लगेगी। मणिपुर की राजधानी क्षेत्र इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट में भी हथियारों का सरेंडर अभियान तेज हो गया है। इंफाल वेस्ट और इंफाल ईस्ट जिलों में कई लोगों ने अवैध हथियार सुरक्षा बलों को सौंपे हैं। मणिपुर सरकार और सुरक्षा बलों की अपील के बाद लोग स्वेच्छा से हथियार सरेंडर कर रहे हैं। सरकार ने पहले ही अवैध हथियारों को जमा करने के लिए अभियान शुरू किया था।

माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरीः वंदे भारत चलेगी 7 मार्च से

जम्मू। दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जो जम्मू रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्यों के चलते अस्थायी रूप से बंद थी, अब 7 मार्च से फिर से शुरू होने जा रही है। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 6 मार्च तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद 7 मार्च से वंदे भारत एक्सप्रेस फिर से अपनी सेवाएं बहाल करेगी। रेलवे प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस सूचना का ध्यान रखना चाहिए। यदि किसी यात्री को अधिक जानकारी चाहिए या अन्य ट्रेनों के शेड्यूल के बारे में जानना हो, तो वे रेलवे स्टेशन या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस के फिर से शुरू होने से माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा पहले की तरह तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने एसीएम पद की परीक्षा तिथि घोषित की

एजेंसी : रांची । दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने असिस्टेंट कमर्शियल मैनेजर (एसीएम) पद के लिए परीक्षा की तिथि घोषित कर दी है। यह परीक्षा चार और 18 मई को सीबीटी मोड में आयोजित होगी। इसमें कार्यरत रेल कर्मचारियों को अवसर दिया जाएगा। परीक्षा में सीसीआई सहित अन्य रेल कर्मचारियों को 70 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इस संबंध में चक्रधरपुर रेल मंडल के असिस्टेंट पर्सनल अफसर मो. इबरार ने शुक्रवार को आधिकारिक पत्र जारी किया है।

झारखंड के उत्तर -पश्चिमी जिलों में होगी एक मार्च से बारिश

एजेंसी : रांची । राज्य के उत्तर पश्चिमी जिलों में शनिवार को हल्की बारिश और एक दो स्थानों पर वज्रपात होने की आशंका है। जिन जिलों में बारिश और वज्रपात की सम्भावना है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा और लोहरदगा शामिल है। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि यह स्थिति पश्चिमी विक्षोभ के चलते पैदा हो रही है। उन्होंने बताया कि राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में इस बदलाव का असर कम देखने को मिलेगा। रांची में इसकी वजह से शनिवार को आंशिक बादल छाए रहेंगे। वहीं शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री, जमशेदपुर में 32.5, डालटेनगंज में 33.4, बोकारो में 33.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

झारखंड विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण प्रतिवेदन पेश, गैर मजरूवा भूमि पर उठा सवाल

एजेंसी : रांची । झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण प्रतिवेदन सदन में पेश किया गया। सत्र की शुरुआत प्रश्नकाल से हुई, जिसमें स्पीकर ने अल्पसूचित प्रश्न, तारांकित प्रश्न, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण सूचनाओं पर चर्चा की।विधायक नागेंद्र महतो ने गैर मजरूवा जमीन की बंदोबस्ती का मुद्दा उठाया, जिस पर वे वर्षों से खेती कर रहे हैं। इस पर भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा ने आश्वासन दिया कि 15 दिन के भीतर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड विधानसभा बजट सत्रः 108 एंबुलेंस सेवा और रोजगार पर गरमाई बहस

एजेंसी : रांची । विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन 108 एंबुलेंस सेवा को लेकर सत्ता पक्ष ने सरकार को घेरा। विधायक अमित कुमार यादव ने हर जिले में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग उठाई, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि कोडरमा में मेडिकल कॉलेज का 38% निर्माण पूरा हो चुका है। पहले चरण में धनबाद, देवघर, खूंटी, गिरिडीह, जामताड़ा और जमशेदपुर में मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इसके अलावा, पांच सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल और 108 एंबुलेंस सेवा को मजबूत करने की योजना है। विधायक स्टीफन मरांडी ने 108 एंबुलेंस और सदर अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने की मांग की, जबकि मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सेवा की नियमावली में संशोधन का सुझाव दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा का जिम्मा नई एजेंसी को सौंपा गया है और इस पर कार्य जारी है।श्रम मंत्री संजय प्रसाद सिंह यादव ने कहा कि सरकार रोजगार के प्रति उदार दृष्टिकोण अपना रही है। 24 में से 18 जिलों में रोजगार मेले आयोजित किए जा चुके हैं, और कुटीर एवं मध्यम उद्योगों में रोजगार बढ़ाने के प्रयास जारी हैं।विधायक प्रदीप यादव ने शिकायत की कि उनके सवालों के जवाब समय पर नहीं मिल रहे हैं। स्पीकर ने सभी विभागों को समय पर उत्तर देने का निर्देश दिया, लेकिन प्रदीप यादव ने देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित सचिव पर कार्रवाई की मांग की।भाजपा विधायक राज सिन्हा ने 917.69 करोड़ की धनबाद पेयजलापूर्ति योजना पर चर्चा न होने को लेकर सवाल उठाए। प्रभारी मंत्री ने जवाब दिया कि धनबाद में कुल 12 योजनाएं चल रही हैं, जिनमें स्टेट प्लान की योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि नगर विकास विभाग बाकी योजनाओं पर काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना से नीरू शांति भगत ने की मुलाकात

एजेंसी : रांची । झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की।

इस मुलाकात को राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि नीरू शांति भगत जल्द ही झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल हो सकती हैं। नीरू शांति भगत पूर्व में आजसू पार्टी से जुड़ी रही हैं और लोहरदगा सीट से दो बार चुनाव लड़ चुकी हैं, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली। हाल ही में उन्होंने आजसू से इस्तीफा दे दिया है। उनके पति कमल किशोर भगत भी आजसू पार्टी से विधायक रह चुके हैं।

हत्या या आत्महत्या? रांची में संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

एजेंसी : रांची । रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड-1 में शुक्रवार को सुमित वर्मा उर्फ टकला का संदिग्ध अवस्था में पुलिस ने शव बरामद किया है। उसका शव रस्सी के सहारे कमरे में लटक रहा था। शुक्रवार की सुबह आसपास के लोगों ने देखा तो मामले की जानकारी सुखदेवनगर पुलिस को दी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सुमित वर्मा की हत्या हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा। सुत्रों के अनुसार, सुमित का आपराधिक इतिहास रहा है। उसने महज 17 की उम्र में अपने बचपन के दोस्त अंकुश शर्मा की बिरला मैदान में हत्या की थी। उसकी हत्या पत्थर से कूचकर बेरहमी से की गयी थी। इस मामले में पुलिस ने उसे पकड़ कर रिमांड होम भेजा था। जहां एक साल रहने के बाद उसे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा भेजा गया था। जेल से निकलने के बाद उसने दोबारा अपने ही दोस्त अविनाश कुमार की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। वह कुछ माह पूर्व ही जेल से बाहर आया था।

दो हादसों में तीन की मौत, पांच घायल

एजेंसी : रांची गिरिडीह। जिले के बिरनी और बगोदर मे शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। सबसे दर्दनाक हादसा बिरनी में हुआ। इलाके के सलेडीह गांव में एक तेज रफ़्तार स्कार्पियो संतुलन बिगड़ने के कारण पलट गया। इस दौरान स्कार्पियो सवार दो लोगों की मौत हो गई। पांच अन्य जख़्मी हो गए। मृतकों में सलेडीह गांव निवासी 19 वर्षीय आकाश राय और बिट्टू तुरी शामिल हैं। गाड़ी मे सवार घायलों में मधुबन थाना इलाके के विवेक कुमार, जतिन कुमार, डब्लू राय, संतोष राय और एक अन्य हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से भरकट्टा ओपी पुलिस घायलों को इलाज के लिए सदर भेजा गया। दूसरी घटना बगोदर थाना इलाके के हेशला गांव में रोड क्रॉस करने के दौरान हुई। सला गांव निवासी काजू सिंह के बेटे को एक अज्ञात गाड़ी ने रौंद दिया। बगोदर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

पलामू में 251 अनुसेवक सेवामुक्त, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर डीसी की कार्रवाई

एजेंसी : रांची

पलामू । पलामू जिले में 251 अनुसेवकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इन अनुसेवकों की बहाली वर्ष 2010 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पलामू जिला प्रशासन ने सभी को बर्खास्त करने की कार्रवाई की। हालांकि 2010 में ही बहाल हुए सात अनु सेवकों की सेवा अभी भी बरकरार रखी गई है। इसे लेकर भारी असंतोष की स्थिति बनी हुई है। सेवा से बर्खास्त हुए अनुसेवक शुक्रवार को शिवाजी मैदान में जुटे एवं बर्खास्तगी की कार्रवाई पर रोष व्यक्त किया। कहा गया कि इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई है। अगले आदेश का इंतजार किया जा रहा है। अनुसेवकों ने कहा कि बिना विधि परामर्श विभाग से परामर्श लिए ही उन्हें सेवा मुक्त किया गया है। इस मामले में झारखंड सरकार की भूमिका ठीक नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर झारखंड सरकार और पलामू के उपायुक्त को अपील में जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा अब तक नहीं किया गया और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। गौरतलब है कि पलामू जिले में वर्ष 2010 में विज्ञापन संख्या 1- 2010 के अनुसार 255 चतुर्थवर्गीय पदों पर बहाली हुई थी। हालांकि बहाली के दौरान पदों की संख्या निर्धारित नहीं की गई थी और आरक्षण रोस्टर का पालन नहीं किया गया था। इस बहाली के खिलाफ पलामू के ही अमृत कुमार के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए सभी बहाली को फर्जी पाया और कर्मियों को सेवा से बर्खास्त करने का निर्देश दिया था। इसी निर्देश के क्रम में उपायुक्त पलामू ने कार्रवाई की। उपायुक्त के आदेश में कहा गया है कि वैसे कर्मी जो रिटायर हो गए हैं उन्हें पेंशन की सुविधा नहीं मिलेगी। मृत कर्मियों के आश्रित को पारिवारिक पेंशन नहीं मिलेगी और अनुकम्पा पर नियुक्त कर्मियों को दिया गया लाभ भी रद्द किया जाता है। बर्खास्त कर्मियों ने आरोप लगाया कि नियुक्ति का विज्ञापन डीसी के स्तर से वर्ष 2010 में जारी हुआ था। प्रक्रिया के तहत उनकी बहाली हुई। यदि विज्ञापन में कोई त्रुटि थी तो कार्रवाई तत्कालीन डीसी पर होना चाहिए ना कि वर्षों नौकरी कर चुके कर्मियों को हटाना चाहिए। अनुसेवकों का कहना है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। सरकार कोर्ट में उनकी ओर से अपील में नहीं गई। जिले के अधिकारी बात करने के लिए भी समय नहीं दे रहे हैं। बर्खास्त कर्मियों ने कहा कि 2010 के पैनल से ही नियुक्त सातकर्मियों राजकुमार राम, कमल हसन, राशिद अंसारी, मों. तौहीद एवं अन्य दो की सेवा को बहाल रखा गए है और 251 को हटा दिया गया। धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कर्मियों की ओर से अपील की गयी है। वर्ष 2010 में बहस हुई कई चतुर्थवर्गीय कमी रिटायर हो गए हैं जबकि कुछ की मृत्यु भी हो गई है।

सुदीप ने विधानसभा में उठाया निर्माणाधीन खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा रोड की गुणवत्ता का मामला

एजेंसी : रांची

खूंटी । तोरपा के झामुमो विधायक सुदीप गुड़िया ने शुक्रवार को विधानसभा में निर्माणाधीन खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा रोड की गुणवत्ता का मामला उठाया और इसकी जांच करा कर दोषी संवेदक और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग सरकार से की। शून्यकाल के दौरान सदन में इस मामले को उठाते हुए विधायक ने कहा कि खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा पथ के सुदृढ़ीकरण-मजबूतीकरण का काम किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा निर्माण कार्य में अनियमितता की शिकायत मिलने के बाद उन्होंने निर्माण कार्य का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने पाया कि सड़क बनने के साथ ही टूटने लगी है। सड़क की पिच उखड़ गई है और सड़क पर गड्ढे बने गए हैं। इसके कारण लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इसकी शिकायत विभाग के कार्यपालक अभियंता से भी की गई, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। विधायक ने सदन से मांग की कि मामले की जांच किसी सक्षम एजेंसी से कराई जाए और दोषी संवेदक शिव कुमार साहू और संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पत्थर लेने जा रहे हाइवा में अपराधियों ने लगाई आग

एजेंसी : रांची

पलामू । पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के कुहकुह इलाके में अपराधियों ने एक हाइवा में आग लगा दी। हाइवा माइंस में पत्थर लेने के लिए जा रहा था। बाइक सवार तीनअपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अपराधियों की पहचान और घटना का कारण स्पष्ट करने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का हाइवा कुहकुह इलाके में माला कुमार की माइंस में पत्थर लेने जा रहा था। एक साथ तीन से चार हाइवा जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक से आए तीन अपराधियों ने सबसे लास्ट हाइवा को रोका और चालक से पूरी जानकारी लेकर उसमें आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने शुक्रवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज की जाएगी। जलाया गया हाइवा छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का है। वाहन खाली था और पत्थर लोड करने के लिए माइंस में जा रहा था। इस घटना की अपराधी और उग्रवादी कनेक्शन को लेकर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि बिहार बॉर्डर वहां से काफी नजदीक है। ऐसे में अपराधियों का स्प्लिंटर ग्रुप भी इसमें शामिल हो सकता है। अपराधियों की संख्या तीन थी और वह मोटरसाइकिल से पहुंचे थे। आग लगाने के बाद मौके से फरार हो गए। पूरे मामले में जांच तेजी से की जा रही है, जल्द स्थिति स्पष्ट की जाएगी। इस घटना से माइंस में चलने वाले गाड़ियों के चालकों में दहशत का माहौल है। उल्लेखनीय है कि जिस इलाके में यह घटना हुई। वह क्षेत्र नक्सल प्रभावित माना जाता है और यहां कभी नक्सलियों का प्रभाव था। ऐसे में नक्सली हिंसा से इनकार नहीं किया जा सकता।

जन शिकायत समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए पुलिस अधिकारी

एजेंसी : रांची

खूंटी । पुलिस मुख्यालय रांची के निर्देश पर शुक्रवार को नगर भवन खूंटी में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिकायत समाधान केंद्र में खूंटी जिले के 10 थानों के लोगों की शिकायतों को सुना गया। नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण करने के साथ पुलिस व नागरिकों के बीच के अविश्वास को समाप्त करने के उद्देश्य से खूंटी पुलिस ने जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिकायत समाधान केंद्र पर जन शिकायत कार्यक्रम में खूंटी जिले के 10 थानों खूंटी, मुरहू, अड़की, सायको, मारंहादा, तोरपा, तपकरा, रनिया और जरियागढ़ के लोगों की शिकायतों को पुलिस अधिकारियों ने सुना और उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान जमीन विवाद, लापता और अन्य मामलों से संबंधित शिकायतकर्ताओं के आवेदनों पर एसपी अमन कुमार और अन्य पुलिस अधिकारियों ने संबंधित विभाग, थाना प्रभारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही जिला प्रशासन से संबंधित शिकायतों को उपायुक्त खूंटी को अवगत कराने का भी निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरूण रजक, तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, मारंगहादा अंचल के पुलिस निरीक्षक, सभी थाना प्रभारी और ग्रामीण उपस्थित थे।

किसान गोष्ठी में डीजीएम ने किसानों के बीच किया बीजों का वितरण

आधुनिक और विकसित तरीकों से खेती कर बनेंगे आत्मनिर्भर : होलकर

संवाददाता

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित सीएसआर कार्यालय परिसर के सभागार में शुक्रवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में ऊपरघाट के कंजकिरो, पेंक, नारायणपुर, गोविंदपुर, गोनियाटो, अरमो, नई बस्ती, पलामू, बरई, हरलाडीह आदि से सैकड़ों महिला और पुरुष किसान शामिल हुए। गोष्ठी का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर सीएसआर के डीजीएम बीजी होलकर, हजारीबाग से आए प्रसिद्ध किसान एवं प्रशिक्षक मीनू महतो, महेंद्र महतो, नूनूचंद महतो, बाबूलाल महतो ने किया। गोष्ठी की अध्यक्षता डीजीएम ने की और संचालन जीवाधन महतो ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए डीजीएम ने कहा कि वर्तमान समय में खेती में अपार संभावनाएं छिपी हुई हैं और खेती करके हम अपने परिवार, राज्य तथा देश के लोगों का भरण-पोषण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक और विकसित तरीकों से खेती कर हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उपस्थित किसानों को कृषि के प्रति प्रेरित किया गया। प्रशिक्षक मीनू महतो ने जैविक और रासायनिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेती से अलग वैज्ञानिक खेती की ओर रुख करने की आवश्यकता है। किसानों को बताया गया कि कीटनाशकों का सही मात्रा में छिड़काव कैसे करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कीटनाशक बच जाता है, तो उसे पौधों में छिड़कने के बजाय फेंक देना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में कीटनाशक होने से पौधा नष्ट हो जाता है और कम मात्रा में होने से कीट-मकोड़े पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली खेती के बारे में बताया गया। इस अवसर पर डीजीएम ने कई फसलों के बीजों का वितरण भी किया। गोष्ठी में इंटीग्रेटिव फार्मिंग सिस्टम या मल्टी फार्मिंग सिस्टम पर भी चर्चा की गई। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और नई तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। गोष्ठी में नुनूचंद महतो, महेंद्र महतो, सुभद्रा कुमारी, अनिता देवी, कंचन देवी, पिंकी देवी, वीणा देवी, नीलम देवी, लीलावती देवी, मुकेश कुमार महतो, बालेश्वर महतो, तुलसी महतो, मेघलाल महतो, लालवन महतो सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डीजीएम ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर के भैरव महतो, रमेश यादव, ओमप्रकाश यादव, मेहिलाल मुर्मू, सुष्मिता बर्णवाल आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधानसभा ने पारित किया 5,508 करोड़ का तीसरा अनुपूरक बजट

एजेंसी : रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद 5,508 करोड़ रुपये का तीसरा अनुपूरक बजट पारित कर दिया गया। वित्तमंत्री राधाकृष्णी किशोर ने कटौती प्रस्ताव को लेकर कहा कि उन्हें आशा थी की अनुपूरक बजट पर विपक्षी सदस्यों की ओर से सरकार को सुझाव दिया जाएगा, लेकिन विपक्ष ने वित्तीय मामलों पर कम बल्कि राजनीतिक मुद्दे ज्यादा उठाए। विपक्ष की यह बात सही नहीं है कि सदन में मूल बजट आना है तो बीच में अनुपूरक बजट की क्या जरूरत है।हाल ही में केंद्र सरकार ने झारखंड को बकाया 1112 करोड़ रुपये दिए हैं तो क्या इस राशि का उपयोग अनुपूरक के जरिए विकास कार्यों में न हो। वित्त मंत्री ने कहा कि हर पांचवां वर्ष चुनाव का होता है, जिसका असर राज्यों के खर्च और इसके राजस्व पर पड़ता है। हमारी सरकार की सोच है कि ऐसे विभागों के पैसे को उन विभागों को दे दिया जाए जिन विभागों में अधिक खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने जदयू सदस्य सरयू राय की ओर से उठाए गए मुद्दों पर कहा कि यदि सदन के बगैर अनुमति के राशि का आवंटन नहीं किया जाता है। यदि ऐसी बात होगी तो इसकी जांच कराई जाएगी। मालूम हो कि सरयू राय ने सदन की बगैर अनुमति के राशि आवंटित करने की बात कही थी और कहा था कि वित्तम मंत्री को सरकार के बही-खातों को दुरुस्त करना चाहिए।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लोगों को जागरूक करने के दिए निर्देश

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में शामिल हुए सांसद भगत

एजेंसी : रांची

लोहरदगा । जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिला में आएदिन हो रही सड़क दुर्घटना, शहरी क्षेत्र में सड़कों पर अतिक्रमण, स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग आदि को लेकर बिंदुवार समीक्षा की गई।इस बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय सांसद सुखदेव भगत ने की। शुक्रवार को समाहरणालय कक्ष में आयोजित बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सांसद भगत ने लोहरदगा जिला में आएदिन हो रही सड़क दुर्घटना, शहरी क्षेत्र में सड़कों पर अतिक्रमण, स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग की सड़क दुर्घटना में कमी लाने के लिए की जा रही कार्रवाई आदि पर बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में शहर के पतराटोली में हाल के दिनों में सड़क दुर्घटना के बाद वहां स्पीड ब्रेकर, साईनेज लगाये जाने के निर्देश एनएच के कार्यपालक अभियंता को दिये गये। कई अंधेरे इलाकों में स्ट्रीट लाइट लगवाने का निर्देश विद्युत प्रमण्डल को दिया गया। इसके अलावा स्कूलों व कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम चलाये जाने का निर्देश शिक्षा विभाग को दिया गया। साथ ही बाजार में भी माइक से घोषणा कराकर बच्चों के अभिभावकों कों जागरूक करने की बात कही गई। बैठक में एसपी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

अवैध बालू लदा दो हाइवा ट्रक जब्त

एजेंसी : रांची

लोहरदगा । अवैध बालू उठाव और परिवहन मामले में गुप्त सूचना पर पुलिस ने कारवाई करते हुए अवैध बालू लदा दो हाइवा ट्रक को जब्त किया है। जब्त हाइवा ट्रक और मालिक एवं चालक के विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत कारवाई किया जायेगा। सेन्हा अंचल क्षेत्र के रास्ते अवैध बालू परिवहन की गुप्त सूचना सेन्हा पुलिस को मिलते ही मध्य रात्रि में छापेमारी अभियान चला कर थाना क्षेत्र से एक हाइवा ट्रक तथा कोराम्बे से एक हाइवा ट्रक जे एच 09 ए एन 0195 तथा जे एच 02 ए डब्लू 7555 को जब्त कर सेन्हा थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। वही जब्त हाइवा ट्रक के बारे में अंचलाधिकारी द्वारा खनन विभाग को अग्रतर कारवाई के लिए अवगत कराया गया। जिसे जब्त हाइवा ट्रक के मालिक और चालक के विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत कारवाई किया जायेगा। जबकि हाइवा ट्रक के मालिक ने बताया कि गुमला जिले के लरंगो से बालू उठाव कर ले जाया जा रहा था। इसका चालान होने के बावजूद जांच करवाने की बात बोल बालू लदा हाइवा ट्रक को पकड़ कर थाना में रखा गया है। इस संदर्भ मे थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने जानकारी देते हुए कहा कि अवैध बालू उठाव एवं परिवहन की सूचना पर निरंतर कारवाई किया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा अवैध बालू लदा हाइवा ट्रक के परिवहन की गुप्त सूचना मिला था। इस पर पुलिस छापेमारी करते दोनों ट्रक के चालक एवं मालिक के बिरुद्ध जांचोपरांत खनन अधिनियम के तहत कारवाई किया गया। सेन्हा अंचल क्षेत्र से अवैध बालू का उठाव कोयल नदी से होने तथा परिवहन करने के मामले पर लगातार खनन पदाधिकारी के निर्देश पर अंकुश लगाने की दिशा में पुलिस द्वारा कारवाई जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय विद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित केंद्रीय विद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीआर डे ने दीप प्रज्वलित कर एवं डॉ. सीवी रमण की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना को बढ़ावा देने हेतु शिक्षकों से आह्वान किया और बताया कि डॉ. रमण ने रमण प्रभाव की खोज की थी, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ था। सीवी रमण के जीवन से सभी को प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

क्राफ्ट इंडिया एक्सपोः देशभर के 60 स्टॉल्स के साथ भव्य आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : बोकारो के सेक्टर 4 स्थित ओपन ग्राउंड मैदान में, सुजुकी शोरूम के सामने, क्राफ्ट इंडिया शॉपिंग एक्सपो का शानदार शुभारंभ हुआ। जानकारी देते हुए प्रबंधक मिराज अंसारी नें बताया की इस मेले में देशभर के विभिन्न राज्यों के उत्पादों की व्यापक प्रदर्शनी की गई है, जिसमें खादी भंडार विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खादी के कुर्ते, खादी शर्ट, कुर्ता-पायजामा और अन्य कपड़ों की बिक्री जोरों पर है।

इसके अलावा, राजस्थानी अचार, भदोही के कारपेट, जूट बैग, ऑल-इन-वन स्टॉल, और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुएं लोगों को खूब लुभा रही हैं। मेले में फैशन ज्वेलरी, सिल्क कॉटन साड़ियां, ड्रेस मटेरियल, घर सज्जा के सामान, लखनवी चिकन दुपट्टा, और अन्य विविध उत्पाद उपलब्ध हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों से आए करीब 60 स्टॉल इस मेले में भाग ले रहे हैं, जहाँ कश्मीर से कन्याकुमारी तक के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराए गए हैं। खाने-पीने के शौकीनों के लिए गुजरात के प्रसिद्ध नमकीन और विभिन्न प्रकार के चटपटे अचार भी मेले की रौनक बढ़ा रहे हैं। यह एक्सपो स्थानीय लोगों के लिए खरीदारी और संस्कृति के संगम का एक अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

मौक़े पर जुबेर शेख,अंकित चौरसिया,इश्तियाक आदि मौजूद थे.

त्रिपक्षीय समझौता वार्ता के साथ मजदूरों की समस्या का निराकरण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट में कार्यरत कंपनी मेसर्स आनंद कुमार सिंघानिया द्वारा 14 अप्रैल 2023 को कार्य से हटाए गए पांच मजदूरों और कंपनी के बीच उत्पन्न विवाद का निराकरण शुक्रवार को केंद्रीय सहायक श्रमायुक्त, हजारीबाग के कार्यालय में त्रिपक्षीय वार्ता के द्वारा किया गया। वार्ता में केंद्रीय सहायक श्रमायुक्त के अलावा ठेकेदार मजदूर यूनियन एटक के महासचिव इफ्तेखार महमूद, डीवीसी एचआर के प्रबंधक रोहित कुमार तथा कंपनी के प्रतिनिधि सह लेखा पदाधिकारी हरित कुमार शामिल हुए।

विदित हो कि वरीयता का बिना अनुपालन किए कंपनी ने पांच मजदूरों- अटल कुमार हलदर, अघनु मुंडा, डूमर चंद महतो, दिनेश सोरेन तथा संजय कुमार महतो को 14 अप्रैल 2023 से काम से हटा दिया था, जिसके बाद ही कंपनी प्रबंधन और मजदूरों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया था। कंपनी हटाए गए सभी मजदूरों को प्रति मजदूर अधिकतम 20,000 रुपये क्षतिपूर्ति देने के लिए तैयार थी, किंतु मजदूरों का प्रतिनिधित्व कर रहे ठेकेदार मजदूर यूनियन के महासचिव इफ्तेखार महमूद द्वारा 45 से 55 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। केंद्रीय सहायक श्रमायुक्त की अध्यक्षता में देर तक चली त्रिपक्षीय वार्ता में 45 से 55 हजार रुपये भुगतान करने का फैसला किया गया और उपर्युक्त विवाद का निपटारा कर दिया गया।

ONGC ऑफिसर्स महिला समिति द्वारा चास महिला थाना में क्रेचे का निर्माण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। शुक्रवार को महिला थाना, चास के प्रांगण में महिलाओं और बच्चों की सुविधा के लिए एक क्रेचे का उद्घाटन किया गया। इसका शुभारंभ ONGC ऑफिसर्स महिला समिति की अध्यक्ष रचना जौहरी द्वारा किया गया।

महिला थाना चास में दूर-दराज से महिलाएँ अपनी शिकायतें दर्ज कराने आती हैं, जिनके साथ छोटे बच्चे भी होते हैं। ऐसे में महिलाओं और बच्चों के लिए एक आरामदायक स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ONGC ऑफिसर्स महिला समिति द्वारा इस क्रेचे का निर्माण किया गया है। यह पहल उन महिलाओं के लिए बड़ी राहत साबित होगी, जिन्हें शिकायत दर्ज कराने के दौरान लंबे समय तक रुकना पड़ता है।

इस अवसर पर श्रीमती रचना जौहरी ने कहा कि यह क्रेचे महिलाओं और बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि ONGC ऑफिसर्स महिला समिति आगे भी इसी प्रकार के सामाजिक कार्यों में योगदान देती रहेगी।

महिला थाना प्रभारी सुनीता लिंडे ने इस सहयोग के लिए ONGC ऑफिसर्स महिला समिति का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह की सुविधाएँ महिला शिकायतकर्ताओं के लिए बड़ी सहूलियत लेकर आएंगी।

इस कार्यक्रम में ONGC ऑफिसर्स महिला समिति की सदस्याएँ भी उपस्थित रहीं, जिनमें सुतापा भट्टाचार्य, विनीता, सुषमा, प्रतिभा, स्वेता, सोनी, अपराजिता और स्वाति शामिल थीं।

बगदा में किशोरियों को दिया गया जीवन कौशल प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सहयोगिनी संस्था की ओर से शुक्रवार को कसमार प्रखंड के बगदा पंचायत भवन में किशोरियों में नेतृत्व क्षमता विकास के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने कहा कि लड़कियों के कैरियर को सुनिश्चित करने के लिए जीवन कौशल के तरीकों को अपनाना जरूरी है। जीवन कौशल का प्रशिक्षण के माध्यम से लड़कियां अपना भविष्य संवार सकती है। कार्यक्रम समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि कसमार प्रखंड के 30 गांव में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा महिला हिंसा रोकथाम पर काम किया जा रहा है। संगीता देवी ने कहा कि व्यक्तिगत विकास के लिए जीने के तरीकों को समझने की जरूरत है। सहयोगिनी द्वारा कार्यक्रम के दौरान नेहा कुमारी, निशा कुमारी, सुप्रिया कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, संजु, नीलम, रुबी कुमारी आदि उपस्थित थी।

बोकारो में भगवान चित्रगुप्त मंदिर का स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-6 स्थित साईं मंदिर परिसर में भगवान चित्रगुप्त मंदिर का स्थापना दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर विधि-विधान से भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की गई और प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन में चित्रांश परिवार और साईं मंदिर संचालन समिति के पदाधिकारी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में चित्रगुप्त मंदिर के संस्थापक संजय सिन्हा और उनकी धर्मपत्नी गुंजीता सिन्हा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में रजिस्ट्रार सौरव वर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा अनल कुमार और संजय कुमार की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के प्रदेश उपाध्यक्ष ए. के. वर्मा ने सौरव वर्मा, संजय सिन्हा, अनल कुमार और संजय कुमार को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि सौरव वर्मा ने मंदिर की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि चित्रांश परिवार के साधनविहीन और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए। इससे समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकेगा।

मंदिर संस्थापक संजय सिन्हा ने कहा कि चित्रगुप्त

मंदिर एक ऐसा स्थान है, जहां समाज के लोग मिलकर विचार-विमर्श कर सकते हैं और समाज को आगे बढ़ाने की योजनाएं बना सकते हैं। ए. के. वर्मा ने भी समाज के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को आगे लाने पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि हर महीने एक निश्चित तिथि को समाज के लोगों को एकत्रित होकर योजनाओं पर कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर सचिन और अनल कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सुनील श्रीवास्तव, रोहित रंजन, शिल्पी बक्शी, राकेश श्रीवास्तव, अनुराधा श्रीवास्तव, प्रमता श्रीवास्तव, रणजीत सिन्हा, पवन श्रीवास्तव, अरुण सिन्हा, राज सिन्हा, भैया प्रीतम, हिमांशु, एके सिन्हा, सौरभ, उमेश, पिंटू, डॉली कोचस्व, रागिनी अंबष्ट और रोहित कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

झारखंड विधानसभा में जमीन अधिग्रहण और मुआवजा को लेकर पर हंगामा, सत्ता-विपक्ष दोनों ने उठाए सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा : रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन जमीन अधिग्रहण से जुड़ा मुआवजा, एनओसी और म्यूटेशन में धांधली का मुद्दा गरमाया रहा। इस पर विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी सवाल उठाए। विधायक नागेंद्र महतो ने सरकार से पूछा कि क्या वह गैर-मजरूआ जमीन पर किसानों से राजस्व लेकर उन्हें स्वामित्व का अधिकार देने पर विचार कर रही है? इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने जवाब दिया कि पूर्व की भाजपा सरकार ने अवैध जांच का आदेश दिया था, लेकिन अब 2018 से पूर्व की बंदोबस्ती वाली जमीन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के बाद खाता और प्लॉट नंबरों में बदलाव कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत से पांच एकड़ की जमीन को पांच डिसमिल दिखाया जा रहा है

और सीओ (अंचल अधिकारी) 25 से 50 हजार रुपये तक की घूस मांग रहे हैं। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि यदि किसी अंचल से ऐसी शिकायत मिलती है, तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने भी भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे को उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि विकास कार्यों के लिए भूमि देने वाले रैयतों के गैर-अधिग्रहित प्लॉट पर प्रतिबंध हटाया जाए, क्योंकि इस कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। विधायक सुरेश पासवान ने देवघर का मामला उठाते हुए कहा कि वहां रसीद कटवाने पर अधिकारियों द्वारा सीबीआई जांच का हवाला दिया जा रहा है।विधायक राजेश कच्छप ने ज्यूडिशियल अकादमी से नगड़ी तक अधिग्रहित भूमि के मुआवजे का भुगतान अब तक न होने का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने स्पष्ट किया कि रैयती जमीन को प्रतिबंधित करने का कोई प्रावधान नहीं है। अगर कोई अधिकारी एनओसी देने में देरी करता है, तो 15 दिनों के भीतर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि यदि सीओ (अंचल अधिकारी) सीबीआई जांच का बहाना बना रहे हैं, तो उन्हें भी शोकॉज किया जाएगा। स्पीकर ने निर्देश दिया कि यह आदेश राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों (डीसी) को भेजा जाए।

डीएओ से मांगा स्पष्टीकरण, चार प्रखंडों में पीएम कुसुम योजना के तहत आवेदनों की संख्या कम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री कुसुम योजना की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एन. एस. कुजूर, कार्यपालक अभियंता विद्युत एस. तिवारी, पीएम कुसुम योजना के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान पीएम कुसुम योजना के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत किसानों को अनुदानित दर पर सोलर पंप सेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिले में कुल 542 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से स्थलीय जांच और आवश्यक मानकों के आधार पर 481 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।

चार प्रखंडों में कम आवेदन पर डीएओ से जवाब तलब- समीक्षा के दौरान उपायुक्त विजया जाधव ने चास, चंदनकियारी, जरीडीह और बेरमो प्रखंडों में पीएम कुसुम योजना के तहत आवेदनों की कम संख्या पर नाराजगी जताई। उन्होंने इस मामले में जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी आवेदकों की सूची श्रेणीवार तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

भविष्य में सत्यापन प्रक्रिया होगी और सख्त- बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि भविष्य में भौतिक सत्यापन के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं मुखिया का सत्यापन अनिवार्य किया जाए। साथ ही, स्वीकृत किसानों की सूची को अनुमोदित कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ निदेशक, जेडा, रांची को अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की गई और अधिकारियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

तुपकाडीह अंडरपास रेलवे पुल शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : तुपकाडीह रेलवे स्टेशन से उत्तर दिशा में तेनु बोकारो नहर के पास रेल फाटक को बंद करने के बाद नवनिर्मित अंडरपास पुल से लोगों का आना-जाना शुक्रवार से शुरू हो गया। स्टेशन मैनेजर सुधीर कुमार ने बताया कि गत वर्ष इस पुल का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन किया था। अब इसे जनता के लिए तैयार कर खोल दिया गया है। इधर उप मुखिया राजू महतो ने कहा कि अक्सर रेल फाटक बंद होने के कारण स्कूली बच्चों, काम पर जाने वाले लोगों को काफी देर तक रुकना पड़ता था। अब आमजन को एक परेशानी से छुट्टी मिली, रेल विभाग का प्रयास सफल रहा।

बोकारो में स्वदेशी खादी महोत्सव का आगाज, हजारों उत्पाद एक ही छत के नीचे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो के सेक्टर 4 स्थित एलआईसी मैदान में शुक्रवार को स्वदेशी खादी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण और नगर डीएसपी आलोक रंजन ने मेले का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य व्यक्तियों, समाजसेवियों और व्यापारियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

इस प्रदर्शनी में मेरठ के खादी कुर्ते, असम सिल्क साड़ी, लखनवी चिकनकारी सूट, कश्मीरी साड़ी, पानीपत के मोजे, जयपुरी मुखवास, असम के जूट बैग, चेन्नापटनम के लकड़ी के खिलौने, लाख की

चूड़ियां और मुंबई व गुजरात की इमिटेशन ज्वेलरी सहित हजारों प्रकार के स्वदेशी उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं।

महोत्सव में हथकरघा वस्त्रों पर 10% और हस्तशिल्प वस्तुओं पर 20% तक की विशेष छूट दी जा रही है। मेला सुबह 10:00 बजे से रात 10:00 बजे तक खुला रहेगा। एंट्री और पार्किंग की सुविधा पूरी तरह निशुल्क रखी गई है, जिससे अधिक से अधिक लोग इस महोत्सव में शामिल हो सकें।

आयोजनकर्ता राज मिश्रा ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि यह महोत्सव स्वदेशी कारीगरों और व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में आकर स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और देशी हस्तशिल्प को बढ़ावा देने की अपील की।

बोकारो में वैदिक विधि से यज्ञ कुंड निर्माण प्रारंभ, वेदमूर्ति डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने दिए विशेष निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। शुक्रवार को महाराज राजेश्वरी महालक्ष्मी मंडप में काशी से आए चारों वेदों के विद्वानों की उपस्थिति में यज्ञ कुंडों के निर्माण कार्य की शुरुआत हुई। इस अवसर पर वेदमूर्ति डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने वेदाचार्यों को अग्नि कुंडों के निर्माण के लिए आवश्यक सुझाव दिए और इस प्रक्रिया में पूर्ण वैदिक शुद्धता बनाए रखने पर जोर दिया।

वैदिक विधि से होगा यज्ञ कुंडों का निर्माण- वेदमूर्ति डॉ. पांडेय ने कहा कि यज्ञ कुंडों का निर्माण वैदिक प्रक्रियाओं के अनुसार ही होना चाहिए, जिससे किसी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुंडों की परिधि और योनि में एकरूपता होनी आवश्यक है, ताकि धार्मिक अनुष्ठान विधिपूर्वक संपन्न

हो सके। वेदाचार्यों के साथ स्वयं कार्य में तत्पर होकर उन्होंने निर्माण कार्य का मार्गदर्शन किया।

विश्वकर्मा पद्धति से होगा कुंडों का निर्माण- डॉ. पांडेय ने उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे धर्म शास्त्रों में यज्ञ मंडप और कुंडों का विशेष महत्व बताया गया है। भगवान विश्वकर्मा ने स्वयं भगवान राम, कृष्ण एवं विष्णु के यज्ञों के लिए कुंडों का निर्माण किया था। उसी परंपरा का पालन करते हुए विश्वकर्मा पद्धति के अनुसार यज्ञ कुंड निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

भक्तों ने किया यज्ञ भगवान का जयघोष- यज्ञ मंडप में उपस्थित भक्तों ने यज्ञ भगवान की जय-जयकार की। इस अवसर पर कई गणमान्य भक्तगण उपस्थित

रहे, जिनमें प्रमुख रूप से श्री परमानंद पांडे, विमलेश पांडे, राजीव पांडे, डॉ. परमानंद चंद्रवंशी, कृष्णकांत त्रिपाठी, नितिन त्रिपाठी, सत्य प्रकाश तिवारी, साध्वी झा समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

यज्ञ कुंडों के निर्माण की इस पवित्र प्रक्रिया को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो गया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 01 मार्च, 2025

गोविंदपुर परियोजना में कोयला चोरी जारी, युवक घायल—पुलिस की उदासीनता पर उठे सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। सीसीएल की गोविंदपुर परियोजना में कोयला चोरी धड़ल्ले से जारी है, लेकिन स्थानीय पुलिस इस अवैध गतिविधि को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। गुरुवार रात को कोयला चोरी के दौरान एक युवक डंपर की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद उसके साथियों ने आनन-फानन में उसे उठाया और गोपनीय तरीके से रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

कोयला चोरी पर कोई रोक नहीं, पुलिस बनी मूकदर्शक- स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बड़ी संख्या में लोग साइकिल और मोटरसाइकिल से कोयला चोरी करने पहुंचते हैं। वे बोरी में कोयला भरकर आसानी से निकल जाते हैं, लेकिन पुलिस इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही। बीती रात भी कोयला चोरों की भीड़ जमा थी, जब यह हादसा हुआ। बावजूद इसके, सीसीएल प्रबंधन और पुलिस ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।

सीसीएल के गार्ड असहाय, पुलिस-प्रशासन क्यों मौन? हालात इतने खराब हो चुके हैं कि सीसीएल के सुरक्षा गार्ड भी कोयला चोरों की भारी संख्या के कारण कोई कार्रवाई करने से कतराते हैं। दूसरी ओर, स्थानीय पुलिस पूरी तरह से मूकदर्शक बनी हुई है। बार-बार शिकायतों के बावजूद पुलिस कोई ठोस कदम नहीं उठा रही, जिससे कोयला माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। क्या पुलिस और कोयला माफियाओं में मिलीभगत?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस और कोयला माफियाओं के बीच गहरी साठगांठ है, जिसके चलते यह अवैध धंधा खुलेआम फल-फूल रहा है। अब सवाल उठता है कि— प्रशासन तब जागेगा जब कोई बड़ा हादसा होगा? या फिर पुलिस अपनी जिम्मेदारी से यूं ही पल्ला झाड़ती रहेगी? जनता ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल सख्त कार्रवाई करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो और कोयला चोरी पर रोक लगाई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाना देश के वैज्ञानिकों का सम्मान : प्राचार्य

केबी कॉलेज, बेरमो में साइंस डे पर सेमिनार का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बेरमो स्थित केबी कॉलेज में विज्ञान संकाय, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आई क्यू ए सी के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में विद्यालय के जंतु-शास्त्र सभागार में दीप प्रज्वलित करके सेमिनार की शुरुआत की गई। इस अवसर पर प्राचार्य सह भौतिकी के विभागाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण ने कहा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान मनाने का उद्देश्य प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना तथा देश के वैज्ञानिकों को सम्मानित करना है।

प्रोफेसर इंचार्ज सह विभागाध्यक्ष, रसायन-शास्त्र प्रो. गोपाल प्रजापति ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित व प्रेरित करना है तथा जनसाधारण को विज्ञान के प्रति सजग बनाना है।

गणित विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ प्रसाद ने कहा कि विज्ञान और तकनीक को प्रसिद्ध करने के साथ ही देश के नागरिकों को इस क्षेत्र में मौका देकर नई ऊंचाइयों को हासिल करना मुख्य उद्देश्य है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डा प्रभाकर कुमार ने कहा यह दिन विज्ञान के महत्व बताने और सी वी रमन का विज्ञान में योगदान याद करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। देश के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच का प्रसार आवश्यक है। ड. साजन भारती, डॉ. शशि कुमार आदि वक्ताओं ने कहा कि यह दिवस वैज्ञानिक प्रगति को बढ़ाने में इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए है।

कॉलेज के छात्र-छात्राओं, एनएसएस स्वयंसेवकों ने पोस्टर, स्लोगन, भाषण, निबंध, विज्ञान प्रदर्शनी आदि में भाग लिया, जिनमें भाषण में प्रेरणा दास, मोहिनी कुमारी, हरीश चंद्र सिंह, कृष्णा कुमार महतो, नीलू कुमारी, सुमित सिंह विजेता रहे। स्लोगन में प्रेरणा दास, नीतू कुमारी, मोहिनी कुमारी, सुमित सिंह विजेता रहे। पोस्टर में मुस्कान कुमारी, नेहा कुमारी विजेता रही। निबंध में नीतू कुमारी, मोहिनी कुमारी, सुनैना कुमारी विजेता रही। यह प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान बनाए सभी विजेताओं को को प्राचार्य के हाथों प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन डा प्रभाकर कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन डा मधुरा केरकेट्टा ने किया।

बोकारो स्टील प्लांट से सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट से फरवरी 2025 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी उपस्थित रहे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी दी और प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी का संक्षिप्त बायोडाटा प्रस्तुत किया।

अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री बनर्जी ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किए। फरवरी 2025 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 07 अधिशासी एवं 47 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। समारोह में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों तथा उनके परिवारजनों से मुलाकात की और उनके सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी के द्वारा किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी), आइबन बंकिरा के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में कार्यकारी निदेशक प्रभारी सी. आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी. आर. मिश्रा कार्यकारी सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी, श्री महापात्रा ने आइबन बंकिरा को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की और उपस्थित सभी ने उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार में सुनी जनसमस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। उपायुक्त ने सभी उपस्थित लोगों से एक-एक कर उनकी शिकायतें सुनीं और आश्वस्त किया कि सभी मामलों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा।

जनता दरबार के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदनों की भौतिक जांच कर त्वरित समाधान करें। उन्होंने यह भी कहा कि समाधान की प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, जिससे शिकायतों के निष्पादन में पारदर्शिता बनी रहे।

जनता दरबार की नियमितता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ने बताया कि हर सप्ताह मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। इस पहल से आम जनता को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाने और त्वरित समाधान पाने में सहायता मिलेगी।

उपायुक्त ने किया साइंस सेंटर, इनडोर स्टेडियम सोलर लाइट और अफेरेसिस मशीन का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती ने शुक्रवार को सिद्धो-कान्हू स्टेडियम के पास नवनिर्मित साइंस सेंटर का उद्घाटन किया। यह साइंस सेंटर जिले के विद्यार्थियों और आम नागरिकों को विज्ञान एवं तकनीक के प्रति जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएगा।

इसके साथ ही, उपायुक्त ने इनडोर स्टेडियम में सौर ऊर्जा से संचालित सोलर लाइट का भी उद्घाटन किया। यह पहल ऊर्जा बचत करने और पर्यावरण संरक्षण में सहायक होगी। सौर ऊर्जा के उपयोग से स्टेडियम की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और यह इको-फ्रेंडली विकल्प के रूप में जिले के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

साहिबगंज सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में अत्याधुनिक अफेरेसिस मशीन स्थापित की गई है। यह मशीन डेंगू, मलेरिया, थैलेसीमिया, ल्यूकेमिया और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होगी। अफेरेसिस तकनीक की मदद से रक्त से प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और अन्य आवश्यक अवयवों को अलग किया जा सकेगा, जिससे मरीजों को समय पर सही उपचार मिल सकेगा।

उद्घाटन के दौरान उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि अफेरेसिस मशीन के आने से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और रक्तदान की प्रक्रिया और अधिक सुरक्षित एवं कुशल बनेगी। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे आगामी 1 मार्च को साहिबगंज सदर अस्पताल में आयोजित होने वाले ब्लड डोनेशन कैंप में बढ़-चढ़कर भाग लें और स्वेच्छा से रक्तदान कर इस सेवा में योगदान दें।

इस अवसर पर जिला स्तरीय पदाधिकारी, चिकित्सक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

6 तक मांगें पूरी नहीं हुई तो 07 को चक्का जाम : राजेंद्र सिंह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शुक्रवार को सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र के धमन भट्ठी विभाग में सेल एवं बोकारो प्रबंधन की कथित मजदूर विरोधी नीति के खिलाफ तथा मजदूरों की लंबित मांगों के समर्थन में क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (हिन्द मजदूर सभा) की विशाल मीटिंग हुई। मीटिंग को संबोधित करते हुए संघ के महामंत्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रबंधन को कुम्भकर्णी निद्रा से जगाने हेतु मजदूर आर-पार के संघर्ष के लिये कमर कसकर मैदान में उतर चुके हैं। प्रबंधन के पास 06 मार्च 2025 तक का समय है। 06 मार्च तक हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो संघर्ष के प्रथम चरण में 07 मार्च प्रातः 06:00 बजे से 08 मार्च प्रातः 06:00 बजे तक (24 घंटा) कोक-ओवन एवं धमन भट्ठी का चक्का जाम रहेगा।

उन्होंने कहा कि एक तरफ 39 महीने का एरियर, वर्षो पुराने इन्सेंटिव रिवॉर्ड के द्वारा नियमित मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ ठेका मजदूरों का तो भगवान ही मालिक है। तानाशाही मेडिकल चेकअप कानून समझ से परे है। सैकड़ों मजदूर मेडिकल चेकअप के कारण कार्य से बाहर हैं।हमने कई बार वार्ता के द्वारा अधिकारियों से सिस्टम को सुधारने का आग्रह किया, मजदूरों में आक्रोश बढ़ रहा है, मेडिकल चेकअप को गेट पास से अलग करिये, मगर हर बार सिर्फ आश्वासन देकर ये कुम्भकर्णी निद्रा में लीन हो जाते हैं।

श्री सिंह ने कहा कि, ईएसआईसी से बाहर हो चुके कुशल कामगार इलाज को दर-दर भटक रहे हैं। महारत्न के मजदूर और उनके परिवार के इलाज की सुध लेने वाला कोई नहीं है। उन्होंने मजदूरों को आह्वान करते हुए कहा कि दलालो से सावधान, अबकी बार आर या पार। एकताबद्ध होकर संघर्ष करेंगे। प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि 06 तारीख तक सभी मांगों को पूरा कीजिए, अन्यथा चक्का जाम के लिये तैयार रहिये। मीटिंग को श्री सिंह के अलावा विपिन कुमार सिंह, शशिभूषण, अम्बेडकर, मनोज ठाकुर, संतोष कुमार, वासुदेव कुम्भकार, उत्तम मिश्रा, प्रमोद कुमार आदि ने संबोधित किया।

कोतवाली थाना के दारोगा ऋषिकेश 5 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की टीम ने कोतवाली थाने में पदस्थापित दारोगा ऋषिकेश को 5 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। दारोगा को रांची के महिला थाना परिसर से पकड़ा गया, जहां वह एक शिकायतकर्ता से रिश्वत ले रहा था। यह रिश्वत दो आईफोन रिलीज करने और केस डायरी से नाम हटाने के एवज में मांगी गई थी।

20 हजार की मांग, 5 हजार लेते दबोचा गया- जानकारी के मुताबिक, दारोगा ऋषिकेश ने शिकायतकर्ता का मोबाइल रिलीज करने और केस डायरी लिखने के बदले 20 हजार रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना ACB को दी, जिसके बाद ब्यूरो ने जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार, ACB ने शिकायतकर्ता को पैसे के साथ महिला थाना परिसर भेजा। जैसे ही दारोगा ने रिश्वत के 5 हजार रुपये लिए, ACB की टीम ने उसे रंगेहाथ दबोच लिया।

ACB करेगी आगे की कार्रवाई- गिरफ्तारी के बाद ACB की टीम दारोगा ऋषिकेश से पूछताछ कर रही है और इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से भ्रष्ट पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया है, वहीं ACB की इस कार्रवाई की शहरभर में चर्चा हो रही है।

सेल एससी एसटी इम्पलाइज फेडरेशन ने किया विशेष सचिव को सम्मानित

» शिक्षा के बूते ही पहुंच सकते हैं किसी मुकाम पर : राजेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर-3ए स्थित सेल एससी एसटी इम्पलाइज फेडरेशन के कार्यालय में संगठन की बोकारो यूनिट की ओर से झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के विशेष सचिव राजेश कुमार राय को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के केंद्रीय अध्यक्ष एम. के. अभिमन्यु और बोकारो यूनिट के अध्यक्ष ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। फेडरेशन के महासचिव रवींद्र महली ने राजेश कुमार राय को महात्मा बुद्ध की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया।

समारोह के दौरान राजेश कुमार राय की धर्मपत्नी देविका राय को भी महात्मा बुद्ध का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे कोई भी व्यक्ति किसी भी मुकाम तक पहुंच सकता है। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देने का प्रयास करें, ताकि वे समाज में अच्छा स्थान बना सकें। उन्होंने यह भी कहा- भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमेशा यह कहा था कि समाज के जो लोग उच्च पदों पर पहुंचते हैं, उन्हें शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के साथ बैठकर उनके दुःख-सुख को समझना चाहिए और उन्हें मार्गदर्शन देना चाहिए। मौके पर दिनेश रविदास, महावीर मरांडी, इंदल पासवान, वीरेंद्र कुमार, महेश पासवान, शंकर राम, सुरेश पासवान, ऋषि देव पासवान, सरोज कुमार, राजू चौधरी, राजूराम, राजेश पासवान, सौगेन मुर्मू, धर्मा पासवान, सुशील पासवान, अमरेश कुमार, यूके सुमन, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

बोकारो थर्मल में डीवीसी के एक एवं चार सप्लाई मजदूरों को दी गई विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट के तकनीकी भवन में शुक्रवार को एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अवकाश प्राप्त करने वाले डीवीसी के कर्मियों को सम्मान के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर जीएम ओएंडएम मृत्युंजय प्रसाद और डीजीएम बीजी होल्कर मुख्य रूप से उपस्थित थे। अपने विचार व्यक्त करते हुए जीएम ओएंडएम ने कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी संस्थान की रीढ़ होते हैं और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा- आप सभी ने अपनी सेवा के दौरान जो समर्पण, निष्ठा और परिश्रम किया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगा। बोकारो ताप विद्युत केंद्र आपके योगदान का सदैव ऋणी रहेगा। डीजीएम ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन की सफलता में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा- आप सभी के अथक परिश्रम और अनुशासन ने संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद की है। आपकी कार्यशैली और अनुभव हमारे लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेंगे। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों प्रयाग गोप, उमेश कुमार, शांति सामंता, प्रवीण कुमार सिंह और अनिल कुमार सिंह को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मौके पर मनीष चौधरी, सुनील महापात्रा, शिव कुमार ओझा और विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के परिजन तथा मित्रगण उपस्थित थे। सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और संस्थान के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। संचालन दीनानाथ शर्मा और कार्यक्रम का आयोजन अनुराग सिन्हा ने किया।

संक्षिप्त समाचार

आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने सीएम से की मुलाकात

रांची, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की. इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं. माना जा रहा है कि नीरू शांति भगत जल्द ही झामुमो में शामिल होंगी. नीरू शांति भगत आजसू से हैं. वह आजसू की टिकट पर दो बार लोहरदगा से चुनाव भी लड़ चुकी हैं. हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली. उनके पति कमल किशोर भगत इसी पार्टी से लोहरदगा से विधायक रहे थे. बताया जाता है कि नीरू शांति भगत लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रही हैं. विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी बुरी तरह पराजित हो चुकी है. ऐसे में आजसू पार्टी के स्तंभ माने जाने वाले लोग लगातार विकल्प की तलाश में हैं.

बीसीसीएल में महिला सशक्तीकरण पर कार्यशाला

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के मानव संसाधन कल्याण विभाग, जगजीवन नगर में बुधवार को महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों, सेंट्रल अस्पताल व कंपनी मुख्यालय कोयला भवन से 30 से अधिक महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में आइआइटी आइएसएम धनबाद की प्रोफेसर आकांक्षा सिन्हा ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक व व्यावसायिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता, नेतृत्व कौशल एवं आत्मनिर्भरता पर चर्चा की। वहीं द्वितीय सत्र का संचालन वाशरी डिवीजन की प्रबंधक (कार्मिक) प्रिया सिंह ने किया। उन्होंने कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा, अधिकारों व नीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। बीसीसीएल में महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रावधानों की भी जानकारी दी। मौके पर मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन) आरएन विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में महिला अधिकारी व कर्मचारी थीं।

कोल इंडिया बिजली सलाहकार की नियुक्ति करेगा। सलाहकार की नियुक्ति दो साल के लिए होगी। इस आलोक में कोल इंडिया अधिकारी स्थापना विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। इसके मुताबिक सक्षम व योग्य उम्मीदवारों से एक मार्च तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गये हैं। आवेदन करने के लिए अधिकतम उम्र सीमा 65 साल रखी गयी है। जबकि 70 साल के उम्र तक काम कर सकते हैं। कांट्रेक्ट की अवधि दो साल की होगी। सलाहकार नियुक्त होने वालों को 1।20 लाख रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा।

गोविंदपुर में जीटी रोड पर रोज लग रहा जाम, लोग परेशान

गोविंदपुर, एजेंसी। गोविंदपुर में जीटी रोड जाम की समस्या खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। बुधवार को भी जीटी रोड पर जाम लगा, इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। जाम का असर यहां व्यवसाय पर भी पड़ने लगा है। स्थिति यह हो गयी है कि लोग गोविंदपुर बाजार आने से कतराने लगे हैं। पिछले कई दिनों से गोविंदपुर में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। लोगों के काफी प्रयास के बाद भी सड़क जाम से पीछा नहीं छूट रहा है। बुधवार को शिवरात्रि पर सरकारी छुट्टी होने के बाद भी गोविंदपुर बाजार में सड़क जाम लग गया। सर्विस लेन पर अतिक्रमण, नाली निर्माण कार्य, पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस नहीं रहने तथा साहिबगंज मोड़ के सिग्नल लाइट की टाइम सेटिंग ठीक नहीं रहने के कारण भी यहां जाम लग रहा है। इधर स्थानीय नागरिकों ने गोविंदपुर जीटी रोड चौड़ीकरण कंपनी द्वारा गोविंदपुर ऊपर बाजार के धनबाद मोड़ पर सड़क से ऊंची नाली बनाने का बुधवार को विरोध किया।

अनुमंडल कैंप कार्यालय में डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

पलामू, एजेंसी। जिले के हुसैनाबाद में आयोजित कैंप कार्यालय के माध्यम से जनता से सीधे रूबरू होने का मौका मिला. यहां विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे और आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका त्वरित निराकरण किया. जो मामले तत्काल निष्पादन योग्य नहीं हैं, उनका निर्धारित समय अवधि के अंदर निष्पादन कर संबंधित लोगों को लाभ दिलाया जाएगा. कैंप कार्यालय के आयोजन से लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा रहा है. लोगों को जिला स्तर या अन्य कार्यालयों में आयोजित जनता दरबार में जाने से छुटकारा मिलेगा. इससे उनका समय और पैसा दोनों बचेगा. इस समय और पैसे से आम लोग अपने विकास कार्यों में लगा सकेंगे. कैंप कार्यालय के आयोजन से जिले में विकास कार्यों में तेजी आएगी. ये बातें उपायुक्त शशि रंजन ने कही.

उपायुक्त आज हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय भवन में आयोजित कैंप कार्यालय के दौरान बोल रहे थे. उपायुक्त ने अनुमंडल कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय और प्रखंड, अंचल स्तरीय सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि कैंप कार्यालय के माध्यम से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने से लेकर जमीन संबंधी मामलों का निराकरण किया गया. वहीं, विभिन्न आवास योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया.

उपायुक्त शशि रंजन ने हुसैनाबाद टाउन हॉल का निरीक्षण किया. उपायुक्त शशि रंजन सहित जिले के सभी कार्यालय यहां लगे और संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जनता की समस्याएं सुनी गयीं. साथ ही समस्याओं का समाधान भी किया गया. उपायुक्त ने स्वयं समस्याओं को सुना और संबंधित आवेदनों को स्थानांतरित कर संबंधित पदाधिकारियों को निष्पादन का निर्देश दिया. देवरी कला के मोहसिन इदरीसी ने जलमीनार की मरम्मत को लेकर उपायुक्त को आवेदन दिया. वहीं, हैदरनगर सड़ेया के

विजय विश्वकर्मा ने आवेदन देकर अपनी पत्नी सुनीता देवी के नाम आवंटित अबुआ आवास का निर्माण कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की. उन्होंने उपायुक्त को बताया कि जिस जमीन पर आवास का निर्माण होना है, उस पर दूसरे व्यक्ति ने दावा कर रखा है. इसके अलावा दरुआ गांव निवासी अवधेश सिंह ने व्यापार मंडल में बेचे गए धान का पैसा नहीं मिलने से संबंधित आवेदन दिया. वहीं, सैदाबाद के राजेश कुमार सिंह ने आवेदन देकर आवास के निर्माण कार्य में जबरदस्ती बाधा डालने की शिकायत की. इसके अलावा सैकड़ों अन्य लोगों ने आवेदन देकर अपनी समस्याएं रखीं. कई मामलों का त्वरित समाधान किया गया. कैंप कार्यालय में कई सेवाएं उपलब्ध कराई गईं. मुख्य रूप से परियोजनाओं और स्कीमों के लिए भूमि चिन्हित कर भूमि सौंपने और विवादों का निपटारा किया गया. वन भूमि के बदले अन्य भूमि/सरकारी भूमि का हस्तांतरण, बिजली बिल संबंधी शिकायतों का समाधान, पेयजल संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया. इसके साथ ही मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मेनिया सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, सर्जन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, ग्रीन राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं से पात्र लाभुकों को लाभान्वित करने की पहल की गई.

शहर में अब मकान बनाने से पहले परिषद की लेनी होगी अनुमति

गोड्डा , एजेंसी। गोड्डा नगर परिषद के नए आदेश के बाद अब शहरी क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डों में निर्माण कार्यों को बंद करना होगा अन्यथा कानूनी कारवाई होगी. विभाग के विशेष पदाधिकारी आशीष कुमार के अनुसार नगर परिषद अंतर्गत सभी इक्कीस वार्डों में झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 426 के तहत प्रशासक की अनुमति के बिना निर्माण कार्य करना प्रतिबंधित है. नए भवन निर्माण से संबंधित कार्य हो या पुराने भवन का नवीनीकरण संबंधित कोई भी कार्य सभी बंद रहेंगे. बिना प्रशासक की अनुमति के निर्माण कराना कानून का उल्लंघन माना जाएगा. निर्माण से पहले पदाधिकारी की अनुमति आवश्यक कर दी गई है. कानून का उल्लंघन पाए जाने पर निर्माण को ध्वस्त करने के साथ ही जुर्माना भी वसूला जाएगा. जुर्माने की रकम एक लाख रुपए से लेकर दस लाख रुपए तक हो सकती है. जुर्माने नहीं देने पर कारावास का भी प्रावधान किया है. ये सभी कार्य नगरपालिका अधिनियम के तहत संपादित होंगे. विभाग के इस आदेश के बाद मकान का निर्माण कराने वालों में संशय की स्थिति है. पहले से चल रहे निर्माण कार्य को एकाएक रोकने के आदेश से मकान मालिक को नुकसान झेलना होगा. साथ ही निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को भी बेरोजगार होना पड़ेगा. विभाग ने बिना व्यापक प्रचार-प्रसार के आनन-फानन में आदेश जारी कर दिया. विभाग ने आदेश लेने के लिए विभाग ने क्या तैयारी की है इसका खुलासा नहीं किया है. भ्रष्टाचार मुक्त आदेश कैसे मिले इसकी पुख्ता व्यवस्था भी होनी चाहिए थी. एक निश्चित अवधि देने के बाद ही ऐसे कठोर निर्णय को लागू किया जाना चाहिए था. दो दिन पहले ही विभाग के कर्मियो ने मोहल्ले में पहुंचकर बोरिंग कर रही गाड़ी को जब्त कर लिया था. आरोप था कि विभागीय अनुमति के बिना बोरिंग करवाया जा रहा था. इसके लिए पूर्व से अनुमति लेनी होगी।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण में घोटाला! राज्यपाल ने दिए कार्रवाई के निर्देश

रांची, एजेंसी। पलामू के नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण के दौरान गुणवत्ता कॉम्प्रोमाइज (गुणवत्ता में अनियमितता) की गई है. जांच समिति की रिपोर्ट में कई गड़बड़ियों का जिक्र है. इस रिपोर्ट के मुताबिक प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्ता की जगह संवेदक ने निम्न स्तर का काम किया है. राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा है कि भवन निर्माण निगम के अभियंताओं और पदाधिकारियों के स्तर पर मॉनिटरिंग के अभाव में ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है.

कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने इस बात पर भी नाराजगी व्यक्त की है कि विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने बिना समुचित निरीक्षण के भवन को हस्तांतरित कर लिया, जबकि वहां पेयजल का भी घोर अभाव है. मामले को गंभीर बताते हुए राज्यपाल ने झारखंड भवन निर्माण निगम के एमडी को हाई लेवल कमेटी गठन कर कमियों की गहन समीक्षा करने, बीओक्यू और एग्रीमेंट के तहत कार्यों में पाई गई विसंगतियों पर स्पष्ट प्रतिवेदन देने को कहा है.

उन्होंने जेएसबीसीसीएल पलामू के कार्यपालक अभियंता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. क्योंकि उन्होंने मुख्यालय और विश्वविद्यालय को जो प्रतिवेदन पेश किया था, उसमें पेयजल व्यवस्था की गलत जानकारी दी गई थी. राज्यपाल ने इस योजना के संवेदक मेसर्स छावडा और जे0के0 इंजीनियरिंग द्वारा बीओक्यू के अनुरूप कार्य नहीं करने और निम्न स्तर का कार्य करने के लिए निगम को इनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने को कहा है. साथ ही, झारखंड भवन निर्माण निगम के प्राक्कलन में 40 प्रतिशत की वृद्धि के संबंध में भी स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं.

राज्यपाल ने नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, सीटीसी और प्रॉक्टर से भी स्पष्टीकरण मांगते हुए सख्त प्रशासनिक कार्रवाई का निर्देश दिया है. क्योंकि इन्हीं अधिकारियों के प्रतिवेदन के आधार पर भवन का हस्तांतरण हुआ है. बता दें कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 13 फरवरी को राज्यपाल से मिलकर नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की गुणवत्ता में हुई धांधली की शिकायत की थी. इसी आधार पर राज्यपाल ने तीन सदस्य जांच कमेटी का गठन किया था.

पलामू में 652 कारतूसों के साथ उग्रवादी गिरफ्तार, लातेहार में हथियारों के साथ पांच अपराधी अरेस्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के पलामू और लातेहार जिलों की पुलिस को अपराधियों और उग्रवादियों के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पलामू जिले की पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के हार्डकोर मेंबर उपेंद्र भुईयां को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से कारतूसों का जखीरा बरामद किया है। जबकि, लातेहार जिले की पुलिस ने एक व्यवसायी पर फायरिंग की तैयारी कर रहे कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के पांच अपराधियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है।

पलामू की एसपी रिष्मा रमेशन ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिले के मनातू थाना क्षेत्र से गिरफ्तार इस उग्रवादी की निशानदेही पर 0.315 बोर की 652 गोलियां बरामद की गई हैं। उससे पूछताछ से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। बताया गया कि एसपी को टीएसपीसी के हार्डकोर सदस्य उपेंद्र के अपने गांव नागद आने की सूचना मिली थी। उन्होंने एएसपी (ऑपरेशन) राकेश सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया, जिसने गांव पहुंचने वाले रास्ते पर निगरानी रखनी शुरू की।

बुधवार की शाम को एक व्यक्ति चादर ओढ़कर आता दिखा। पुलिस ने उसे आवाज देकर रुकने को कहा

तो वह भागने लगा। इस पर पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ा। उसकी पहचान उपेंद्र भुईयां के रूप में हुई। इसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने छिपाकर रखे गए कारतूसों का जखीरा बरामद किया। दूसरी तरफ लातेहार जिले की पुलिस ने एक कारोबारी पर फायरिंग की योजना बना रहे कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से तीन बंदूकें और 13 गोलियां बरामद की।

गिरफ्तार अपराधियों में चंदवा निवासी वीरेंद्र गंझू, मुन्ना गंझू, उमेश गंझू, हेरहंज निवासी दिलीप उरांव और बारियातु निवासी विकास साहू शामिल हैं। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि राहुल सिंह के इशारे पर पूर्व में भी बालूमाथ निवासी एक कोयला व्यवसायी के घर पर गोलीबारी की गई थी। इसके अलावा एनएचएआई के कंस्ट्रक्शंस साइट पर इन अपराधियों ने फायरिंग की थी।

बालिका गृह यौन शोषण कांड- पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। बालिका गृह यौन शोषण कांड में पुलिस ने पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत केडी पासवान को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने केडी पासवान को पलामू के हैदरनगर स्थित उनके आवास पर छापेमारी कर गिरफ्तार किया. गुरुवार को टाउन महिला थाना पुलिस को

सूचना मिली थी कि पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत केडी पासवान हैदरनगर स्थित अपने घर में है. इसी सूचना के आलोक में थाना प्रभारी रूपा बाखला के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया. महिला थाना प्रभारी रूपा बाखला ने बताया कि केडी पासवान को गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. इस पूरे मामले में पुलिस का अनुसंधान आगे बढ़ रहा है. पलामू बालिका गृह यौन शोषण कांड के मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है. इससे पहले पुलिस ने बालिका गृह के संचालक, काउंसेलर, सीडब्ल्यूसी के बर्खास्त सदस्य को गिरफ्तार किया था. 30 नवंबर 2024 को पलामू के बालिका गृह में यौन शोषण कांड का खुलासा हुआ था. पुलिस ने पूरे मामले में पोक्सो समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करते हुए मौके से ही संचालक और काउंसेलर को गिरफ्तार किया था।

पत्थर लेने जा रहे हाइवा में अपराधियों ने लगाई आग

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के कुहकुह इलाके में अपराधियों ने एक हाइवा में आग लगा दी। हाइवा माइंस में पत्थर लेने के लिए जा रहा था। बाइक सवार तीनअपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अपराधियों की पहचान और घटना का कारण स्पष्ट करने में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का हाइवा कुहकुह इलाके में माला कुमार की माइंस में पत्थर लेने जा रहा था। एक साथ तीन से चार हाइवा जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक से आए तीन अपराधियों ने सबसे लास्ट हाइवा को रोका और चालक से पूरी जानकारी लेकर उसमें आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने शुक्रवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज की जाएगी। जलाया गया हाइवा छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का है। वाहन खाली था और पत्थर लोड करने के लिए माइंस में जा रहा था। इस घटना की अपराधी और उग्रवादी कनेक्शन को लेकर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि बिहार बॉर्डर वहां से काफी नजदीक है। ऐसे में अपराधियों का स्प्लिंटर ग्रुप भी इसमें शामिल हो सकता है। अपराधियों की संख्या तीन थी और वह मोटरसाइकिल से पहुंचे थे।

रामगढ़ के गोला थाना के सामने दो सांसद धरने पर बैठे

पत्थरबाजी करने वालों पर कार्रवाई की मांग

रामगढ़, एजेंसी। प्रतिमा विसर्जन के दौरान निकाली गई शोभा यात्रा में हुई पत्थरबाजी की घटना में शामिल दोषियों पर अब तक कार्रवाई नहीं होने के विरोध में गुरुवार को गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ रामगढ़ के गोला थाना के गेट के सामने धरना दिया. इस दौरान पुलिस की कार्यशैली, प्रशासन की भूमिका के खिलाफ नारेबाजी की.

पत्थर चलाने वालों पर हो कार्रवाई: मनीष जायसवाल: इस मौके पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सोसोंकला की घटना में एक गुट के लोगों ने पुलिस के सामने ही पत्थरबाजी की थी. जिसमें महिलाएं सहित कई लोग घायल हो गए थे. पुलिस को पूरे मामले में कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन पुलिस के द्वारा कार्रवाई नहीं की गई. इसके बाद हमने 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया था बावजूद दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई. जिसके विरोध में आज धरना दिया गया है. वहीं झारखंड सरकार में मंत्री इरफान अंसारी को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि वो फूहड़ भाषा के लिए जाने जाते हैं . सांसद ने तंज कसते हुए कहा कि कौन मजबूत है, कौन कमजोर है एक बार सड़क उतर जाइए पता चल जाएगा.

हेमंत सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप: वहीं हजारीबाग के इचाक में शिवरात्रि के दिन हुई घटना पर सांसद ने कहा कि सिर्फ चोंगा(लाउडस्पीकर) लगाने के लिए एक गुट के लोगों ने बवाल किया. इस दौरान उन्हीं लोगों के द्वारा पहला पत्थर चलाया गया था. उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सरकार में तुष्टीकरण की राजनीति हो रही है.

गिरिडीह सांसद भी हेमंत सरकार पर बरसे: वहीं गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि पुलिस प्रशासन के पास लोग आवेदन देते-देते परेशान हो गए हैं. साथ ही उल्टा हम लोगों पर ही कार्रवाई हो रही है. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार जब से बनी है, तब से हम पर अत्याचार हो रहा है. उन्होंने मंच से अपने संबोधन में कहा कि चितरपुर में कई जगहों पर गौ हत्या हो रही है. यह सब किनके संरक्षण में चल रहा है. प्रशासन सोया हुआ है. पूरे चितरपुर में बांग्लादेशियों को दामाद बनाकर बसाया जा रहा है. उन्होंने

कहा कि पुलिस प्रशासन से लोगों का विश्वास उठता जा रहा है. अब ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा.

एसडीएम के आश्वासन पर धरना समाप्त: वहीं धरना में बड़ी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ता शामिल हुए. धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं के हाथों में सरकार और प्रशासन के खिलाफ स्लोगन लिखी तख्तियां थी.वहीं धरना को लेकर बड़ी संख्या में गोला थाना के आसपास पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी. साथ ही मजिस्ट्रेट की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी. देर शाम रामगढ़ एसडीएम अनुराग तिवारी व पुलिस प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया. वहीं इसके पूर्व सांसद ने पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की.

सोसोंकला गांव में हुई थी घटना: पिछले दिनों गोला थाना क्षेत्र के सोसोंकला गांव में सरस्वती पूजा में मूर्ति विसर्जन के दौरान एक गुट के द्वारा पत्थरबाजी की गई थी. घटना में महिलाएं समेत कई लोग घायल भी हुए थे. इस मामले में पुलिस ने दोनों ओर से एफआईआर की थी. मामले की जानकारी मिलने के बाद हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने पुलिस प्रशासन को विशेष समुदाय के दोषियों को 15 दिन के अंदर गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने किसी भी दोषी को गिरफ्तार नहीं किया. जिसके विरोध में यह धरना-प्रदर्शन किया गया.

एक पुराने युद्ध की समाप्ति की संभावना

अपनी पॉवर- पॉलिटिक्स के तहत ट्रंप साफ पैगाम दे रहे हैं कि चीजें वो तय करेगा, जिसके पास शक्ति है। इस क्रम में वे शक्तिशाली नेताओं से संपर्क जोड़ रहे हैं। पुतिन को वे वैसा ही नेता समझते हैं। सऊदी अरब में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्रियों की हुई बैठक का सार है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को डंप कर दिया है। वैसे उसने पूरे यूरोप को ही अधर में छोड़ दिया है। ये सब अब अपने ज़ख्मों को खुद ही सहलाने के लिए मजबूर हैं। मार्को रुबियो और सर्गेई लावरोव की बातचीत में अमेरिका और रूस चार सूत्रों पर सहमत हुए। वैसे तो दुनिया का ध्यान यूक्रेन युद्ध संबंधी वार्ता पर था, मगर उससे आगे जाते हुए दोनों देश आपसी संबंध को पुनर्स्थापित करने के कदम उठाने पर भी रजामंद हुए। इसके तहत पहला लक्ष्य कूटनीतिक संबंध की बहाली है। रुबियो ने दो टूक कहा कि युद्ध खत्म हुआ, तो रूस पर से आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध भी हटाए जाएंगे। बातचीत के कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमीर ज़ेलेन्स्की पर गंभीर इल्ज़ाम लगाया। कहा कि इस युद्ध के लिए ज़ेलेन्स्की दोषी हैं और अब वे अपने देश में बेहद अलोकप्रिय हैं। ज़ेलेन्स्की ने एतराज़ जताया था कि अमेरिका ने बिना यूक्रेन को शामिल किए उनके देश के बारे में सीधे रूस बातचीत शुरू कर दी है। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि लड़ाई ज़ेलेन्स्की ने शुरू की और इसे खत्म करने के लिए उनके पास तीन साल का वक्त था। ट्रंप ने अरबों डॉलर की अमेरिकी मदद के उपयोग को लेकर भी संदेह जताया। उधर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पहल पर अमेरिका के अचानक रुख परिवर्तन से आहत यूरोपीय नेताओं की हुई बैठक कोई ठोस कार्य योजना बना पाने में नाकाम रही। असल में, यूरोप का जो ढांचा दूसरे विश्व युद्ध के बाद से मौजूद है, उसमें अमेरिका से अलग हट कर कोई बड़ी योजना बनाना उनके लिए मुमकिन भी नहीं है। उधर अपनी पॉवर- पॉलिटिक्स के तहत ट्रंप साफ पैगाम दे रहे हैं कि चीजें वो तय करेगा, जिसके पास शक्ति है। इस क्रम में वे शक्तिशाली नेताओं से संपर्क जोड़ रहे हैं।

प्रोसेस्ड, फास्ट फूड से बढ़ता स्वास्थ्य संबंधी जोखिम

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण बदल रही है। यह प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का भी कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रहीं हैं। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड, जिसमें कैलोरी, चीनी और खराब वसा अधिक होती है, मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम और वजन बढ़ाता है। फास्ट फूड के लगातार सेवन से बच्चे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की तुलना में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे संतुलित आहार और पौष्टिक भोजन चुनने की उनकी संभावना कम हो जाती है। आजकल, बहुत से युवा फास्ट फूड पसंद करते हैं क्योंकि यह सुविधाजनक, स्वादिष्ट और जल्दी बनने वाला होता है। इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जानते हुए भी वे इसे खाना जारी रखते हैं। व्यस्त जीवन शैली में, फास्ट फूड को जल्दी से जल्दी खाना सुविधाजनक है। वे भीड़ का अनुसरण करते हैं क्योंकि उनके दोस्त भी इसे पसंद कर सकते हैं।

स्वाद के लिए स्वास्थ्य का जोखिम: फास्ट फूड जल्दी से जल्दी खाने और स्वाद के लिए बनाया जाता है और यह ज़्यादा पका हुआ, अत्यधिक प्रोसेस्ड होता है। मानव शरीर बिना प्रोसेस्ड, अत्यधिक रेशेदार और कम से कम पके हुए खाद्य पदार्थों के लिए बना है इसलिए वे पूरी तरह से अनुपयुक्त हैं। फास्ट फूड से शुगर स्पाइक्स इंसुलिन प्रतिरोध, वजन बढ़ने, वसा संश्लेषण और मधुमेह में पैदा करते हैं। भारत में फैलते फास्ट फूड उद्योग में बर्गर, पिज़्ज़ा, पानी-पूरी व चाट मसाला कियोस्क और पावभाजी-समोसा के ठेले शामिल हैं।

बढ़ता मोटापा, मधुमेह की समस्या: मोटापा और मधुमेह दोनों तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारे शरीर को स्वस्थ कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, जिसे मक्खन, दूध और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों से प्राप्त किया जा सकता है। हमारे शरीर को खराब कोलेस्ट्रॉल से नुकसान होता है। सड़क पर फास्ट फूड तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले खाना पकाने के तेल में उच्च ट्राइग्लिसराइड (खराब कोलेस्ट्रॉल) सामग्री होती है, जिसे खाने से खतरनाक बीमारियाँ हो सकती हैं। सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का प्रमुख हिस्सा है, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं। पारंपरिक खानपान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फ़ूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। अकेले खाने और स्विगी और ज़ोमैटो जैसी ऑनलाइन भोजन वितरण सेवाओं के बढ़ने के परिणामस्वरूप लोगों के साथ मिलकर खाने का तरीक़ा बदल गया है।

विज्ञापन का मायाजाल: फास्ट फूड कंपनियाँ अपने उत्पादों को कूल और मनोरंजक दिखाने के लिए भ्रामक विज्ञापन का उपयोग करती हैं, जो इसके विस्तार की एक और वजह है लोगों और खासकर युवाओं को आकर्षित करने के लिए इसके प्रचार के लिए दुनिया के नामीगिरामी हस्तियों का चेहरा इस्तेमाल होता है और आकर्षक नारों व टैगलाइन का सम्मोहन अलग होता है। अपनी बुद्धिमत्ता और शिक्षा के बावजूद लोग कभी-कभी अपने स्वास्थ्य पर संभावित हानिकारक प्रभावों पर विचार करने के बजाय फास्ट फूड खाने को प्राथमिकता देते हैं। उन्हें भी पता है कि यह अच्छा विकल्प नहीं है लेकिन वे इसे चुनते हैं क्योंकि यह बहुत सरल और स्वादिष्ट है। चूँकि लोग घर के बने खाने की जगह सुविधाजनक भोजन चुन रहे हैं, इसलिए खानपान की आदतें बदल रही हैं।

प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में युवा लोग ज़्यादा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खा रहे हैं। बाजरा जैसे पारंपरिक अनाज की जगह रिफ़ाइंड अनाज और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ ले रहे हैं। बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष की शुरुआत की थी। प्रोसेस्ड, उच्च वसा, उच्च चीनी वाले पश्चिमी आहार की बढ़ती संख्या पारंपरिक संतुलित भोजन की जगह ले रही है। मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और डोमिनोज़ के तेज़ी से बढ़ने के कारण भारत में शहरी खानपान की आदतें बदल गई हैं। संकट में खानपान से जुड़ी हमारी विशिष्टता: वैश्वीकरण के कारण क्षेत्रीय व्यंजन अपनी विशिष्टता खो रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में किण्वन-आधारित आहार और अन्य पारंपरिक खाना पकाने की तकनीकें लोकप्रिय नहीं हो रही हैं। खानपान की बदलती आदतों के कारण त्योहारों और धर्मों से जुड़ी खास पाक परंपराएँ अपना महत्त्व खो रही हैं। पारंपरिक खानपान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फ़ूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं के कारण स्ट्रीट वेंडर और स्वदेशी खाद्य सामग्री के व्यापार चुनौतियों का सामना करते हैं।

कुपोषण और स्वास्थ्य प्रभाव: अधिक प्रसंस्कृत भोजन खाने के परिणामस्वरूप हृदय रोग, मधुमेह और मोटापे के शिकार लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है। आहार सम्बंधी आदतों में आए इस बदलाव के कारण भारत में 101 मिलियन मधुमेह रोगी हो गए हैं। खपत के पैटर्न में बदलाव के कारण पारंपरिक फसलों की मांग में कमी आई है, जिसका असर किसानों के मुनाफे पर पड़ा है। नीति आयोग (2022) के अनुसार, ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था बनाए रखने के लिए फ़सल विविधीकरण महत्त्वपूर्ण है। छोटे पैमाने के खाद्य व्यवसाय, पारंपरिक भोजनालय और पड़ोस के खाद्य विक्रेता सभी वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं से प्रभावित हैं। अपनी नींव को बनाए रखते हुए, भारत की विविध पाक संस्कृति को बदलना होगा। टिकाऊ खाद्य नीतियों, देशी फसलों के समर्थन और संतुलित आहार जागरूकता के कार्यान्वयन के माध्यम से आधुनिकीकरण द्वारा पारंपरिक खाद्य विविधता और सांस्कृतिक पहचान को बढ़ाया जा सकता है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि कभी-कभार फास्ट फूड खाने से आपके सामान्य स्वास्थ्य पर कोई बड़ा प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं है। नियमित रूप से फास्ट फूड खाने से अंततः कई स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं। अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए इसे सीमित करना लक्ष्य है।

सूडोकु नवताल- 7356

सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7355 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

संयुक्त परिवार से सामाजिक संबंधों की बुनियाद मजबूत

भारत डोगरा

हालांकि अधिक ध्यान आर्थिक विकास की ओर किया जाता है, पर इसके साथ जरूरी है कि समाज सुधार की एक समग्र सोच बने और इस पर आधारित समाज-सुधार के प्रयास भी निरंतरता से चलते रहें। समाज की सबसे बुनियादी इकाई परिवार है, और अच्छे तथा प्रगाढ़ पारिवारिक संबंध, सुख-दुख में साथ रहने और एकता के संबंध बने रहने चाहिए। यह विभिन्न लोगों की अपनी राय है कि वे संयुक्त परिवार में रहते हैं या अलग पर चाहे जैसे भी रहें, आपसी संबंध अच्छे बने रहने चाहिए। बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए परिवार संभवतः स्कूल से भी अधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस जिम्मेदारी के प्रति परिवारों को सचेत रहना चाहिए और साथ ही ध्यान में रखना चाहिए कि अच्छे संस्कार डांट- डपट से नहीं, प्यार के माहौल में बेहतर ढंग से दिए जाते हैं। महिलाओं का सम्मान हर परिवार में होना चाहिए। इसके बिना कोई परिवार आदर्श परिवार नहीं कहला सकता है। उनके प्रति यह दृष्टिकोण होना चाहिए कि गरिमामय और मर्यादा भरे माहौल में उन्हें सब तरह की बराबरी और स्वतंत्रता मिले ताकि वे अपनी क्षमताओं का पूर्ण विकास कर सकें। परिवार की बेहतरी और व्यापक जिम्मेदारी का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि परिवार के जो सदस्य समाज की व्यापक भलाई की जिम्मेदारियों के लिए कुछ अलग राह अपनाना चाहते हैं, उन्हें परिवार का समर्थन-सहयोग मिले। आदर्श परिवार वह नहीं है, जो केवल धन एकत्र करता है, बल्कि वह है जो व्यापक सामाजिक भलाई के कायरे से जुड़ता और इनके संस्कार देता है। अच्छे पारिवारिक संबंधों के साथ पड़ोस से अच्छे संबंधों का भी प्रयास होना चाहिए। समाज-सुधार का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि सभी तरह के नशे और र्दुव् ?यसनों जुए-अश्लीलता के विरुद्ध अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। नशीले पदाथरे के कारण प्रति वर्ष विश्व में 110 लाख से अधिक मौतें होती हैं। इन नशों के कारण जिन लोगों का जीवन तबाह हुआ है, उनकी संख्या तो बहुत अधिक है और विश्व स्तर पर 80 करोड़ के आसपास है। एक तरह का नशा कम हो पर दूसरा बढ़ जाए तो भी कठिनाई बनी रहती है। कुछ कानूनी कार्रवाई हो जाए, पर आदत फिर भी न छूटे, तो भी कठिनाई बनी रहती है। अतः जरूरत इस बात की है कि निरंतरता से हर तरह के नशे को कम करने की समस्या को न्यूनतम करने के प्रयास चलते रहें और इसके लिए गांवों और बस्तियों में महिलाओं के नेतृत्व में नशा विरोधी समितियों का गठन होना चाहिए। अश्लीलता के प्रसार और अन्य हानिकारक व्यसनों को रोकने के लिए भी निरंतरता से प्रयास जरूरी है। तीसरा महत्त्वपूर्ण मुद्दा यह है कि समाज में सभी तरह के भेदभाव को समाप्त किया जाए। जाति, धर्म, लिंग, रंग, क्षेत्र किसी भी आधार पर या ऐसी किसी भी पहचान के आधार पर न तो किसी से कोई भेदभाव होना चाहिए और न ही किसी का अपमान होना चाहिए। सभी लोगों की समानता को दिल की गहराई से स्वीकार कर सभी के साथ सम्मानजनक और गरिमामय व्यवहार करेंगे तो हमारा समाज बहुत बेहतर समाज बन सकेगा। समाज में ऐसी व्यापक सोच होनी चाहिए कि अपने से कमजोर आर्थिक-सामाजिक स्थिति के लोगों से व्यवहार सहायता का हो, शोषण का नहीं। इस समानता के आधार पर समाज में व्यापक एकता और सहयोग की स्थिति स्थापित होनी चाहिए। यदि ऐसा हो सके तो हमारे समाज और देश की इतनी उत्साहवर्धक प्रगति हो सकेगी कि दुनिया भर में सराही जाएगी। जिस समाज में समानता आधारित एकता और सहयोग होगा वह समाज सबके मिले-जुले प्रयास से प्रगति की किसी भी बुलंदी को छू सकता है, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। वैसे तो परस्पर एकता और सहयोग से सभी तरह के कार्य आगे बढ़ेंगे पर पर्यावरण रक्षा और आसपास की स्वच्छता को प्राथमिकता का केंद्र बनाना होगा। इसके अतिरिक्त आपसी एकता और सहयोग से ऐसी कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है, जिनके कारण बहुत से परिवार परेशान हैं पर जिनका समाधान चंद परिवारों के स्तर पर न कर व्यापक सहयोग की आवश्यकता है। इस तरह दहेज समस्या, कुछ अवसरों पर फिजूलखर्ची आदि को दूर किया जा सकता है, जिनके कारण बहुत से लोग कर्जग्रस्त और तनावग्रस्त हो रहे हैं। समाज-सुधार की समग्र समझ के आधार पर इसके लिए प्रयास निरंतरता से होने चाहिए और इसके लिए समितियों का गठन होना चाहिए। युवाओं और महिलाओं की इसमें विशेष भूमिका होनी चाहिए। समाज-सुधार की इस सोच का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें परंपरा और आधुनिकता का संतुलित मिलन हो। कुछ लोग परंपरा के प्रति अत्यधिक झुकाव रखते हैं। भूल जाते हैं कि परंपरागत व्यवस्था और सोच में कुछ ऐसी कमजोरियां थीं जिनके कारण देश को पहले ही बहुत भुगतना पड़ा है।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों का सामाजिक स्तर पर रुतबा बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिलेगी। ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, प्रमोशन के योग भी बन रहे है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा मजबूत रहेगी। आज की गई मेहनत का भविष्य में आपको फायदा मिलेगा। आज आपको घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। सफलता आपके कदम चूमेगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। किसी दूसरे की ज्यादा आलोचना करने से आज आपको बचना चाहिए, नहीं तो परिस्थितियां आपके विपरीत बनेगी। आज आपके लिए फैसला करना कठिन होगा। शाम को माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे। दवाइयों के व्यापार में आपको उम्मीद से अधिक लाभ होगा। आज अपना हर काम खुद करने की कोशिश करें, किसी और पर ना थोपे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको फायदा होगा। सोशल साइंस के स्टूडेंट्स के लिए दिन बढ़िया रहने वाला है, आपको करियर में सफलता मिलेगी। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर घर खरीदने की प्लानिंग करेंगे। ऑफिस में अधिकारियों से सम्मान मिलेगा। बच्चे आज ऑनलाइन कुछ सीखने की कोशिश करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। आप खुद को ताजगी से भरा हुआ महसूस करेंगे। जरूरतमंद की मदद के लिए आप हर संभव कोशिश करेंगे। आपका पॉजीटिव व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा। आज किसी जरूरी काम से भागदौड़ करनी पड़ेगी, लेकिन काम में सफलता मिलेगी। कृषि से जुड़े लोगों को धन लाभ होगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपके पक्ष में रहने वाला है। आज आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। आज आप जॉब चेंज करने का मन बनाएंगे। आज आपका खुशमिजाज व्यवहार लोगों को आपकी ओर आकर्षित करेगा। कोट कचहरी से रिलेटिड रुके हुए काम किसी दोस्त की मदद से पूरे हो जाएंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपसी विश्वास और सहजता के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी। इस राशि की महिलाओं को आज के दिन खास खुशखबरी मिलने वाली है। करियर के लिए आज आपका दिन मील का पत्थर साबित होगा। सफलता आपके कदम चूमेगी।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके चुलबुले व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे। आज आपको किसी अच्छी कंपनी में काम करने का ऑफर मिल सकता है। छात्र आज कंप्यूटर कोर्स ज्वाइन करने का मन बनाएंगे। ऑफिस का काम आज आप समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे। शाम का समय भाई-बहनों के साथ बिताएंगे।

वृश्चिक राशि: आज खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज नया व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिलेगा। जियोग्राफी स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहने वाला है, दोस्तों से पूर्ण रूप से सहयोग प्राप्त होगा। आपका जीवनसाथी आपको ज्वेलरी उपहार में दे सकते है। महिलाएं आज ऑनलाइन शॉपिंग करेंगी।

धनु राशि: आज आपका दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आपके द्वारा किसी नए काम की शुरआत करने पर परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। ऑफिस के रुके हुए काम में सहकर्मी की सहायता मिलने से आपको राहत महसूस होगी। सफलता के नए मार्ग खुलेंगे कुछ घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है।

मकर राशि: आज किसी काम को करते समय आपको अपने मन को शांत रखना चाहिए। आज पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर लेने चाहिए। आज किस्मत के भरोसे आपको बिल्कुल नहीं रहना चाहिए। नौकरीपेशा वालों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कई दिनों से चली आ रही आर्थिक समस्याएं आज सुलझ जाएंगी।

कुंभ राशि: आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा, लेकिन मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। लवमेट के लिए दिन खास रहने वाला है।

मीन राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने में सफल होंगे। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। रोजगार के मामले में आप किसी जानकर व्यक्ति से सलाह लेंगे। करियर से रिलेटेड आपको कई अच्छे मौके मिलेंगे।

औद्योगिक क्रांति की नई कहानी लिख रहा है मध्यप्रदेश

गोविन्द सिंह राजपूत

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में दो दिन पूर्व संपन्न दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति ने इस समिट को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। मध्यप्रदेश अब औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए लोकल से ग्लोबल दृष्टिकोण को अपनाया गया है। इस रणनीति के तहत रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड शो जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से निवेशकों और उद्योगपतियों को आकर्षित करने के ठोस प्रयास किए गए हैं। ये पहल न केवल राज्य की आर्थिक समृद्धि को गति दे रही हैं, बल्कि स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी दिला रही हैं। औद्योगिक विकास की नींव तब मजबूत होती है जब स्थानीय उद्योगों को आवश्यक संसाधन, तकनीकी सहायता और निवेश का अवसर मिलता है। इसी सोच के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने बीते कुछ महीनों में संभाग स्तर पर 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए, जिनका उद्देश्य स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को निवेशकों और बड़े उद्योगपतियों से जोडऩा था।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के कारण- स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय पहचान मिली। छोटे और मध्यम उद्यमों को बड़े व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ा गया। इससे निवेशकों ने मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करने की रुचि दिखाई। इसके साथ ही उद्योगों को और अधिक अनुकूल माहौल देने के लिए आवश्यक बदलावों पर विचार किया गया। बढ़ते उद्योगों के कारण युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित हुए। इन कॉन्क्लेव्स के माध्यम से एमएसएमई सेक्टर को विशेष बढ़ावा मिला, जिससे छोटे और मझोले उद्योगों को नई उड़ान मिली। प्रदेशभर में रिजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के सफल आयोजन ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया और मध्यप्रदेश को निवेश के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड शो जैसे आयोजनों के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार ने यह साबित कर दिया है कि वह न केवल स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि वैश्विक निवेश को भी आकर्षित करना चाहती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य तेजी से औद्योगिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आधारभूत संरचना मजबूत होगी और प्रदेश की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ होगी। औद्योगिक क्रांति के इस नए दौर में, मध्यप्रदेश सिर्फ निवेशकों के लिए एक संभावनाओं से भरा प्रदेश नहीं, बल्कि एक ऐसा हब बन गया है जहां उद्योग, व्यापार और नवाचार एक साथ विकसित हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में इन प्रयासों का प्रभाव और अधिक स्पष्ट होगा, जिससे प्रदेश न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान में योगदान देगा, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा। राजधानी में आयोजित ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के आयोजन पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उनके मंत्रिमण्डल सहयोगी तथा अफसरों के टीमवर्क की हौसला अफजाई करते हुए देश के गृहमंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन देश को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने विकास की नई उड़ान थीम पर जोर देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के औद्योगिक और आर्थिक भविष्य का अहम स्तंभ बनेगा। नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज जब दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है, तब मध्यप्रदेश जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने पांच प्रमुख बिंदुओं पर बल दिया, जो निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित कर रही हैं।उन्होंने कहा कि यहां पिछले 10 वर्षों में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कें बनीं। 100त्न रेलवे विद्युतीकरण का कार्य पूरा हुआ। राज्य में नए लॉजिस्टिक्स हब और औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। रीवा और ओंकारेश्वर सोलर प्रोजेक्ट्स से मध्यप्रदेश भारत की ग्रीन एनर्जी कैपिटल बन रहा है। मध्यप्रदेश में 31,000 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता है, जिसमें 30त्न नवीकरणीय ऊर्जा शामिल है। मध्यप्रदेश को देश का फूड प्रोसेसिंग हब बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मिलेट्स (श्री अन्न) और जैविक कृषि के क्षेत्र में नई संभावनाएं दिखाई दे रही है। मध्यप्रदेश में ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर में रिकॉर्ड निवेश आ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीथमपुर को भारत का डिफेंस और ऑटोमोबाइल हब बनाने की योजना है। ओंकारेश्वर, उज्जैन महाकाल लोक और सांची जैसे धरोहर स्थल वैश्विक आकर्षण के केंद्र बन रहे हैं जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और हील इन इंडिया अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों की प्रशंसा की और निवेशकों को प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस समिट में भाग लेने वाले उद्योगपतियों और निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य ने निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। श्री शाह ने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर को पार करेगी और मध्यप्रदेश इसमें अहम योगदान देगा ।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब विरासत भी, विकास भी की नीति के साथ आगे बढ़ रहा है । केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उपयोगी नीतियाँ अपनाई गई हैं। लॉजिस्टिक्स हब, एक्सप्रेसवे और औद्योगिक गलियारों का तेजी से विकास हो रहा है।टेक्सटाइल, फार्मा,ऑटोमोबाइल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस समिट की सफलता को राज्य के लिए ऐतिहासिक बताया है उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30.77 लाख करोड़ से अधिकांश के निवेश प्रस्ताव मिले हैं जिससे प्रदेश में लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया है जिसमें नवाचार, तकनीक और निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने भोपाल में एक नए इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर बनाने की भी घोषणा की, जिससे भविष्य में ऐसे बड़े आयोजनों को और अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके। मध्यप्रदेश को कॉटन कैपिटल ऑफ इंडिया का दर्जा मिला है ।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❋; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❋समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में 25 हजार का इनामी लुटेरा गिरफ्तार

● पुलिस ने जहानाबाद से किया गिरफ्तार, हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रोडक्ट से भरे ट्रक को लूटा था

नालंदा, एजेंसी। नालंदा की नुरसराय पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए नूरसराय थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी राकेश कुमार उर्फ कंजला उर्फ कैला (27) को गिरफ्तार किया गया है। जो जहानाबाद जिला कल्पा थाना क्षेत्र के बुधन टाली का रहने वाला है। पुलिस ने जहानाबाद से ही आरोपी को गिरफ्तार किया है। सदर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि आरोपी एक कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से 25,000 रुपये का इनाम घोषित था। यह गिरफ्तारी नूरसराय थाना में दर्ज एक कांड से जुड़े मामले में की गई है।

माल लदे ट्रक को बनाया था निशाना : इस मामले की शुरुआत 6 सितंबर 2024 को हुई थी, जब रात करीब 9: 15 बजे अज्ञात अपराधियों ने हिंदुस्तान यूनिलीवर कम्पनी का माल लदा ट्रक को लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें मनोज कुमार उर्फ अमित कुमार, संतोष कुमार, और विकेश कुमार शामिल थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, राकेश कुमार का आपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ जहानाबाद महिला थाना में भी एक मामला दर्ज है, जिसमें विभिन्न धाराओं के साथ स्ट/स्ज्ञ एक्ट के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। गिरफ्तारी में नूरसराय थाना के थानाध्यक्ष रजनीश कुमार, एसआई रमेश पासवान, सब-इंस्पेक्टर रज्जू कुमार, रिजर्व गार्ड के राकेश कुमार, और कांस्टेबल अनिल पासवान की टीम शामिल थी।

आमने-सामने भिड़े दो ट्रक, दोनों चालक घायल

झाझा–लक्ष्मीपुर मार्ग पर बीच सड़क पर पलटे वाहन, 2 घंटे तक लगा जाम

जमुई, एजेंसी। जमुई के लक्ष्मीपुर-झाझा मुख्य मार्ग पर गुरुवार की देर रात सौनदीपी मोड़ के पास दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दोनों ट्रक सड़क पर पलट गए। इससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही लक्ष्मीपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से जेसीबी की सहायता से जाम को हटाने का काम शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को हटाया गया और यातायात बहाल हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीच सड़क पर वाहन पलटने से लगा जामः लक्ष्मीपुर थानाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने बताया कि दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई थी। जिसमें वाहन के दोनों चालक गंभीर से घायल हो गया था। दोनों का इलाज के लिए लक्ष्मीपुर अस्पताल लाया गया। जबकि ट्रक सड़क पर पलटने से कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हुआ था। जिसे जिसे भी और स्थानीय लोगों की मदद से हटा दिया गया और सुचारू रूप से आवागमन चालू कर दिया गया।

बिहार पुलिस सप्ताह का समापन, सीएम नीतीश ने कई पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस सप्ताह 22 फरवरी से शुरू हुआ था जिसका समापन गुरुवार 27 फरवरी को पटना के मिथिलेश स्टेडियम हो गया. जिसमें मुख्य अतिथि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए. वहीं, इसमें मुख्यमंत्री ने बिहार पुलिस में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी और अच्छे कार्य करने वाले आम लोग तथा स्कूली बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

सीएम नीतीश कुमार ने किया सम्मानित

बिहार पुलिस सप्ताह के मौके पर 1992 बैच के बिहार कैडर के पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार अंबेडकर को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक, वहीं अपर पुलिस महानिदेशक आर मलारविझी को भी राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक और रिटायर्ड पुलिस निरीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग सुनीता कुमारी को भी राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक से अलंकृत किया गया है.

प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत

मुख्यमंत्री के द्वारा पुलिस सप्ताह के समापन समस्तीपुर के रहने वाले भुल्लू साहनी को उनके साहसिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया. वे जन्म से ही दोनों आँख से 90त्न दिव्यांग हैं. इनके द्वारा 20 से 22 वर्षों से पानी में डूबते लोगों को बचाने का कार्य किया जाता है. इनके द्वारा अभी तक लगभग 27 लोगों को डूबने से बचाया गया है और नदी और तालाब में डूबे हुए 13 लोगों के शव को निकल गया है.

साइबर सुरक्षा विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता

अमित कुमार चौधरी बेरंगीनिया जिला संत सीतामढ़ी के रहने वाले हैं. अमित ने थाना में एक अभियुक्त को हथियार के साथ गिरफ्तार करने में पुलिस का सहयोग किया गया था. जिसको लेकर इन्हें भी मुख्यमंत्री के द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया. वहीं पुलिस सप्ताह के दौरान छात्र-छात्राओं के बीच बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस 5 पटना स्थित मिथिलेश स्टेडियम में साइबर सुरक्षा विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था.

राजीव नगर थाना का सातवां स्थान

वहीं 2024 में गृह मंत्रालय द्वारा वार्षिक रैंकिंग आफ पुलिस स्टेशन में पटना के राजीव नगर थाना का सातवां स्थान दिया गया था. जिसको लेकर रामानुज राम पुलिस और निरीक्षक तत्कालीन थानाध्यक्ष को भी प्रशस्ति पत्र दिया गया.

चैनपुर कैमूर के बिहारी यादव सम्मानित

चैनपुर कैमूर के बिहारी यादव ने 16 सितंबर को वॉटरफॉल में अचानक पानी बढ़ जाने के कारण 11 पर्यटकों को पानी में फंसे गये थे. वे 11 पर्यटकों को पानी में फंसे होने की सूचना पर नदी में कूदकर रस्सी के सहारे सभी को सुरक्षित बाहर निकल गया. इसे इस साहसिक कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया है.

वैशाली के विक्रमजीत को मिला पुरस्कार

विक्रमजीत कुमार आदर्श नगर थाना सराय जिला वैशाली के रहने वाले हैं. इनके द्वारा अज्ञात वाहन से एक मोटरसाइकिल को धक्का मार कर गंभीर रूप से जख्मी होने की स्थिति में तुरंत थाना को सूचित करते हुए घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाकर उसकी जान बचाई थी. जिसके कारण इन्हें भी प्रशस्ति पत्र दिया गया.

"अंजान जी फाउंडेशन द्वारा नेत्रहीन बच्चों के लिए स्लेट और भोजन का वितरण"

पटनाः अंजान जी फाउंडेशन ने आज पूर्वाह्न 11 बजे पटना के कुम्हरार स्थित अंतरज्योति ब्लाइंड स्कूल में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में फाउंडेशन ने नेत्रहीन बच्चों के लिए स्लेट और भोजन का वितरण किया। स्लेट प्राप्त करने वाली छात्राओं में शिवानी, राधा, रानी, दुर्गा, अनुरानी मुख्य रूप से थी। यह कदम उन बच्चों के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने की दिशा में उठाया गया था जो अपनी दृष्टिहीनता के कारण शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक संतोष श्रीवास्तव "अंजान जी" ने कहा कि शिक्षा का अधिकार हर बच्चे को है, चाहे वह सामान्य हो या विशेष आवश्यकता वाला। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि स्लेट का वितरण नेत्रहीन बच्चों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। इसके माध्यम से बच्चे अपनी शिक्षा में और अधिक रुचि ले सकेंगे और अपने भविष्य को बेहतर बना सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि नेत्रहीन बच्चों के लिए यह साधारण स्लेट नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण साधन है, जो उनके जीवन की राह को रोशन करेगा।

अंजान जी ने स्कूल प्रबंधक से यह अपील की कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए उन्हें न केवल शिक्षा बल्कि उचित और संतुलित पोषक आहार भी प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा, "जब तक बच्चों को अच्छा भोजन और शिक्षा नहीं मिलती, तब तक उनके विकास की प्रक्रिया अधूरी रहती है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से मजबूत बनें ताकि वे समाज में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकें।"

फाउंडेशन के पटना जिला अध्यक्ष आले हसन ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, "हम सभी को मिलकर इन बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करनी होगी। हमें यह समझने की जरूरत है कि यदि इन बच्चों को सही मार्गदर्शन और समर्थन मिले, तो वे भी अपने जीवन में ऊंचाइयों को छू सकते हैं।" आले हसन ने यह भी कहा कि यह समय है जब समाज को नेत्रहीन बच्चों की स्थिति को गंभीरता से समझना होगा और उनके उत्थान के लिए काम करना होगा।

पटना जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर ज्योति प्रकाश ने इस कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों से उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी सलाह दी। उन्होंने बच्चों को यह बताया कि अच्छे आहार, सही दिनचर्या, और नियमित स्वास्थ्य जांच से वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। डॉक्टर ज्योति ने कहा, "स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है, और यदि हम अपने शरीर का सही तरीके से ध्यान रखें, तो कोई भी परेशानी हमें ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।"

इस अवसर पर पटना जिला सचिव शिल्पी सिन्हा ने नेत्रहीन बच्चों के माता-पिता से भी एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा, "कई बार यह देखा जाता है कि नेत्रहीन बच्चों के माता-पिता उनकी शारीरिक स्थिति के कारण उन्हें समाज से अलग कर देते हैं और उन्हें उनका पूरा हक नहीं देते। यह स्थिति बहुत ही दुखद है। इन बच्चों के माता-पिता को यह समझना होगा कि उनका यह बच्चा भी समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें उसे हर दृष्टि से सक्षम बनाने की जिम्मेदारी निभानी होगी।" शिल्पी सिन्हा ने यह भी कहा कि नेत्रहीन बच्चों के जीवन में चुनौती केवल दृष्टिहीनता नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता भी होती है।

इस मौके पर पटना जिला के संयुक्त सचिव विपुल पंकज ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "हम सभी को मिलकर इन बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य तैयार करना होगा। अंजान जी फाउंडेशन की यह पहल सिर्फ एक शुरुआत है, लेकिन इसे निरंतर जारी रखने की जरूरत है ताकि इन बच्चों को हर संभव सहायता मिल सके।" विपुल पंकज ने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में एक सकारात्मक बदलाव आएगा और लोग विशेष रूप से नेत्रहीन बच्चों की स्थिति को समझने की कोशिश करेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थिति अन्य सदस्यों में अभिनव श्रीवास्तव, राकेश धारी, पुरूषोतम और निशांत भी शामिल थे। उन्होंने भी अपने विचार रखे और इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने और एक दूसरे की मदद करने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने लायक था। स्लेट और भोजन के वितरण के बाद बच्चों ने अपनी आभार व्यक्त किया और फाउंडेशन के सदस्यों का धन्यवाद किया। यह कार्यक्रम उनके जीवन में एक नया अध्याय जोड़ने जैसा था, जो उन्हें न केवल शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में बल्कि एक अच्छे और स्वस्थ जीवन जीने के लिए भी प्रेरित करेगा। अंजान जी फाउंडेशन ने यह आयोजन करते हुए यह साबित कर दिया कि समाज के हर वर्ग का उत्थान संभव है यदि हम सामूहिक प्रयास करें। फाउंडेशन का मानना है कि यह केवल एक शुरुआत है और वे भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करेंगे ताकि समाज में नेत्रहीन बच्चों के लिए जागरूकता बढ़े और उन्हें हर पहलू में सशक्त किया जा सके।

भोजपुर में हथियारबंद अपराधियों ने मछुआरे को मारी गोली

लूट का विरोध करने पर मारी गोली, गंभीर हालत में सदर अस्पताल से पटना रेफर

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बरजा गंगा नदी में गुरुवार की रात मछली लूटने आए हथियारबंद अपराधियों ने एक मछुआरे मैनेजर मलाह (50) को गोली मार दी। जख्मी अधेड़ को गोली दाहिने साइड गाल में लगी है जो गर्दन के पीछे आकर फंसी है। जख्मी हालत में मछुआरे ने किसी तरह जान बचाकर वहां से भागकर नदी की किनारे स्थानीय लोगों के पास पहुंचकर मदद मांगी। फिर स्थानीय लोगों इस घटना की जानकारी परिजनों को दी और उसके बाद जख्मी हालत में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचे, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मछुआरे को पटना रेफर कर दिया गया है। हालांकि परिजन आनन-फानन में आरा शहर स्थित आरा इमरजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर हर्षवर्धन की टीम की देखरेख में इलाज कराया जा रहा है।

मछली और जाल को लूटकर भाग रहे थे बदमाश : जख्मी मछुआरा कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव निवासी स्व राम किशुन चौधरी के बेटे मैनेजर मलाह है। इधर घटना की जानकारी देते हुए जख्मी मछुआरे ने बताया कि वो अपने साथी दशई मलाह के साथ बरजा गांव स्थित गंगा नदी में नाव से मछली मारने गए थे। हर रोज मछली मारने के बाद सुबह में बेचने जाते है। गुरुवार की रात दोनों बीच गंगा नदी में मछली मार रहे थे । तभी आठ की संख्या में हथियार लेकर आए बदमाशों ने हथियार के बल पर करीब दस किलों मछली और जाल को लूटकर भाग रहे थे। तभी हमलोगों ने इसका विरोध किया तो एक अपराधी ने पिस्टल निकालकर गोली मार दी। गोली में मेरे गाल पर लगी है। जैसे-तैसे गंगा नदी में कुदकर जान बचाई और इस घटना की जानकारी स्थानीय के लोगों के मदद से परिजनों को दी। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी दस किलों मछली लेकर वहां से आराम से फरार हो गए। वही ऑन ड्यूटी डॉक्टर हर्षवर्धन ने बताया जख्मी के चेहरे पर गोली लगने से ज्यादा खून रिसाव हो गया है। इमरजेंसी वार्ड में जख्मी का ऑपरेशन कर बुलेट को निकाल दिया गया,हालांकि अभी मरीज की स्थिति ठीक है। उसे ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। वही पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि जख्मी मछली मारने गए थे,इसी दौरान घटना घटी है। कुछ लोगों का नाम सामने आ रहा है। जल्दी ही उनकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

नालंदा में 3 मार्च को लगेगा रोजगार कैंप: 2,500 रिक्तियों पर की जाएगी बहाली

नालंदा, एजेंसी। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नालंदा जिले में 3 मार्च को एक विशेष नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह मेला संयुक्त श्रम भवन, जिला नियोजनालय नालंदा बिहारशरीफ (बिहारशरीफ प्रखंड कार्यालय कैम्पस के निकट) में आयोजित किया जाएगा। इस एक दिवसीय आयोजन में देश की प्रमुख कंपनियां सहभागिता करेंगी, जिनमें स्क्र्र्ना, होटल ममता इंटरनेशनल, लेनोवो ग्रुप, ग्रीन मैक्स सिस्टम, अरवन इन्फोसॉफ्ट, निमसन हर्बल, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन, क्रेस कॉर्प लिमिटेड, टाटा मोटर्स और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख हैं। इनके अलावा कई स्थानीय और बाहरी निजी कंपनियां भी इस मेले में भाग लेंगी। मेले में आने वाली कंपनियां रिटेल, हेल्थकेयर, अकाउंटिंग, डिलीवरी सर्विसेज, हॉस्पिटैलिटी और सिक्योरिटी सर्विसेज जैसे विविध क्षेत्रों में करीब 2,500 रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया चलाएंगी। यह मेला नालंदा के बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर साबित हो सकता है। जिला नियोजन अधिकारी अंकित राज ने बताया, ÷इस मेले का उद्देश्य है कि नालंदा और आसपास के क्षेत्रों के युवा प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार पाने का अवसर प्राप्त कर सकें। साथ ही, उन्हें विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी मिलेगा।÷ प्रशासन ने सभी युवाओं, विशेषकर युवतियों से अधिक से अधिक संख्या में इस मेले में भाग लेने का आग्रह किया है। आवेदकों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की मूल प्रति और फोटो कॉपी साथ लेकर आएं।

विक्रमशिला खंडहर संवरेगा, हरिहरनाथ कॉरिडोर बनेगा, बिहार का केंद्र को प्रस्ताव

पटना, एजेंसी। बिहार की प्राचीन धरोहरों का विकास तेज कर दिया गया है। इसी के तहत विक्रमशिला प्राचीन विश्वविद्यालय खंडहर और हरिहर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की तैयारी है। बिहार सरकार ने इसके लिए चैलेंज बेस्ड डिस्टिनेशन योजना के तहत केंद्र को प्रस्ताव भेजा है। इसमें हरिहर क्षेत्र (सोनपुर) में हाट बनाने की भी योजना है। वहीं, बाबा हरिहरनाथ क्षेत्र को काशी कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित करने की योजना है। इसके अध्ययन की जिम्मेदारी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के मुख्य परामर्शी एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजेंट प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद को सौंपी गई है। बता दें कि नारायणी नदी (गंडक) के किनारे बसे हरिहर क्षेत्र सोनपुर का पशु मेला विश्व प्रसिद्ध है। धार्मिक मान्यता है कि यहीं गज-ग्राह की लड़ाई हुई थी, जिसमें भगवान विष्णु ने गज की जान बचाई थी। कार्तिक माह में पशु मेला के समय दुनियाभर के पर्यटक यहां पहुंचते हैं। कॉरिडोर बनने और क्षेत्र का विकास होने से मेला अवधि के बाद भी यहां पर्यटकों का आना जारी रहेगा। राज्य सरकार ने सोनपुर हाट के लिए 24.41 करोड़ और विक्रमशिला प्राचीन विश्वविद्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए 22.40 करोड़ का प्रस्ताव भेजा है। सोनपुर कॉरिडोर की रिपोर्ट आ जाने के बाद वहां की डीपीआर तैयार होगी।

मेला एप बनेगा, बाबा हरिहरनाथ के वर्चुअल दर्शन होंगे : देश-विदेश के पर्यटकों की जानकारी के लिए सोनपुर मेला ऐप भी विकसित किया जाएगा। इसके अलावा एआर-वीआर सुविधा विकसित की जानी है। बाबा हरिहरनाथ की वर्चुअल दर्शन कराने की भी योजना है। सोनपुर हाट के अलावा भव्य प्रवेश द्वार बनाने की योजना है। हाट से घाट तक की सड़क, पार्किंग, जनसुविधा विकसित की जाएगी। ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देते हुए क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा। सौर ऊर्जा और कचरा प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाएगा। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां के गाइड, होटल संचालक, फुड वेंडर, टूर ऑपरेटर आदि को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

विक्रमशिला में बनेगी प्रदर्शनी गैलरी : केंद्र को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार भागलपुर जिले में स्थित विक्रमशिला प्राचीन विश्वविद्यालय के खंडहर के आसपास पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रदर्शनी गैलरी बनाकर यहां रिप्लिका लगाई जाएंगी। रिसोर्स सेंटर, विजिटर सेंटर और जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा परिसर में पौधरोपण की भी योजना है। प्राचीन विश्वविद्यालय का महत्व बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लिया जाएगा। इसके लिए अलग से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे। यहां के गाइड, टूर ऑपरेटरों को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महिषी का भी होगा विकास : पर्यटन विभाग ने सहरसा के मंडन मिश्र धाम महिषी को भी पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने की योजना बनाई है। इस पर 14 करोड़ 23 लाख रुपये खर्च होंगे। आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के शास्त्रत्तर्थ के साक्षी इस स्थल पर दोनों महापुरुषों के दर्शन होंगे। मंडन मिश्र की पत्नी भारती ने ही शास्त्रत्तर्थ में आदि शंकराचार्य को पराजित किया था। यहां प्रवेश द्वार, पार्किंग और अन्य जनसुविधा विकसित की जाएंगी। मुख्य भवन का जीर्णोद्धार, घाट का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा नैनो बबल टेक्नोलॉजी से तालाब का सौंदर्यीकरण होगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 01 मार्च, 2025

संभल हिंसा: चौथी बार न्यायिक आयोग की टीम ने शुरू की कार्रवाई, अफसर और पीड़ित पहुंचे बयान दर्ज करवाने

संभल , एजेंसी। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की टीम चौथी बार शहर पहुंची। आयोग से जुड़े पदाधिकारी शुक्रवार को संभल के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में लोगों और अफसरों के बयान दर्ज कर रहे हैं। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन भी गेस्ट हाउस पहुंचे।

आयोग के सदस्य शनिवार को भी जिले में रहेंगे और बवाल के दौरान तैनात पुलिस प्रशासन, गवाहों और अन्य संबंधित पक्षों के बयान दर्ज करेंगे। इससे पहले भी आयोग तीन बार संभल आकर जांच कर चुका है। गौरतलब है कि 24 नवंबर को जामा मस्जिद में हुए सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 29 पुलिसकर्मी और कई अन्य लोग घायल हो गए थे। उपद्रवियों ने पुलिस पर फायरिंग की थी और आगजनी व तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आई थीं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी।

इस घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया था। इसमें रिटायर्ड जज देवेंद्र अरोड़ा को अध्यक्ष बनाया गया। उनके साथ रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और पूर्व डीजीपी एके जैन तथा रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद सदस्य के रूप में शामिल हैं।

आयोग की टीम सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। इसका उद्देश्य बवाल के कारणों, दोषियों की भूमिका और प्रशासन की कार्रवाई की विस्तृत पड़ताल करना है।

सभी दंगों की रिपोर्ट हो रही तैयार

संभल पुलिस शहर में 1978, 1986 और 1992 में हुए दंगों की जांच पड़ताल करने में जुटी है। जल्द ही रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजा जाएगी। एसपी का कहना है कि शासन स्तर से जो भी निर्देश मिलेंगे उसके आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ेगी। उसके आधार पर ही उन तीनों दंगों की रिपोर्ट तैयार हो रही है। बताया कि मुकदमों की स्थिति को भी देखा जाएगा।

23 जनवरी को न्यायिक जांच आयोग के सामने कुछ लोग पहुंचे थे। उन्होंने 1978, 1986 और 1992 के दंगों से पीड़ित होने की बात कही थी। साथ ही बताया था कि उन्हें इन तीनों दंगों में जान और माल का नुकसान हुआ था लेकिन न्याय नहीं मिला। इन परिवारों ने जांच कराने के लिए मांग उठाई थी।

इसी मांग को मानते हुए रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। एसपी का कहना है कि दंगों में कितने लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी और उन मुकदमों में क्या स्थिति है। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उसके बाद शासन को भेजी जाएगी। रिकॉर्ड मुरादाबाद में है। इसलिए समय लग रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जिले में कई बांग्लादेशी परिवारों के छिपे होने का अनुमान

उन्नाव , एजेंसी। दंपती सहित पांच बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को यहां कई और बांग्लादेशी घुसपैठियों के होने का शक है। सोमवार को बांग्लादेशी दंपती सहित पांच को गिरफ्तार कर जेल भेजने के बाद पुलिस ने यूपी एसटीएफ को भी भेजी है। एसपी ने बताया कि जिन दो संदिग्धों की तलाश है उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अनुमान है कि उनसे मिली जानकारी पर बड़े रैकेट का खुलासा हो सकता है। एक व्यापारी को दो लाख रुपये के बदले तीन लाख रुपये की सऊदी अरब की मुद्रा (रियाल) देने का झांसा देकर हुई ठगी की घटना की जांच के दौरान पुलिस ने सोमवार को सदर कोतवाली के मोहल्ला गदनखेड़ा में कबाड़ का काम करने वाले एक दंपती सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच में सभी के बांग्लादेशी होने की पुष्टि हुई थी। एसपी दीपक भूकर के अनुसार अभी तक की जांच में सामने आया है कि है कि यह सभी करीब छह साल पहले पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में दाखिल हुए थे। गिरोह का सरगना अब्दुल जलील दिल्ली व अन्य शहरों में चोरी छिपे रहने के बाद मथुरा जिले से निवास प्रमाणपत्र बनवा लिया और बाद में अन्य लोगों को बुला लिया और धोखाधड़ी करके यहीं के निवास प्रमाण पत्र बनवा लिए। मुख्य आरोपी जलील को गिरफ्तार करने के बाद पश्चिम बंगाल के जिला उत्तर के थाना जीवनतला के काली कतला गांव के निवासी मासूम मुल्ला, मथुरा के कोदवन गांव निवासी मिंटू व उसकी पत्नी हमीदा और मथुरा के रघुवीर बिहार कॉलोनी निवासी अफरोजा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। एसपी ने बताया कि दो और व्यक्तियों के शहर के आसपास होने का सुराग मिला है। उनकी तलाश की जा रही है। बताया कि इन दोनों के पकड़े जाने के बाद बड़े रैकेट का खुलासा भी हो सकता है। फिलहाल इसकी रिपोर्ट यूपी एसटीएफ को भी भेजी गई है, एसटीएफ ने भी अपने स्तर पर जांच शुरू की है। पांच बांग्लादेशियों के पास से मिले 16 मोबाइल, भारतीय व बांग्लादेशी सिम को पुलिस ने जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजे हैं।

जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार, गए जेल

कौशांबी, एजेंसी। कोतवाली के सेलरहा पूरब गांव में सिंचाई का पाइप फटने को लेकर मंगलवार दोपहर सगे भाइयों को पीटने व फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने बृहस्पतिवार को उनके घर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। वहां से दोनों को उन्हें जेल भेजा गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। सेलरहा पूरब निवासी घनश्याम मौर्य के बेटे सुमित व शिवम मंगलवार दोपहर गांव के बाहर सड़क पर पाइप बिछाकर खेत की सिंचाई कर रहे थे। तभी मलाका गांव स्थित मातृभूमि इंटर कॉलेज की स्कूली गाड़ी उधर से गुजरी। जिस वजह से पाइप फट गई। इसे लेकर ड्राइवर से सुमित व शिवम की कहासुनी होने लगी। चालक के फोन लगाने पर प्रबंधक विनीत त्रिपाठी समेत अन्य को बुला लिया।

90 में से 34 शिकायतकर्ताओं ने निस्तारण पर जताई असहमति

कौशांबी, एजेंसी। आईजीआरएस सेल ने 21 से 27 फरवरी के मध्य मिली 90 शिकायतों के निस्तारण की फीड बैक लिया। इस दौरान 34 शिकायतकर्ताओं ने निस्तारण पर असंतुष्टि जाहिर की। इस पर डीएम ने 18 जिम्मेदार अफसरों से जवाब-तलब किया है।डीएम मधुसूदन हुल्गी के निर्देश पर कर्मचारियों ने ऑनलाइन मिली आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण का फीड बैक लिया। इन शिकायतों का अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर निस्तारण करना था। 34 शिकायतकर्ताओं ने समस्या निस्तारण पर असंतुष्टि जताई है। इसमें एसडीएम सिराथू के छह, चायल के तीन, जिला दिव्यांग अधिकारी के दो, अधिशासी अभियंता विद्युत के एक, जिला पंचायती राज अधिकारी के तीन, प्रभारी अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन के एक, एडीओ मंझनपुर व चायल की दो-दो, अधिशासी अधिकारी चायल व भरवारी की एक-एक, चरवा की दो, सीएमओ की दो, बीडीओ मूरतगंज की एक, थानाध्यक्ष महेवाघाट, करारी, कड़ाधाम, चरवां, संदीपन घाट की एक-एक शिकायत पर असंतुष्ट फीडबैक दिया।

पूर्व भाजपा सांसद के फुफेरे भाई पर बांके से कातिलाना हमला, खून से लाल हुई सड़क, हालत गंभीर

बरेली , एजेंसी। बरेली के रिठौरा में आंवला के पूर्व भाजपा सांसद धर्मेंद्र कश्यप के फुफेरे भाई पर बृहस्पतिवार को तीन लोगों ने बांके से कातिलाना हमला कर दिया। इससे वह गंभीर घायल हो गए। उनको मिनी बाइपास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके बेटे ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तीन लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।

हाफिजगंज थाने की नगर पंचायत रिठौरा के वार्ड नंबर 12 निवासी युधिष्ठिर कश्यप कस्बे में ही चाट का ठेला लगाते हैं। वह पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप की बुआ के बेटे हैं। बृहस्पतिवार रात आठ बजे वह ठेला लेकर घर लौट रहे थे।

युधिष्ठिर के बेटे दीपक कश्यप ने बताया कि रास्ते में पिता को कढ़ेमल ने अपने बेटों पूरन और ढाकन लाल के साथ घेर लिया। इनके पास धारदार हथियार थे। तीनों ने उन पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर पिता को मरा हुआ समझकर भाग गए।

इसलिए रंजिश मानता है आरोपी : घटना के पीछे फड़ और ठेला लगने को लेकर रंजिश बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार जिस स्थान पर कढ़ेमल फड़ लगाता था, वही जगह युधिष्ठिर को दिला दी गई। इसी को लेकर कढ़ेमल रंजिश मानता था।

निजी अस्पताल में भर्ती युधिष्ठिर की हालत गंभीर बनी है। उनके शरीर पर कई गहरे जख्म हुए हैं। दीपक की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराने को नामजद तहरीर दी गई है। हाफिजगंज थाने के इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में कांग्रेस महाअभियान के सहारे मतदाताओं को पार्टी से जोड़ेगी, 100 दिन में होंगी 600 सभाएं

लखनऊ , एजेंसी। मतदाताओं से जुड़ने के लिए कांग्रेस ने नई रणनीति अपनाई है। इसके लिए पार्टी हर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जोड़ो महा अभियान चलाएगी। विधानसभा क्षेत्रों में 100 दिन में करीब 600 सभाएं आयोजित कर एक लाख लोगों से संकल्प पत्र भरवाए जाएंगे। इसकी शुरुआत आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से 28 फरवरी से हो रही है।

2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी तत्परता से मैदान में जुटी है। पार्टी यह चुनाव सपा अथवा अन्य दलों से मिलकर लड़ेगी या नहीं, यह तय होना बाकी है, लेकिन पार्टी मतदाताओं को खुद से जोड़ने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इसी रणनीति के तहत यह मुहिम शुरू की जा रही है।

नमस्ते निजामाबाद के नाम से शुरू होने वाले इस महा अभियान की जिम्मेदारी पार्टी के निवर्तमान प्रदेश संगठन महासचिव अनिल यादव को सौंपी गई है। महाअभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना और संविधान सुरक्षा के मुद्दे पर हर ग्राम पंचायत में तीन सभाएं होंगी। इस तरह पूरे विधानसभा क्षेत्र में 500 से 600 सभाएं होंगी। इस दौरान एक लाख से अधिक लोगों से संकल्प पत्र भरवाया जाएगा। 51 सदस्यों की निजामाबाद एक्शन कमेटी भी बनाई जाएगी।

राज्यपाल आनंदी बेन ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या , एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार सुबह रामलला के दर्शन किए। राज्यपाल दो दिवसीय दौरे पर अयोध्या में हैं। पहले दिन विद्या कुंड और सीता कुंड का अवलोकन किया था साथ ही विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं की भित्ति प्रदर्शन को देखा था।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में ही रात्रि प्रवास किया। शुक्रवार सुबह वह रामलला के दरबार में पहुंची और दर्शन पूजन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह के दौरान जिले के 501 आंगनबाड़ी केंद्रों को स्कूल प्री स्कूल किट सौंपेंगी। बेसिक शिक्षा के 10 और प्राइमरी स्कूलों को स्मार्ट क्लास चलाने के लिए एलईडी प्रदान करेंगी।

धर्मांतरण: मिशनरियों के निशाने पर अब मुस्लिम परिवार, कई लोगों ने मस्जिद जाना बंद कर दिया

लखनऊ, एजेंसी। एससी और पिछड़े हिंदू परिवारों के धर्मांतरण के बाद अब ईसाई मिशनरियों की नजर आर्थिक रूप से कमजोर मुस्लिम परिवारों पर है। पैसा, बच्चों को शिक्षा, उपचार और नौकरी के नाम पर इन परिवारों का धर्मांतरण किया जा रहा है। मिशनरियों का मिशन मुस्लिम अवध क्षेत्र के श्रावस्ती से शुरू होकर बहराइच, सीतापुर, रायबरेली, अमेठी होते हुए अंबेडकरनगर व सुल्तानपुर तक पहुंच गया है। फतेहपुर, महाराजगंज, बस्ती तक जाल फैला हुआ है। फरवरी में सीतापुर व रायबरेली से पकड़े गए ईसाई मिशनरी के सदस्यों से पूछताछ के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी गई सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके अनुसार, बस्ती मंडल से लगे अयोध्या के सीमावर्ती क्षेत्रों के कुछ मुस्लिम परिवारों ने पूजा पद्धति बदली है। अब वह जुमे की नमाज नहीं अदा करते। मस्जिद जाना कम कर दिया है। उनके बच्चे मदरसों की बजाय लखनऊ और बाराबंकी के प्रतिष्ठित कान्वेंट स्कूल में पढ़ रहे हैं। परिवार की महिलाएं वर्ल्ड विजन संस्था से जुड़कर स्वरोजगार कर रही हैं। उनकी आर्थिक स्थिति समृद्ध हुई है।

धर्म बदला पर नाम नहीं

आईबी के पूर्व अधिकारी सतीश सिंह बताते हैं कि मुस्लिम परिवारों के धर्मांतरण का पहला मामला पीलीभीत में वर्ष 2020 में सामने आया था। इसके बाद नेपाल से सटे गोरखपुर मंडल के महाराजगंज और फिर बस्ती मंडल के सिद्धार्थनगर जिले में भी पांच मुस्लिम परिवारों ने ईसाई धर्म स्वीकारा। लेकिन, इन परिवारों के सदस्यों ने अपना नाम नहीं बदला।

आधी रात को धधकी कानपुर की गल्ला मंडी,10 गोदाम में जला लाखों का माल

सुनील बाजपेई

कानपुर। गर्मी शुरु होने के पहले ही यहां आग ने अपना तांडव दिखाने शुरू कर दिया है वह आधी रात को यहां की गल्ला मंडी में भी धधक उठी ,जिसके फलस्वरुप 10 गोदाम में रखा लाखों का माल खाक हो गया।

इस आग पर काबू पाने में फायर ब्रिगेड को घंटे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी । वहीं नुकसान का आकलन भी शुरू कर दिया गया है जो कि समाचार लिखे जाने तक जारी है।

इस भीषण आग को बुझाने के लिए फजलगंज, जाजमऊ, किदवई नगर से 12 से अधिक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग की लपटें और धुआं 2 किलोमीटर दूर से दिखाई पड़। फिलहाल कड़ी मशक्कत के बाद करीब 2 बजे काबू पा लिया गया। मंडी में बने करीब 10 गोदाम जलकर राख हो गए।

जहां तक आग लगने के कारण का सवाल है। इसकी वजह अभी पता नहीं चल पाई है। वहीं आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक नौबस्ता गल्ला मंडी में सबसे पहले यह चबूतरा नंबर 2 में लग गई। आग की लपटे उठती देखकर पुलिस और दमकल को सूचना दी गई। इस दौरान मंडी के गोदामों के बाहर टट्टर लगे होने के कारण कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। गोदाम में चना और अनाज (गेहूं) रखा हुआ था। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग पर बिना किसी जनहानि के काबू पा लिया गया है। फिलहाल का कारण स्पष्ट नहीं है। वहीं दूसरी ओर आग लगने की वजह पता लगाने के साथ ही हुए नुकसान का आकलन भी शुरू कर दिया गया है।

महिला की गला रेतकर हत्या, खेत में अर्धनग्न मिला शव; शिनाख्त कराने में जुटी पुलिस

मिर्जापुर , एजेंसी। मिर्जापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के लूरकुटिया गांव के एक खेत में गला रेतकर महिला की हत्या कर फेंका गया शव बरामद हुआ है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच व शव के शिनाख्त में जुट गई है।

लूरकुटिया गांव निवासी धनंजय सिंह पुत्र शीतला सिंह के खेत स्थित गेंहू की फसल में शुक्रवार को 35 वर्षीय अज्ञात महिला का अर्धनग्न शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव पलटकर देखा तो गला रेता गया था। बगल में बांस भी पड़ा था। आशंका है कि किसी वाहन से आए आरोपी शव को सड़क से घसीटते हुए खेत में ले गए। जिससे सड़क पर खून गिरने के निशान हैं। शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल के बाद पुलिस शिनाख्त कराने में जुटी है।

शादी से मना किया तो छात्रा के गले पर सिरफिरे ने मारा उस्तरा, फिर खुद किया ये काम, हैवानियत देख सहमी लड़की

शाहजहांपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में शादी से इनकार पर सिरफिरे ने कोचिंग से लौट रही 12वीं की छात्रा के गले पर उस्तरे से वार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने अपनी हाथ की नस काट ली। छात्रा को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। चौक कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति की 16 वर्षीय बेटी बहादुरगंज स्थित एक बालिका कॉलेज में बारहवीं में पढ़ती है। उसकी बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं। वह घर के नजदीक ही कोचिंग में पढ़ती है।

बृहस्पतिवार को दोपहर 12 बजे वह कोचिंग से लौट रही थी। मक्कू बजरिया निवासी सागर वाजपेयी उसका पीछा करने लगा। सरेराह उसे रोक लिया और शादी करने के लिए कहने लगा। छात्रा के मना करते ही आरोपी ने उस्तरा उसके गले पर मार दिया। इसके बाद उसने दूसरा वार किया तो छात्रा ने हाथ से रोका तो वह और जख्मी हो गई। छात्रा के अनुसार, उसने तीन वार किए। शोर-शराबा होने पर लोगों को आता देख युवक ने अपनी गर्दन पर उस्तरा रखकर जान देने की धमकी दी, फिर उसने हाथ की नस काट ली और भाग गया। सरेराह छात्रा पर हमले की सूचना पर सदर थाना प्रभारी अरविंद सिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रा से पूछताछ की। एसपी सिटी संजय कुमार और सीओ सिटी पंकज पंत ने भी जानकारी ली। घायल पक्ष की ओर से थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

हाथ से रोका वार, नहीं तो मर जाती छात्रा

राजकीय मेडिकल कॉलेज में दर्द से कराह रही छात्रा ने अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। उसने बताया कि वह रोजाना की तरह घर आ रही थी। रास्ते में सागर ने उसे रोक लिया और शादी करने के लिए कहने लगा। इन्कार करने पर उस्तरे से वार कर दिया। गर्दन पर उस्तरा लगते ही खून देखकर आंखों के सामने अंधेरा छा गया। किसी तरह खुद को संभाला। आरोपी ने गुस्से में आकर पेट में उस्तरा मारा तो किसी तरह धक्का देकर बचाया, अन्यथा वह उसे मार ही डालता, जाते समय आरोपी ने धमकी दी कि वह जान से मार देगा।

आरोपी ने अपनी गर्दन पर रखा उस्तरा

आरोपी ने मक्कू बजरिया वाली गली से पुरानी रेल लाइन के पास ही घटना को अंजाम दिया। लोग उसे पकड़ने के लिए दौड़े तो आरोपी ने अपनी गर्दन पर उस्तरा रख लिया। खुद की जान देने की बात भी कही। उसके बाद आरोपी भाग गया था। उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

डीजे की दुकान चलाता है आरोपी

आरोपी सागर वाजपेयी की छात्रा के मोहल्ले में ही डीजे की दुकान है। वह काफी समय से उसे आते-जाते परेशान कर रहा था। पूर्व परिचित होने के कारण उसने कुछ समय पहले भी शादी करने का मैसेज किया था, उस वक्त भी छात्रा ने इनकार कर दिया था। तब से आरोपी उससे खुन्नस खाए था। बताते हैं कि सागर के परिवार को कोई सदस्य सत्तारूढ़ दल जुड़ा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने ब्रिटिश PM से पूछा-रूस से अकेले निपट पाओगे, स्टार्मर हंसकर टाल गए

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिटिश PM कीर स्टार्मर को चैलेंज करते हुए पूछ लिया कि क्या वे अकेले रूस का मुकाबला कर पाएंगे? पत्रकारों के सामने ट्रम्प का यह सवाल सुनकर स्टार्मर चौंक गए। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ब्रिटिश PM स्टार्मर अमेरिकी दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को ट्रम्प से मुलाकात की। इसके बाद दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ट्रम्प से सवाल पूछा गया था कि यदि यूक्रेन में ब्रिटिश सेना तैनात होती है तो क्या अमेरिका उनकी मदद करेगा? ट्रम्प ने पहले 'नहीं' कहा। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश अपना ख्याल बहुत अच्छे से रख सकते हैं। कुछ ही देर बाद उन्होंने कहा कि यदि ब्रिटेन को मदद की जरूरत होगी तो अमेरिका उनका साथ देगा। फिर ट्रम्प, स्टार्मर की तरफ मुड़े और उनसे पूछ लिया- क्या आप अकेले रूस का मुकाबला कर पाएंगे? इस पर स्टार्मर कोई जवाब नहीं दे सके और मुस्कुराकर रह गए। ट्रम्प बोले- यूक्रेन में शांति की बात बहुत आगे बढ़ी बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन जंग रोकने के लिए शुरू हुई बातचीत अब बहुत आगे बढ़ चुकी है। वहीं, स्टार्मर ने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि जंग पूरी तरह स्थायी हो और किसी एक पक्ष को इसका फायदा न हो। स्टार्मर ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, 'शांति वैसी नहीं हो सकती जो हमलावर को फायदा पहुंचाती हो या फिर ईरान जैसी शासन व्यवस्था को बढ़ावा देती हो। इतिहास को शांति निर्माता के पक्ष में होना चाहिए, आक्रमणकारी के पक्ष में नहीं।'

बेटी कोमा में, सरकार के दखल से मिला US वीजा, सातारा की नीलम शिंदे का कैलिफोर्निया में एक्सीडेंट

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारतीय छात्रा नीलम शिंदे के परिवार को इमरजेंसी वीजा दे दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के दखल के बाद यह संभव हुआ। उनके पिता ने विदेश मंत्रालय से इमरजेंसी वीजा की अपील की थी। नीलम शिंदे (35) को 14 फरवरी को कैलिफोर्निया में कार ने टक्कर मार दी थी। इसके बाद वह कोमा में चली गई। आरोपी वाहन चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नीलम महाराष्ट्र के सातारा जिले की रहने वाली हैं। 4 साल से अमेरिका में रह रही हैं। परिवार के मुताबिक नीलम ICU में भर्ती हैं। उनके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हैं। सिर में गंभीर चोट है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने ब्रेन की सर्जरी के लिए परिवार से अनुमति मांगी है। नीलम की देखभाल के लिए परिवार का वहां रहना जरूरी है। नीलम पिता ने अमेरिकी दूतावास से इमरजेंसी वीजा की मांग की थी। दूतावास ने आज सुबह 9 बजे इंटरव्यू के लिए बुलाया था। पिता तानाजी शिंदे ने बताया कि उन्हें इस दुर्घटना की जानकारी 16 फरवरी को मिली थी। शिंदे परिवार वीजा आवेदन के लिए स्लॉट बुक कर रहा था, लेकिन उन्हें अगले साल की तारीख मिल रही थी। इसके बाद NCP (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर मामला उठाया, साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर से मदद की अपील की।

इंडोनेशिया में समलैंगिक जोड़े को सार्वजनिक कोड़े मारे, लोगों ने कमरे में संबंध बनाते पकड़ा था

जकार्ता। इंडोनेशिया के आचेह राज्य में गुरुवार को समलैंगिक संबंध के आरोप में दो लोगों को सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए। इस्लामी कानून के तहत काम करने वाली एक अदालत ने इन्हें यौन संबंधों का दोषी पाया था। दोनों आरोपी एक लोकल यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट हैं। इन्हें पिछले साल नवंबर में लोगों ने किराये के कमरे यौन संबंध बनाते हुए पकड़ा था। इसके बाद दोनों को शरिया पुलिस के हवाले कर दिया। AFP न्यूज के मुताबिक दोनों आरोपियों को आचेह राज्य की राजधानी बांदा आचेह के पार्क में सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए। इसमें रिश्ते के लिए पहल करने वाले को 82 और दूसरे को 77 कोड़े मारे गए। ये लोग 3 महीने से हिरासत में बंद थे, इसके मद्देनजर इन लोगों की सजा में तीन कोड़े कम कर दिए गए। इंडोनेशिया के दूसरे राज्यों से इतर आचेह में समलैंगिक संबंध अवैध हैं। जहां इस्लामी कानूनी शरिया लागू हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं इस सजा का विरोध करते हुए इसे समलैंगिक समुदाय के खिलाफ भेदभाव बताया। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस सजा को हेट क्राइम बताया। ऑनलाइन जुआ खेलने के आरोप में गुरुवार को उसी पार्क में दो लोगों को क्रमशः 34 और 8 बार कोड़े मारे गए।

हरियाणा में 10वीं की परीक्षा में नकल कराई गई, खिड़की, रोशनदान, छतों से स्टूडेंट्स तक पर्चियां पहुंचाई गईं

सोनीपत। हरियाणा में आज (28 फरवरी) 10वीं के बोर्ड एग्जाम के पहले ही दिन गणित के पेपर में नकल कराई गई। दरअसल पेपर शुरू होने के 15 मिनट बाद ही नूंह में पुन्हाना के NDM पब्लिक स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्र से पेपर बाहर आ गया। इसके बाद पुन्हाना के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से भी पेपर आ गया। सोनीपत में महिला टीचरों ने वॉट्सऐप पर पेपर आने के बाद उसे सॉल्व किया और छात्रों के जरिए परीक्षा केंद्र के अंदर पर्चियां भिजवाईं। पेपर हल कर नूंह और पुन्हाना में परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों के सहयोगियों ने परीक्षा केंद्र पहुंचकर खिड़की और रोशनदान,छतों से अंदर हॉल में परीक्षा दे रहे परीक्षार्थियों तक पर्चियां पहुंचाई। कई जगह पुलिस और टीचरों की मौजूदगी में युवक पर्चियां फेंकते दिखे। नूंह-पुन्हाना में छत और रोशनदान से पर्चियां फेंकी 10वीं की परीक्षा साढ़े 12 बजे शुरू हुई थी, जो साढ़े 3 बजे तक चली। एग्जाम में कुल 2 लाख 93 हजार 395 स्टूडेंट शामिल हुए। इनके लिए बोर्ड ने कुल 1431 परीक्षा केंद्र बनाए। पेपर आउट होने के बाद नूंह के मेव हाई स्कूल और पुन्हाना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में युवक दीवारों पर चढ़ गए। मॉडर्न हाई स्कूल में युवकों ने डंडों के जरिए रोशनदान से पर्चियां कक्षाओं में पहुंचाई। पुन्हाना के फैजाम मॉडर्न हाई स्कूल में पुलिस और टीचरों की मौजूदगी में युवकों ने छत से पर्चियां फेंकी। इसके बाद छात्राएं पर्चियों को उठाकर परीक्षा केंद्र के अंदर लेकर चली गईं।

तेलंगाना टनल हादसा, मजदूरों के जिंदा बचने की संभावना कम, रेलवे की टीमें भी रेस्क्यू में जुटी

नागरकुर्नूल। तेलंगाना के नागरकुर्नूल में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (SLBC) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया था। घटना को 6 दिन बीत चुके हैं। लेकिन टनल में फंसे 8 मजूदरों को अबतक नहीं निकाला जा सका है। रेस्क्यू जारी है। शुक्रवार को साउथ सेंट्रल रेलवे (SCR) की 2 टीमें भी रेस्क्यू के लिए पहुंचीं। टीम भारी धातुओं को प्लाज्मा कटर और ब्रॉक कटिंग मशीन जैसे आधुनिक उपकरणों से काटने रास्ते से हटा रही है। नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (NGRI) के वैज्ञानिक भी मौके पर पहुंचे हैं। ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) की मदद से मलबे में दबे मजदूरों ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। TOI की रिपोर्ट vके मुताबिक, किसी भी मजदूर के जीवित मिलने की संभावना बहुत कम लग रही है। नागरकुरनूल के एसपी वैभव गायकवाड़ ने बताया कि मलबा हटाने और लोहे की छड़ों की कटिंग का काम लगातार जारी है। गुरुवार सुबह से मलबा साफ करने और टनल के पानी को बाहर निकालने का काम चल रहा है। शुक्रवार सुबह 7 बजे एक टीम टनल में गई। रेस्क्यू ऑपरेशन में आर्मी, NDRF, SDRF के अलावा राज्य सरकार की अन्य एजेंसियों के 600 के करीब कर्मी जुटे हैं। उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल में फंसे लोगों को निकालने वाली टीम को भी इसमें शामिल है।

विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट पर CAG रिपोर्ट पेश

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली CM रेखा गुप्ता ने विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ी CAG रिपोर्ट रखी। 7 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी है। नर्स और डॉक्टर्स की संख्या पर्याप्त नहीं है। महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोग्राम में फंडिंग की कमी है। एंबुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं। ICUs की कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की कम से कम 21 मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं है। अस्पतालों में स्टाफ की कमी है। बड़े ऑपरेशन के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा कोविड-19 के दौरान केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को जो रकम दी थी, उसका इस्तेमाल ही नहीं किया गया। इस रिपोर्ट पर सोमवार को सदन में चर्चा होगी। इस बीच विधानसभा से सस्पेंड AAP विधायकों ने राष्ट्रपति से मिलने के लिए समय मांगा है। AAP सरकार कोविड के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से दिए गए 787.91 करोड़ रुपए में से सिर्फ 582.84 करोड़ रुपए का इस्तेमाल कर पाई। PPE किट, मास्क और दवाओं के लिए जारी 119.85 करोड़ रुपए में से 83.14 करोड़ रुपए का इस्तेमाल नहीं हुआ। मोहल्ला क्लीनिकों में जरूरत की बुनियादी चीजें नहीं थीं। 21 क्लीनिकों में टॉयलेट, 15 क्लीनिकों में बिजली और 6 क्लीनिकों में टेबल तक नहीं थे। जनवरी, 2025 तक दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 546 मोहल्ला क्लीनिक थे। आयुष डिस्पेंसरी का भी यही हाल था। 49 डिस्पेंसरी में से 17 में बिजली, 7 में टॉयलेट और 14 में पीने के पानी की सुविधा नहीं थी। अस्पतालों में बिस्तरों की कमी के बावजूद सिर्फ 1357 बेड बढ़ाए गए। जबकि सरकार ने 2016-17 से 2020-2021 तक के बजट में कुल 32 हजार बेड बढ़ाने का वादा किया था। AAP सरकार के दौरान सिर्फ तीन नए अस्पताल बने। इसमें तीसरे अस्पताल की लागत टेंडर की लागत से बहुत ज्यादा थी। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में 6 मॉड्यूलर/सेमी-मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (OT), स्टोन सेंटर, ट्रांसप्लांट ICU और वार्ड, किचन, 77 प्राइवेट कमरे, 16 ICU बेड, 154 सामान्य बेड और रेजिडेंट डॉक्टर्स हॉस्टल चालू हालत में नहीं थे। जनकपुरी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में 7 मॉड्यूलर OT, किचन, ब्लड बैंक, इमरजेंसी, मेडिकल गैस पाइपलाइन, 10 CCU बेड और 200 जनरल बेड चालू नहीं थे। बेड ऑक्यूपेंसी 20 से 40% थी। लोक नायक अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे इमरजेंसी सर्विस के लिए स्पेशलाइज डॉक्टरों की कोई परमानेंट व्यवस्था नहीं थी। 27 अस्पतालों में से 14 में ICU, 16 में ब्लड बैंक, 8 में ऑक्सीजन, 15 में मॉर्च्युरी और 12 अस्पतालों में एम्बुलेंस नहीं थी।

◆ मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं, स्टाफ की कमी, बड़े ऑपरेशन के लिए लंबा इंतजार

शराब नीति पर रिपोर्ट में 2002 करोड़ का नुकसान CM रेखा गुप्ता ने 25 फरवरी को सदन में दिल्ली शराब नीति पर CAG रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट में AAP की गलत शराब नीति की वजह से 2002 करोड़ रुपए नुकसान की बात सामने आई थी। 25 फरवरी को LG के अभिभाषण के दौरान AAP विधायकों ने नारेबाजी की। इसके बाद स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने AAP के 21 विधायकों को निलंबित कर दिया था। गुरुवार को AAP विधायकों ने विधानसभा में 6 घंटे से ज्यादा विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। इधर, दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा- शीशमहल की जांच होगी। पिछली सरकार की तरफ से फॉलोअप नहीं होने की वजह से कई प्रोजेक्ट्स की लागत दोगुनी हो गई है। हम 2000 करोड़ रुपए के शराब नीति घोटाले पर सदन में चर्चा करेंगे।

तालिबान बनाने वाले मौलाना हक्कानी के बेटे की हत्या

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले शुक्रवार को जामिया हक्कानिया मदरसा में बम विस्फोट हुआ। यह हमला तालिबान के गॉडफादर के बेटे हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गई है। इसके अलावा 4 और लोग भी मारे गए हैं। हादसा खैबर पख्तूनख्वा राज्य के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि बम हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमीदुल हक्कानी को निशाना बनाकर हुआ हमला घटना के बाद पेशावर के सभी प्रमुख हॉस्पिटल में इमरजेंसी लगा दी गई है। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में यह एक सुसाइड बम विस्फोट लग रहा है। इसमें मस्जिद का एक हिस्सा भी टूट गया है। खैबर पख्तून ख्वा के आईजी के मुताबिक यह हमला मौलाना हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। मौलाना हमीदुल हक्कानी, तालिबान के गॉडफादर मौलाना समीउल हक हक्कानी का बड़ा बेटा है। सीनियर हक्कानी अफगान तालिबान का कट्टर समर्थक था। उसने साल 1947 में पाकिस्तान में सबसे प्रभावशाली इस्लामी मदरसों में से एक दारुल उलूम हक्कानिया की स्थापना की थी। समीउल हक ने ही तालिबान की स्थापना की थी और मुल्ला उमर समेत कई तालिबानी नेताओं को तैयार किया था। मौलाना समीउल हक्कानी की हत्या 2018 में अज्ञात हमलावरों ने कर दी थी।

◆ पाकिस्तान में रमजान से पहले मदरसे में धमाका, 4 और लोग भी मारे गए

पिछले साल अफगानिस्तान गया था हक्कानी हक्कानी ने पिछले साल ही अफगानिस्तान का दौरा किया था और तालिबान नेताओं से मुलाकात की थी। हक्कानी ने कहा था कि उसकी यात्रा का मकसद पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर करना है। जामिया हक्कानिया मदरसा पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगता आया है। इसी मदरसे के छात्रों पर पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की हत्या में शामिल होने का आरोप है। हालांकि मदरसे ने साफ तौर पर हमलावरों के साथ किसी भी तरह के संबंधों से इनकार किया है।

तुर्किये में थम सकती है 40 साल पुरानी जंग

एजेंसी, अंकारा

तुर्किये में कुर्दों के अलगाववादी आतंकी संगठन कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (PKK) ने 40 साल बाद अपने हथियार डाल दिए हैं। जेल में बंद पार्टी नेता अब्दुल्लाह ओकलान ने संगठन के सदस्यों से कहा है कि वे तुर्किये के खिलाफ अपनी जंग को खत्म कर दें और संगठन को भंग कर दें। 1978 में बने इस संगठन की मांग थी कि उन्हें तुर्किये से अलग करके कुर्दिस्तान बनाया जाए, या फिर तुर्किये के अंदर कुर्दों को पहले से ज्यादा अधिकार दिए जाएं। इस मांग के साथ संगठन ने 1984 में तुर्किये सरकार के खिलाफ जंग छेड़ी थी। इस जंग में अब तक 40 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इसके चलते तुर्किये, अमेरिका और यूरोपीय संघ इस संगठन को आतंकी घोषित कर चुके हैं। संगठन के नेता अब्दुल्लाह ओकलान को 1999 में तुर्की की स्पेशल फोर्स ने केन्या में पकड़ा था। तब से उसे इस्तांबुल की एक जेल में कैद रखा गया है, जहां वह उम्रकैद की सजा काट रहा है।

◆ कुर्दों के सबसे बड़े संगठन ने हथियार डाले, अलग कुर्दिस्तान की मांग लेकर जंग छेड़ी थी

ओकलान ने कहा- अब इस संगठन की जरूरत नहीं रही: अब्दुल्लाह ओकलान ने संगठन से दो जरूरी काम करने को कहा जिससे तुर्किये के साथ बीते कई साल से चला आ रहा संघर्ष तुरंत खत्म हो सकता है।

मुस्लिम पक्ष को हाईकोर्ट से झटका, संभल जामा मस्जिद में नहीं होगी रंगाई पुताई

एजेंसी, प्रयागराज

संभल जामा मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मस्जिद की रंगाई-पुताई करवाने की अनुमति नहीं दी। आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया (ASI) ने शुक्रवार सुबह अपनी रिपोर्ट सौंपी। ASI ने रिपोर्ट में कहा- मस्जिद की पेंटिंग अभी ठीक है। इसके बाद हाईकोर्ट ने ASI की निगरानी में तत्काल साफ-सफाई कराने का आदेश दिया । मस्जिद कमेटी को इस रिपोर्ट पर आपत्ति दाखिल करने का 4 मार्च तक का समय दिया। हाईकोर्ट 4 मार्च को इस मामले पर फिर सुनवाई करेगा। दरअसल, 25 फरवरी को जामा मस्जिद कमेटी के वकील जाहिर असगर ने मस्जिद की रंगाई-पुताई के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कहा था- हम लोग हर साल रमजान से पहले मस्जिद की रंगाई-पुताई करते हैं, लेकिन इस बार प्रशासन अनुमति नहीं दे रहा है। इस पर गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। गुरुवार को हाईकोर्ट ने मस्जिद पक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए 3 सदस्यीय कमेटी गठित की थी। इसमें मस्जिद के मुतवल्ली और ASI को भी शामिल किया था।

कोर्ट ने कमेटी को निर्देश दिया था कि 24 घंटे के अंदर यानी शुक्रवार तक कमेटी मस्जिद का निरीक्षण करके अपनी रिपोर्ट दें। ASI ने शुक्रवार सुबह ही रिपोर्ट सौंप दी। शुक्रवार को 10 बजे जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई।

टीम ने डेढ़ घंटे तक किया सर्वे: इससे पहले गुरुवार को कोर्ट के आदेश पर ASI की तीन सदस्यीय टीम शाही जामा मस्जिद पहुंची। टीम ने यहां डेढ़ घंटे रहकर अपनी रिपोर्ट तैयार की। टीम में ASI के जॉइंट डायरेक्टर मदन सिंह चौहान, डायरेक्टर जुल्फिकार अली और विनोद सिंह रावत शामिल थे। मुस्लिम पक्ष के वकील एडवोकेट जफर अली भी साथ थे। सुरक्षा के लिए एएसपी (उत्तरी) श्रीशचंद्र, एसडीएम संभल वंदना मिश्रा और सीओ संभल अनुज चौधरी मौजूद रहे। जामा मस्जिद क्षेत्र में चारों ओर बैरियर लगाए गए हैं। स्थानीय पुलिस फोर्स के अलावा RRF-PAC तैनात की गई है।

कोर्ट ने कहा-ASI की निगरानी में हो साफ-सफाई

हिंदू पक्ष रंगाई-पुताई का विरोध कर रहा: मुस्लिम पक्ष ने रंगाई-पुताई को लेकर डीएम और ASI को लेटर भी लिखा था। हालांकि, डीएम ने अनुमति देने से इनकार कर दिया था। कहा था- यह मस्जिद ASI के अधीन है। ऐसे में हर तरह के निर्णय ASI ही लेगी। हिंदू पक्ष रंगाई-पुताई का विरोध कर रहा है। उनका कहना है कि रंगाई-पुताई से मंदिर के साक्ष्य मिटाए जा सकते हैं। इसलिए परमिशन न दी जाए।

शिवकुमार बोले- हिंदू हूं, इसलिए शिवरात्रि कार्यक्रम में गया, शाह भी थे

एजेंसी, चेन्नई

कर्नाटक में कांग्रेस नेताओं के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही हैं। डिप्टी CM डीके शिवकुमार 26 फरवरी को ईशा फाउंडेशन की तरफ से कोयंबटूर में आयोजित महाशिवरात्रि कार्यक्रम में गए थे। इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के सचिव पीवी मोहन ने शिवकुमार की कोयंबटूर यात्रा पर निशाना साधा। पीवी मोहन ने सोशल मीडिया पर लिखा- शिवकुमार एक ऐसे व्यक्ति के निमंत्रण पर गए, जो राहुल गांधी का मजाक उड़ाता है। पीवी मोहन के आरोपों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा- मैं एक हिंदू हूं। मैं एक हिंदू के रूप में पैदा हुआ हूं और मैं एक हिंदू के रूप में मर जाऊंगा, लेकिन मैं सभी धर्मों से प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। शिवकुमार बोले- सद्गुरु जग्गी वासुदेव एक महान इंसान हैं शिवकुमार ने सद्गुरु के कार्यक्रम में जाने को लेकर कहा कि ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु जग्गी वासुदेव आए और मुझे (कोयंबटूर में शिवरात्रि समारोह के लिए) आमंत्रित किया। वे मैसूर से हैं। वे महान व्यक्ति हैं और मैं उनके ज्ञान और कद की प्रशंसा करता हूं, लेकिन कई लोग उनकी आलोचना करते हैं।

◆ कांग्रेस सचिव बोले- डिप्टी CM राहुल का मजाक उड़ाने वालों के साथ

राम रहीम की पैरोल के खिलाफ याचिका खारिज

एजेंसी, अमृतसर

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल और फरलो पर रिहा किए जाने के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर जनहित याचिका दायर नहीं की जा सकती। अगर किसी नियम का उल्लंघन किया गया है या हाईकोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया गया है तो उसे हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। यह याचिका शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने दायर की थी। याचिका में राम रहीम को 2022 से अब तक बार-बार जेल से बाहर आने की अनुमति दिए जाने का विरोध किया गया था।

SGPC ने की थी दायर, SC ने कहा—व्यक्ति विशेष को निशाना नहीं बनाया जा सकता

राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण यह याचिका दायर की गई- मुकुल रोहतगी: एसजीपीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार राम रहीम को पैरोल और फरलो देकर जेल से बाहर रहने का मौका दे रही है, जो कानून का उल्लंघन है। राम रहीम की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण यह याचिका दायर की गई है। उन्होंने एसजीपीसी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब याचिकाकर्ता खुद को धार्मिक संगठन कहता है तो वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की बात कैसे कर सकता है? इस पर एसजीपीसी के वकील ने कहा कि जब राम रहीम खुद को धार्मिक व्यक्ति मानते हैं तो उन पर राजनीतिक द्वेष का आरोप क्यों लगाया जा रहा है?

स्टालिन बोले- हमारे सामने भाषा-डिलिमिटेशन की लड़ाई

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु के CM एमके स्टालिन ने अपने जन्मदिन पर जनगणना आधारित सीट बंटवारे (Delimitation) और ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने राज्य की जनता से इस मुद्दे पर एकजुट होकर विरोध करने की अपील की। स्टालिन ने X पर वीडियो शेयर करते हुए कहा- तमिलनाडु आज दो महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। पहला भाषा की लड़ाई, जो हमारी पहचान है और दूसरा हमारे निर्वाचन क्षेत्रों का डिलिमिटेशन, जो हमारा अधिकार है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप हमारी लड़ाई को लोगों तक पहुंचाएं। तमिलनाडु CM ने कहा- निर्वाचन क्षेत्रों का डिलिमिटेशन हमारे राज्य के आत्म-सम्मान, सामाजिक न्याय और लोगों के कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित करता है। प्रत्येक लोगों को अपने राज्य की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए। स्टालिन ने 5 मार्च को 40 राजनीतिक पार्टियो को बैठक के लिए बुलाया है। इसमें डिलिमिटेशन, NEET परीक्षा, ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी और केंद्र से मिलने वाले फंड पर भी चर्चा होगी। स्टालिन बोले- AI के दौर में भाषा का बोझ डालना गलत स्टालिन ने X पर लिखा- AI और एडवांस टेक्नोलॉजी के दौर में छात्रों पर अन्य भाषा का बोझ डालना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा- प्रगति इनोवेशन में है, भाषा थोपने में नहीं। भाजपा नेता कहते हैं कि उत्तर भारत में रोजमर्रा की जिंदगी में हिंदी जानना बहुत जरूरी है, लेकिन इसे AI से आसान बनाया जा सकता है। स्टालिन ने कहा- एडवांस ट्रांसलेशन टेक्नोलॉजी ने लैंग्वेज बैरियर खत्म कर दिया है। छात्रों पर अतिरिक्त भाषा सीखने का बोझ नहीं डालना चाहिए। उन्हें अपनी मातृभाषा, अंग्रेजी, साइंस और टेक्नोलॉजी पर फोकस करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोई भी भाषा बाद में सीख सकते हैं।

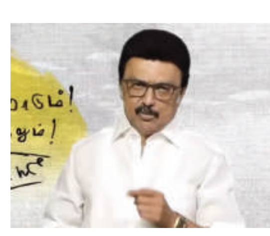

कहा- राज्य को बचाने के लिए हर आदमी को खड़ा होना पड़ेगा, एक रहना होगा

ट्राई लैंग्वेज वॉर के बीच तमिलनाडु के गवर्नर आरएन रवि ने कहा कि हिंदी का विरोध के बीच स्टूडेंट्स को साउथ की भाषा भी देखने को नहीं मिल रही है। यह सही नहीं है। युवाओं को लैंग्वेज चुनने की आजादी मिलनी चाहिए। गवर्नर ने कहा कि मैंने साउथ तमिलनाडु के कई हिस्सों के नेताओं, स्टूडेंट, बिजनेस और हेल्थ जगत के लोगों से बातचीत की है। उन्होंने NEP को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

DMK ने केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री के खिलाफ काले झंडे दिखाए: इस बीच फेडरेशन ऑफ स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन - तमिलनाडु (FSO -TN) और DMK ने केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार के तमिलनाडु में आने पर विरोध प्रदर्शन किया। केंद्रीय मंत्री IIT मद्रास में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चेन्नई में हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के खिलाफ काले झंडे दिखाए।

परिसीमन क्या है?: परिसीमन का अर्थ है लोकसभा अथवा विधानसभा सीट की सीमा तय करने की प्रक्रिया। परिसीमन के लिए आयोग बनता है। पहले भी 1952, 1963, 1973 और 2002 में आयोग गठित हो चुके हैं। लोकसभा सीटों को लेकर परिसीमन प्रक्रिया की शुरुआत 2026 से होगी। ऐसे में 2029 के लोकसभा चुनाव में लगभग 78 सीटों के इजाफे की संभावना है। दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया है। इसलिए सरकार समानुपातिक परिसीमन की तरफ बढ़ेगी, जिसमें जनसंख्या संतुलन बनाए रखने का फ्रेमवर्क तैयार हो रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 27 फरवरी को कहा कि भाजपा दक्षिणी राज्यों को चुप कराने के लिए परिसीमन को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शनिवार, 01 मार्च, 2025

रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

एजेंसी, दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है। रोहित अगर आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में कामयाब होते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम पहले ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। रोहित ने अब तक एकदिवसीय में 339 छक्के लगाए हैं। अगर वह आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में सफल होते हैं तो वह वनडे में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। वहीं 13 छक्के लगाने से वह शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़कर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 632 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास का अवसर देगा बीसीसीआई !

एजेंसी, मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को इस दौर पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की तैयारी का अवसर भारतीय बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल के दौरान देगा। अभी भारतीय टीम दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेल रही है। इसके बाद वह आईपीएल खेलेगी। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने सफेद गेंद वाली क्रिकेट खेली है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट, लाल गेंद के प्रारूप से जुड़े रहने के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। ऐसी संभावना है कि खिलाड़ियों को लाल गेंद के अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड का दौरा अहम है। वहीं जो टीमें आईपीएल में आगे नहीं जाएंगी उनमें शामिल टेस्ट खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए कहा जाएगा। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा। इसके करीब 25 दिन बाद से भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

दिल्ली कैपिटल्स ने पीटरसन को बनाया मेंटर

एजेंसी, नई दिल्ली। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को मेंटन बनाया है। यह पहली बार होगा जब पीटरसन किसी क्रिकेट टीम के साथ सहायक स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। पीटरसन अब डीसी कोचिंग स्टाफ में मुख्य कोच हेमांग बदानी, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल और सहायक कोच मैथ्यू मोट के साथ काम करेंगे। वह पहली बार किसी टीम से जुड़ हैं। इससे पहले व कमेंट्री करते रहे हैं। पीटरसन ने आईपीएल 2012 और 2014 में डीसी की ओर से खेला था। इसमें उन्होंने 305 और 294 रन बनाए थे।

रोहित शर्मा अब परिपक्व कप्तान बन गए हैं : धवन

एजेंसी, दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। धवन ने कहा कि रोहित अब एक परिपक्व कप्तान बन गए हैं। रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा है कि रोहित को पता है कि दबाव का कैसे सामना करना है। उन्हें पता है कि किसी प्रकार से दबाव बीच आक्रामक और रक्षात्मक रुख के बीच संतुलन बनाना है।

रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा कि वह पिछले एक दशक से अधिक समय में हर प्रकार के दौर से गुजरा है। वह जानता है कि दबाव की स्थिति में कैसे काम करना है है। एक नेता के रूप में वह परिपक्व हो गया है। वह जानता है कि कब उदार होना है और कब पीछे हटना है। यह एक अच्छा संतुलन है और लड़कों के साथ रोहित का रिश्ता काफी अच्छा है।

धवन ने उस समय को याद किया जब उन्होंने 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार रोहित के साथ पारी की शुरुआत की थी और खुलासा किया कि रोहित को सलामी बल्लेबाज के रूप में बढ़ावा देने का विचार उस समय कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी का था। सलामी जोड़ी का फैसला उस मैच से आधे दिन पहले किया गया था। उस समय मैं भी नया था। मैं वापसी कर चुका था और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी। लेकिन धोनी ने यह फैसला लिया और रोहित को पारी शुरु करने को कहा। इसलिए मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मैंने सोचा कि अगर रोहित पारी शुरु करते हैं, तो हम साथ में बल्लेबाजी करने का आनंद लेंगे। धवन ने कहा कि पहले मैच में हमें इतनी अच्छी शुरुआत मिली। हम बिना विकेट खोए 100 रन पर थे। 10वें ओवर तक हमने 30-35 रन नहीं बनाए क्योंकि विकेट सीम कर रहा था। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि हमारी जोड़ी इतनी बड़ी होगी और हम 10 साल तक साथ खेलेंगे।

पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने फीफा संशोधनों को दी मंजूरी, निलंबन हटने की उम्मीद

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) ने गुरुवार को फीफा द्वारा प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। फीफा ने 6 फरवरी को पीएफएफ द्वारा चुनावी सुधारों को खारिज करने के बाद पाकिस्तान पर आठ साल में तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय निलंबन लगाया था। लाहौर में आयोजित असाधारण कांग्रेस में पीएफएफ ने 23-0 के मतों से संशोधनों को मंजूरी दी। इस बैठक में फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अधिकारी भी उपस्थित थे।

पीएफएफ ने एक बयान में कहा, "कांग्रेस सदस्यों ने पाकिस्तान फुटबॉल के सर्वोत्तम हित में फीफा द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया, जिससे फीफा का निलंबन हटने की उम्मीद के बाद एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हो गया।" पाकिस्तान को उम्मीद है कि 2027 एशियाई कप क्वालीफायर में 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले निलंबन हटा लिया जाएगा। एएफसी ने पीएफएफ से कहा है कि प्रतिबंध मंगलवार तक समाप्त हो जाना चाहिए, ताकि टीम क्वालीफायर में हिस्सा ले सके।

डब्ल्यूटीटी ने किए नियमों में बदलाव, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मिलेगा "गोल्ड कार्ड"

इस कार्ड के जरिए वे सीधे डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस में प्रवेश पा सकेंगे

एजेंसी, बीजिंग

वर्ल्ड टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) ने शुक्रवार को अपनी हैंडबुक में बड़े बदलाव किए, जिसके तहत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को विशेष "ओलंपिक चैंपियंस गोल्ड कार्ड" प्रदान किया जाएगा। इस कार्ड के जरिए वे सीधे डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस में प्रवेश पा सकेंगे।

नए नियमों के तहत प्रति लिंग अधिकतम पांच ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें टीम स्पर्धा के तीन, एकल के लिए एक और मिश्रित युगल के लिए एक खिलाड़ी शामिल होगा। 64-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश में तीन गोल्ड कार्ड दिए जाएंगे, जिससे शीर्ष 50 खिलाड़ियों के लिए स्वचालित प्रविष्टि अब शीर्ष 47 से 50 के बीच होगी। 32-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी चैंपियंस के लिए शीर्ष 27 से 30 खिलाड़ियों को अब विश्व रैंकिंग के आधार पर सीधा प्रवेश मिलेगा। ग्रैंड स्मैश एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग के लिए प्रवेश की समय सीमा आयोजन से पांच से छह सप्ताह पहले होगी। अगर कोई ओलंपिक चैंपियन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शामिल नहीं है, तो उन्हें उनकी अंतिम सक्रिय रैंकिंग के आधार पर वरीयता दी जाएगी। इसके अलावा, डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश, डब्ल्यूटीटी फाइनल, डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर और डब्ल्यूटीटी कंटेंडर प्रतियोगिताओं की न्यूनतम पुरस्कार राशि भी बढ़ाई जाएगी। ये सभी बदलाव 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे, और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस इंचियोन (1-6 अप्रैल) इस नए नियम को लागू करने वाला पहला टूर्नामेंट होगा।

जोशुआ चेप्टेगी टोक्यो मैराथन में लेंगे हिस्सा, मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी, कंपाला

युगांडा के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी 2 मार्च को टोक्यो मैराथन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। 5,000 मीटर और 10,000 मीटर में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके चेप्टेगी इस मैराथन में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे।

चेप्टेगी ने सिन्हुआ से बातचीत में कहा, "मैंने पिछले साल वेलेंसिया मैराथन में पदार्पण किया था और 37वें स्थान पर रहा था। अब मैं बेहतर स्थिति में हूं और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करता हूं।" उन्होंने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से गहन प्रशिक्षण में जुटे हुए हैं। चेप्टेगी के साथ युगांडा के स्टीफन किस्सा भी टोक्यो मैराथन में उतरेंगे। किस्सा ने 2022 हैम्बर्ग मैराथन में 2:04:48 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने कहा, "मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हूं और इस प्रतियोगिता को लेकर उत्साहित हूं।" हालांकि, युगांडा की इस जोड़ी को कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। गत चैंपियन केन्या के बेन्सन किप्रुटो और इथियोपिया के डेरेसा गेलेटा भी खिताब के दावेदारों में शामिल हैं। गौरतलब है कि टोक्यो मैराथन 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयन परीक्षण के रूप में भी कार्य करेगा, जिससे इस प्रतिस्पर्धा का महत्व और बढ़ गया है।

दानी सेबलोस चोटिल, दो महीने तक मैदान से रह सकते हैं बाहर

एजेंसी, मैड्रिड

रियल मैड्रिड के मिडफील्डर दानी सेबलोस को कोपा डेल रे में रियल सोसिदाद के खिलाफ 1-0 की जीत के दौरान मांसपेशियों में चोट लगी है। क्लब ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। मैच के दूसरे हाफ में सेबलोस की टक्कर घरेलू खिलाड़ी टेक कुबो से हुई, जिसके बाद वह दर्द से कराहते हुए मैदान से बाहर चले गए। रियल मैड्रिड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, "मेडिकल परीक्षणों में सेमीमेम्ब्रानोसस मांसपेशी में चोट पाई गई है, जो उनके बाएं हैमस्ट्रिंग के टेंडन को प्रभावित कर रही है। उनकी रिकवरी की अवधि का आकलन किया जाएगा।" हालांकि क्लब ने ठीक होने की निश्चित समय-सीमा नहीं दी, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेबलोस को कम से कम दो महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है। इस चोट के कारण वह चैंपियंस लीग के अंतिम-16 मुकाबले, संभावित क्वार्टर फाइनल, कई ला लीगा मैचों और कोपा डेल रे सेमीफाइनल के रिटर्न लेग से चूक सकते हैं। सेबलोस ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, "जिस समय मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में था, उसी समय यह झटका लगना दुखद है। फुटबॉल आसान या निष्पक्ष नहीं है, लेकिन मुझे मजबूती से इसका सामना करना होगा। मैं इससे भी कठिन दौर से वापसी कर चुका हूं।" 28 वर्षीय सेबलोस, जो पूर्व में रियल बेटिस और आर्सेनल के लिए खेल चुके हैं, हाल के हफ्तों में कार्लो एंसेलोटी की टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। 2017 में क्लब में शामिल होने के बाद से वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे, ऐसे में यह चोट रियल मैड्रिड के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है।

रिजवान बोले, फखर और अयूब के नहीं होने से हारे

एजेंसी, रावलपिंडी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूर्नामेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरुआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया। रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं। हम मानते हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया पर वादा करते हैं कि हम और कड़ी मेहनत कर विश्वस्तर पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा अयूब और फखर के नहीं होने से टीम का संतुलन खराब हो गया। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे जिससे टीम संतुलित थी पर इनके बाहर होने से हालात विपरीत हो गये।

बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड के सदस्य बनेंगे : बेयर्ड

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी आईसीसी मैच रेफरी हैं पर वह अपना पद चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद छोड़ देंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार बून मार्च के अंत में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी तस्मानिया बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्हें सीए के निवर्तमान अध्यक्ष पॉल ग्रीन की जगह शामिल किया जाएगा। इसी को लेकर सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड कहा, ''बून एक खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशासक के रूप में अपने लंबे अनुभव को लेकर सीए बोर्ड में आएंगे जिससे उसे आगे ले जाने में सहायता मिलेग।" उन्होंने कहा, ''बून ने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में अपनी भूमिका से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बारे में काफी जानकारी हासिल की है और ये ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी। " गौरतलब है कि बून साल 2011 से ह ही आईसीसी मैच रेफरी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 107 टेस्ट और 181 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने कुल 13,386 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। वह 1987 में विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य थे। बून चयनसमिति में भी शामिल रहे हैं।

डोपिंग प्रतिबंध के चलते जानिक सिनर का लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर नामांकन रद्द

एजेंसी, पेरिस

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है। यह फैसला विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है। अकादमी ने नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में स्पष्ट किया कि निलंबन के कारण सिनर अब इस पुरस्कार के लिए योग्य नहीं हैं।

वाडा ने इस महीने की शुरुआत में खुलासा किया था कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सिनर का डोप टेस्ट पॉजिटिव आया था। इसके बाद, उन्होंने एक केस रिज़ॉल्यूशन समझौते में प्रवेश किया और तीन महीने के प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन नहीं किया और इससे उनके प्रदर्शन में कोई सुधार नहीं हुआ। बावजूद इसके, एथलीट अपने सहायक कर्मियों के कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 के लिए नामांकित व्यक्तियों की पूरी सूची 3 मार्च को घोषित की जाएगी।

सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं मिट्टी के बर्तन

प्राचीन काल से ही मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल होता आ रहा है। हालांकि वर्तमान समय में मिट्टी के बर्तनों की जगह प्लास्टिक या अन्य धातु से बने बर्तनों ने ले ली है। लेकिन आज भी सजावट के लिए ज्यादातर लोग मिट्टी से बनी चीजों का प्रयोग करते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी के बर्तन व्यक्ति की बंद किस्मत को जगा सकते हैं। विद्वानों के अनुसार, घर पर मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल शुभ माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जानिए वास्तु में किन तीन मिट्टी की चीजों को घर पर रखना शुभ माना जाता है।

मिट्टी का घड़ा

वास्तु के अनुसार, मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि घर आती है। मिट्टी का घड़ा सदैव उत्तर दिशा की ओर रखना चाबिए। इसके साथ ही घड़े को कभी खाली नहीं छोड़ना चाहिए। मान्यता है कि घर पर मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि का वास होता है। आपको बता दें कि आज भी आयुर्वेदाचार्य मिट्टी के घड़े का पानी सेहतमंद बताते हैं।

मिट्टी का प्रतिमाएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूजा स्थल पर मिट्टी से बनीं देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखना शुभ हता है। इसलिए घर के मंदिर में हमेशा मिट्टी से बनी देवी-देवताओं की मूर्तिं रखनी चाहिए। इन प्रतिमाओं को हमेशा घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) या दक्षिण-पशचिम दिशा में ही रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मिट्टी का दीपक

वर्तमान समय में पूजा स्थल पर मिट्टी के दीपक का बहुत कम लोग इस्तेमाल करते हैं। मिट्टी के दीपक की जगह धातु से बने दीपक का इस्तेमाल होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी से बने दीपक को घर पर जलाना शुभ होता है। कहते हैं कि ऐसा करने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

क्या घर के पास मंदिर का होना शुभ है? क्या कहता है वास्तु

भारतीय संस्कृति में मंदिरों का विशेष महत्व है। मंदिर आपके मन को शांति प्रदान करने का एक अच्छा माध्यम माना जाता है। लोग अक्सर अपने घरों और आस-पास के स्थानों में मंदिर बनवाते हैं जिससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे और आध्यात्मिक शांति प्राप्त हो। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का होना शुभ माना जाता है या अशुभ, यह कई बातों पर निर्भर करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का निर्माण और उसका स्थान बहुत ज्यादा मायने रखता है। मंदिर से निकलने वाली ऊर्जा का प्रभाव घर के वातावरण पर पड़ता है, जो सकारात्मक या नकारात्मक दोनों हो सकता है। यदि यह मंदिर उचित दिशा और नियमों के अनुसार स्थित है, तो यह घर में सुख-समृद्धि और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। वहीं, यदि मंदिर घर के बहुत नजदीक या गलत दिशा में स्थित है तो यह घर के लिए वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है, जिससे आपके पारिवारिक जीवन में बाधाएं और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

घर के पास मंदिर होने के फायदे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर होने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, जिससे परिवार में शांति और समृद्धि आती है। मंदिर से होने वाले नियमित मंत्रोच्चार, आरती और भजन आपके घर के वातावरण को पवित्र बनाते हैं और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं। इससे घर के सदस्यों में मानसिक शांति बनी रहती है और तनाव कम होता है। घर के पास मंदिर होने से आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है और पूजा-पाठ में रुचि बढ़ती है। यही नहीं, धार्मिक आयोजनों में भाग लेने का अवसर भी मिलता है, जिससे सामाजिक और धार्मिक जुड़ाव मजबूत होता है। आइए जानें इसके अन्य लाभों के बारे में-

सकारात्मक ऊर्जा का संचार

मंदिरों में नियमित रूप से पूजा-पाठ, मंत्रोच्चार और आरती होती है, जिससे वहां के आस-पास का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। यदि आपके घर के पास मंदिर है, तो वहां की पवित्रता और आध्यात्मिक शक्ति घर के सदस्यों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। मंदिर की ऊर्जा घर में रहने वाले लोगों को भी प्रभावित करती है और उनकी मानसिक स्थिति अच्छी बनी रहती है।

मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति

यदि आपका घर मंदिर के पास है तो ऐसे स्थान पर रहने से व्यक्ति की धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ती है और ध्यान व प्रार्थना के लिए एक पवित्र वातावरण प्राप्त प्राप्त होता है। इससे आपके जीवन में मानसिक शांति बनी रहती है और आध्यात्मिक उन्नति भी होती है।

नकारात्मक शक्तियों से रक्षा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिरों में नियमित रूप से घंटों की ध्वनि गूंजती है और हवन व यज्ञ होते हैं, जो नकारात्मक शक्तियों और बुरी ऊर्जा को दूर करने में सहायक होते हैं। इस कारण घर के आस-पास मंदिर होना शुभ माना जाता है। जब आपका घर मंदिर के निकट होता है तो इन भजन-कीर्तन और हवन का सुवधा प्रभाव आपके जीवन पर पड़ता है और तन और मन शुद्ध बना रहता है।

सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव

मंदिर सिर्फ पूजा-अर्चना का स्थान नहीं होता है बल्कि यह धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का भी केंद्र होता है। मंदिर के पास घर होने से व्यक्ति सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहता है और अपने समुदाय से गहरा जुड़ाव महसूस करता है। धार्मिक उत्सवों, सत्संग और अन्य आयोजनों में भाग लेकर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि मिलती है। यह न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक सहयोग और मेल-जोल को भी बढ़ावा देता है। मंदिर का सकारात्मक वातावरण पारिवारिक जीवन में सौहार्द बनाए रखने में सहायक होता है, जिससे सामाजिक संतुलन बना रहता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, मंदिरों के आसपास का क्षेत्र पवित्र होता है और वहां रहने से व्यक्ति का मन धार्मिकता की ओर ज्यादा आकर्षित होता है। पुराणों में भी इस बात का उल्लेख है कि, मंदिर के समीप रहने से व्यक्ति को पुण्य लाभ प्राप्त होता है, लेकिन मंदिर से अत्यधिक निकटता कुछ परिस्थितियों में अशुभ भी हो सकती है। कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में अशुभ ग्रह प्रभावी हों और वह मंदिर के पास रहता हो, तो उसे विशेष पूजा-पाठ करने की सलाह दी जाती है। घर के पास मंदिर की मौजूदगी आपके लिए कई तरह से सकारात्मक हो सकती है, लेकिन यदि आपके घर में इसके कोई भी नकारात्मक प्रभाव हो रहे हैं तो आपके लिए वास्तु नियमों का पालन करना जरूरी है।

मंदिर आपके मन को शांति प्रदान करने का एक अच्छा माध्यम माना जाता है। लोग अक्सर अपने घरों और आस-पास के स्थानों में मंदिर बनवाते हैं जिससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे और आध्यात्मिक शांति प्राप्त हो। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का होना शुभ माना जाता है या अशुभ, यह कई बातों पर निर्भर करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का निर्माण और उसका स्थान बहुत ज्यादा मायने रखता है। मंदिर से निकलने वाली ऊर्जा का प्रभाव घर के वातावरण पर पड़ता है, जो सकारात्मक या नकारात्मक दोनों हो सकता है। यदि यह मंदिर उचित दिशा और नियमों के अनुसार स्थित है, तो यह घर में सुख-समृद्धि और मानसिक शांति लाने में मदद करता है।

क्या घर के पास मंदिर का होना वास्तु अनुसार ठीक है?

- जहां एक तरफ घर के पास मंदिर होने से कुछ लाभ हैं, वहीं कुछ वास्तु कारणों से मंदिर और घर आस-पास होने के नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। आइए जानें इसके बारे में-
- यदि घर के पास बड़ा मंदिर मौजूद हो और वहां हर समय धार्मिक गतिविधियां होती रहती हैं, तो यह कई बार घर के लोगों को उनके दैनिक जीवन और कार्यों में बाधा भी पहुंचा सकता है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि मंदिर का मुख्य द्वार या गर्भगृह किसी घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने है, तो यह आपके घर के लिए वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है। इससे घर में मानसिक तनाव, आर्थिक समस्याएं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी हो सकती हैं।
- कई भार घर के आस-पास मौजूद बड़े मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ होती है, जिससे घर में हमेशा शोर का वातावरण हो सकता है, इससे घर में रहने वालों की दिनचर्या प्रभावित होती है और घर के छात्रों और बुजुर्ग लोगों पर इसका नकारात्मक प्रभाव होने लगता है।

घर के पास में मंदिर है तो आजमाएं वास्तु के ये उपाय

- यदि आपके घर के आस-पास मंदिर मौजूद है और किसी तरह का वास्तु दोष उत्पन्न हो रहा है, तो कुछ आसान उपाय आजमाकर इसके दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है-
- यदि मंदिर का मुख्य द्वार आपके घर के द्वार के ठीक सामने है तो किसी भी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा लगाएं
- यदि आप मंदिर के ठीक पास रहते हैं तो घर में नियमित रूप से पूजा-पाठ, हवन और मंत्रोच्चार करें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।
- अगर मंदिर का ऊर्जात्मक प्रभाव घर पर पड़ रहा है, तो घर की खिड़की या दरवाजे के पास हल्के रंग का पर्दा लगाएं या ऊंची दीवार बनवाएं जिससे ऊर्जा का संतुलन बना रहे।
- यदि आपके घर पर मंदिर के कारण बहुत अधिक भीड़ और शोरगुल होता है, तो घर में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए ध्यान और योग करें, इससे मानसिक शांति बनी रहेगी।

घर के मंदिर में वास्तु अनुसार रखें मूर्तियों की संख्या

हिंदू धर्म में सभी भगवानों की विशेष रूप से पूजा करने का विधान है। पूजा के लिए लोग घर के मंदिरों में भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि जिस प्रकार से घर की सभी चीजों के लिए वास्तु का पालन करना जरूरी है वैसे ही भगवान की मूर्तियों को भी वास्तु के अनुसार ही स्थापित करना चाहिए। घर के मंदिर में आपको हमेशा मूर्तियों की स्थापना करते समय कुछ विशेष बातें ध्यान में रखनी चाहिए। यदि आप अपने जीवन से सभी बाधाओं को दूर करना चाहती हैं और धन को आकर्षित करना चाहती हैं, तो आपको मंदिर में सही संख्या में ही भगवान की मूर्तियां रखनी चाहिए।

यदि आप अपने घर के मंदिर में भगवान गणपति की मूर्ति रख रही हैं तो इनकी संख्या दो से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आप कभी भी गणपति की मेटल की 2 मूर्तियां न रखें। आप मंदिर में एक मेटल और एक किसी और चीज जैसे पाषाण की बनी मूर्ति रख सकती हैं। एक ही मंदिर के अंदर दो से ज्यादा मूर्तियां आपके घर में समस्याओं का कारण बन सकती हैं। हालांकि आप दो मूर्तियों के साथ गणपति की तस्वीर रख सकती हैं।

भगवान कृष्ण की मूर्तियों की संख्या

यदि आप घर के मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करती हैं तो ध्यान में रखें कि उन्हें हमेशा राधा रानी के साथ ही स्थापित करें। इससे घर में प्रेम भाव बना रहता है। यदि आप इनकी मूर्तियों की संख्या की बात करें तो कृष्ण के बाल स्वरूप की एक मूर्ति और लड्डू गोपाल के दो स्वरुप रख सकती हैं। वहीं आप राधा रानी के साथ कृष्ण की एक ही मूर्ति रखें तो यह आपके लिए शुभ होगा।

भगवान हनुमान की मूर्तियों की संख्या

यदि आप घर के मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति रख रही हैं तो एक से ज्यादा मूर्ति न रखें। यदि आप उनकी तस्वीर रख रही हैं तो ऐसी तस्वीर सबसे ज्यादा शुभ होगी जो भगवान राम दरवार के साथ हो। कभी भी हनुमान जी के रौद्र रूप की तस्वीर या मूर्ति घर में न रखें, ऐसी मूर्ति आपके घर में झगड़ों का कारण बन सकती है।

भगवान शिव की कितनी मूर्तियां हैं शुभ

यदि आप भगवान शिव की मूर्ति अपने घर के मंदिर में रखती हैं तो ध्यान रखें कि शिव जी की एक ऐसी मूर्ति रखें जिसमें वो माता पार्वती या अपने परिवार के साथ हों, जिसमें गणपति भी मौजूद हों। शिवलिंग की बात करें तो घर में कभी भी एक से ज्यादा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए और इसका आकार अंगूठे से ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए।

घर के मंदिर में न रखें ऐसी मूर्तियां

- वास्तु की मानें तो आपको घर के मंदिर में कभी भी मीरा या रुक्मिणी के साथ भगवान कृष्ण,सिद्धि और रिद्धि के साथ भगवान गणेश और दो पत्नियों देवसेना और वल्ली के साथ भगवान कार्तिकेय की मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए।
- भगवान शिव के नटराज रूप की मूर्ति या तस्वीर न रखें, इससे आपके घर का माहौल नकारात्मक हो सकता है।
- आप देवी-देवताओं की दिव्य त्रिमूर्ति- सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा की एक-एक मूर्ति रख सकती हैं, लेकिन कभी भी एक ही देवी की 3 मूर्तियां न रखें।
- एक शिवलिंग की स्थापना करते समय कई नियमों का पालन करने की आवश्यकता होती है, इसलिए कभी भी दो शिवलिंग न रखें।
- किसी भी तरह की खंडित मूर्ति घर के मंदिर में न रखें।

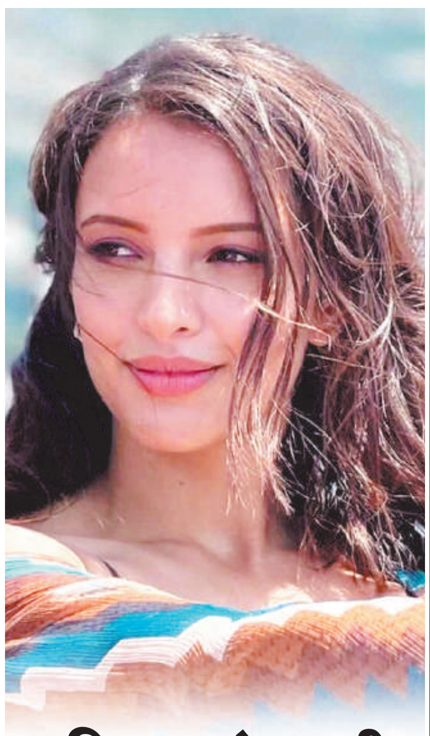

मुश्किल में फंसी तृप्ति डिमरी की ‘धड़क 2

पिछले साल सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म ‘धड़क 2’ की घोषणा की गई थी। फिल्म नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, बाद में इसे साल 2025 तक के लिए टाल दिया गया। इस बीच चर्चा थी कि यह फिल्म इस साल होली के त्यौहार के आस-पास रिलीज हो सकती है। होली तो नजदीक आ रही है, लेकिन फिल्म का प्रमोशन अभी तक शुरू नहीं हुआ है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक ‘धड़क 2’ को सीबीएफसी से प्रमाणन प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं विस्तार सेज किस समस्या का करना पड़ रहा सामना? बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार पोर्टल को एक सूत्र ने बताया, धड़क 2 जाति के मुद्दों पर आधारित है और एक चौंकाने वाली कहानी है। सीबीएफसी की जांच समिति ने इस तरह की फिल्म के लिए निर्माताओं की सराहना की, लेकिन इसके कंटेंट की वजह से वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि फिल्म को क्या रेटिंग दी जानी चाहिए और कौन से सीन काटे जाने चाहिए, यदि कोई ऐसा सीन हो।

सेंसर की मंजूरी के बाद शुरू होगा प्रमोशन?

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक ट्रेड एक्सपर्ट ने पोर्टल को बताया कि ‘धड़क 2’ के निर्माता सेंसर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही फिल्म का प्रमोशन शुरू करेंगे। इसलिए, अगर उन्हें सीबीएफसी से मंजूरी मिल जाती है, तो ‘धड़क 2’ 14 मार्च को रिलीज हो सकती है या इसके डेट को आगे बढ़ाया जा सकता है।

तमिल वर्जन पास तो ‘धड़क 2’ पर क्यों सवाल?

कहा जा रहा है कि ‘धड़क 2’ तमिल फिल्म ‘परीयेरुम पेरुमल’ का रीमेक है और इस फिल्म को सीबीएफसी के साथ किसी भी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा था। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि इसकी कहानी भी वही होगी तो फिर इस फिल्म पर सवाल क्यों उठ रहे हैं? साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म ‘धड़क’ भी इसी विषय पर आधारित थी। जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर की फिल्म मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी। फिल्म का मोशन पोस्टर जब रिलीज हुआ था, तो उस पर लिखा था, एक था राजा, एक थी रानी। जात अलग थी खतम कहानी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म जातीय मुद्दों पर आधारित होगी।

निजी जिंदगी पर ट्रोल करने वालों को सबा ने दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की अभिनेत्री सबा आजाद अकसर ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड होने को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल होती हैं। हाल ही में उन्होंने स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया है कि वह सोशल मीडिया पर असहज होती हैं। जब भी उन्हें सोशल मीडिया पर कोई ट्रोल करता है, तो वह इससे प्राभवित होती हैं।

सोशल मीडिया से नहीं रह सकते दूर सबा आजाद ने कहा कि सोशल मीडिया थोड़ा अजीब है। उन्होंने कहा कि मैं लगातार तीन दिन तक पोस्ट करती हूं और फिर एक महीने के लिए गायब हो जाती हूं। यह कलाकारों के लिए एक तरह का पोर्टफोलियो बन गया है। इससे ऐसे रिश्ता है कि इसके साथ नहीं रह सकते न ही इसके बिना रह सकते हैं। जैसे-जैसे लोगों में असंतोष बढ़ता है, वैसे-वैसे ऑनलाइन इस तरह का व्यवहार भी बढ़ता है।

चमड़ी मोटी हो गई है

सबा ने आगे कहा कि अगर आप खुश इंसान हैं तो आप एक फेक अकाउंट बनाकर किसी को ट्रोल नहीं करेंगे। हम उस इंसान की फिक्र क्यों करें जो बिना नाम, बिना चेहरे का है और अपनी जिंदगी से निराश है। सबा ने आगे कहा कि उन्हें इतना ट्रोल किया गया है कि अब उनकी चमड़ी मोटी हो गई है। सबा ने बताया कि नाराज होने के बजाए दूसरा रास्ता यह है कि इसे देखा जाए। मैं दुखी हूं कि ट्रोलर्स को ये सब करना पड़ा रहा है। सबा ने आगे कहा शुरूआत में मैंने सोचा कि अगर मैं अपने काम पर ध्यान दे रही हूं, तो आपको क्या दिक्कत है? लेकिन फिर, जब मैंने इस पर विचार किया, तो मुझे एहसास हुआ कि यह सिर्फ दुखद है, और इसके लिए अपनी नींद खराब करना जरूरी नहीं है। लेकिन अब मेरी चमड़ी मोटी हो गई है। मैंने भले ही लंबे वक्त तक दूसरा गाल आगे कर रखा हो, लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझमें अभी भी जवाब देने की ताकत है। अब आप मुझसे ये उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं खामोश रहूं। मुझे परवाह नहीं कि अब लोग मुझे क्या कहेंगे। हाल ही में जब हू इज योर गाइनैक के दूसरे सीजन का शो रिलीज किया गया तब किसी ने कहा कि वह ऋतिक की गर्लफ्रेंड हैं इसलिए उन्हें काम करने की जरूरत नहीं है। इस पर सबा ने ट्रोलर को जवाब दिया था।

रिश्ते के बारे में

सबा और ऋतिक रोशन ने साल 2022 में एक दूसरे को डेटिंग करना शुरू किया। दोनों ने अपने रिश्ते का ऐलान अक्टूबर 2022 में किया। तब ऋतिक ने सबा के साथ तस्वीर शेयर की थी। तभी से सबा को ऋतिक की गर्लफ्रेंड होने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। हाल ही में सबा आजाद को क्राइम बीट में देखा गया। इस फिल्म में सबा के अलावा सुधीर मिश्रा और संजीव कौल हैं। इसमें साकिब सलीम, राहुल भट्ट के अलावा दानिश हुसैन हैं। यह फिल्म सोमनाथ बताब्याल की नॉवेल द प्राइस यू पे पर आधारित है। इसमें खोजी पत्रकारिता और रिपोर्टिंग के बारे में दिखाया गया है।

क्या शाहरुख खान की ‘पठान’ का बनेगा प्रीक्वल? जॉन अब्राहम ने कहानी को लेकर हिंट दिया

इन दिनों जॉन अब्राहम अपनी फिल्म ‘डिप्लौमेट’ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लौमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर तो जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म ‘पठान’ का प्रीक्वल भी बनाएं।

बनना चाहिए ‘पठान’ का प्रीक्वल

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए गए एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं, ‘मैं किसी फ्रैंचाइजी फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म ‘पठान’ में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था।’ आगे वह कहते हैं, ‘आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे।

कहानी को लेकर क्या बोले जॉन

फिल्म ‘पठानी’ की कहानी को लेकर भी जॉन बताते हैं कि उनके किरदार जिम के पास्ट के बारे में दर्शकों को पता होना चाहिए। दरअसल, वह मानते हैं कि जिम के किरदार में दम है, उसकी कहानी अच्छी बन सकती है। साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या वह यशराज यूनिवर्स की फिल्म ‘वॉर’ में उनके किरदार जिम के लिए कोई संभावना बन सकती है। तो इस पर भी जॉन का कहना है कि कुछ भी संभव हो सकता है।

पठान में विलेन बने थे जॉन

शाहरुख खान की फिल्म ‘पठान’ में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। शाहरुख के किरदार पठान को यह किरदार अच्छी खासी टक्कर देता है। फिल्म में दीपिका पादुकोण भी एक अहम रोल नजर आईं।

इन फिल्मों में भी आएंगे नजर

जॉन अब्राहम फिल्म ‘डिप्लौमेट’ के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें ‘तेहरान’ और ‘तारिक’ जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

तंडेल की सफलता के बाद डीजे बने नागा चैतन्य

नागा चैतन्य इन दिनों अपनी फिल्म तंडेल की सफलता का जश्न मना रहे हैं। अब नागा चैतन्य की एक प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पति की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे डीजे बन गए हैं। नागा चैतन्य ने डीजे की भूमिका निभाई और अपने अंदर के संगीतकार को डेक पर उतारा। फोटो में नागा चैतन्य को प्रोफेशनल सेटअप के साथ म्यूजिक मिक्सिंग में व्यस्त दिखे। स्वेटर के साथ कैजुअल कपड़े पहने वह अपने गले में हेडफोन लटकाए डीजे की तरह ध्यान केंद्रित करते हुए दिख रहे थे। शोभिता ने तस्वीर साझा करते हुए चैतन्य को टैग किया और दिल वाले इमोजी भी बनाए।

करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने मार्को निर्देशक के साथ मिलाया हाथ, एक्शन फिल्म पर साथ करेंगे काम

मलयालम सिनेमा के एक्शन स्टार हनीफ अदेनी बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और वह इसे अपने स्टाइल में कर रहे हैं। मार्को की भूमिका में धमाल मचाने के बाद फिल्म निर्माता को किसी और ने नहीं, बल्कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने एक धमाकेदार एक्शन फिल्म के लिए साइन किया है, जो जितनी दमदार है, उतनी ही मजेदार भी है। द ग्रेट फादर (2017) और मिखेल (2019) जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले हनीफ अदेनी ने एक बार फिर मार्को के साथ अपनी प्रतिभा साबित की, जो एक क्रूर और अथक एक्शन से भरपूर फिल्म है। अब, वह अपनी सिग्नेचर हाई-इम्पैक्ट स्टोरीटेलिंग को हिंदी सिनेमा में लाने के लिए तैयार हैं। कथित तौर पर आगामी प्रोजेक्ट को बहुभाषी रिलीज के लिए प्लान किया जा रहा है। फिल्म के बारे में विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।

आधिकारिक एलान का इंतजार

हनीफ अदेनी के जुड़ने से धर्मा प्रोडक्शंस बैनर बड़े पर्दे पर एक्शन की उम्मीद जगा रहा है। दूसरी ओर इसके आधिकारिक एलान का इंतजार है। साथ ही कलाकारों की घोषणा होनी भी बाकी है। हनीफ अदेनी एक फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक हैं, जो मलयालम सिनेमा में काम करते हैं। उन्होंने 2017 की फिल्म द ग्रेट फादर से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। पटकथा लेखक के रूप में उनका अगला काम अमीर है, जिसमें ममूटी मुख्य भूमिका में हैं। धर्मा प्रोडक्शंस अब कई प्रोजेक्ट्स की रिलीज की तैयारी कर रहा है, जिनमें से एक है- केसरी- चैप्टर 2, जो जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे स्टारर यह फिल्म राजनेता और वकील सी. शंकरन नायर के ईर्द-गिर्द घूमती वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है। इसके साथ ही, धड़क 2 भी है, जो 2018 की तमिल फिल्म परियेरम पेरुमल पर आधारित एक शक्तिशाली लव ड्रामा है, जिसमें तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में हैं।

संजय दत्त ने बताया, कब तांडव मचाएगी ‘द भूतनी’

अभिनेता संजय दत्त अपनी अपकमिंग फिल्म ‘द भूतनी’ की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेता ने बुधवार को महाशिवरात्रि के मौके पर सोशल मीडिया पर अपकमिंग एक्शन-हॉरर कॉमेडी के टाइटल के साथ ही रिलीज की तारीख भी बताई। इंस्टाग्राम पर एक्टर का पोस्ट शेयर करते हुए सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर ने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम ‘द भूतनी’ रखा गया है। यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता संजय दत्त ने लिखा, इस गुड फ्राइडे, डर को एक नई डेट मिल गई है। पहले से कहीं ज्यादा हॉरर, एक्शन और कॉमेडी के लिए तैयार हो जाइए! ‘द भूतनी’ मचाएगी तांडव।

बता दें, पहले अपकमिंग फिल्म का नाम ‘द वर्जिन ट्री’ था, लेकिन अब इसका नाम बदलकर ‘द भूतनी’ रख दिया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का एक छोटा टीजर भी शेयर किया, जो हमें रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाती है, जहां प्यार, अंधकार में बदल जाता है। सिद्धांत सचदेव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह और आसिफ खान जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स के तहत दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने फिल्म का निर्माण किया है। निर्माताओं ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर फिल्म का एक डरावना पोस्टर शेयर किया था, जिसमें घोषणा की थी कि प्रोजेक्ट का टाइटल और रिलीज की तारीख 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर सामने आएगी। पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, महादेव की भक्ति में शक्ति है! बहुत हुआ इंतजार! बाबा तारीख तय कर रहे हैं! वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय दत्त के पास बहुप्रतीक्षित सीक्वल ‘वेलकम टू द जंगल’ भी है। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त के साथ अक्षय कुमार, रवीना टंडन, दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, लारा दत्ता, बॉबी देओल, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, संजय दत्त के पास ‘सन ऑफ सरदार 2’ भी है, जिसमें वह अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के साथ मुख्य भूमिका में हैं। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में तैयार इस फिल्म का निर्माण अजय देवगन ने जियो स्टूडियो के सहयोग से देवगन फिल्म्स के बैनर तले किया है।

निर्देशक अरुण माथेश्वरन की फिल्म में दिखेंगे अक्षय

अक्षय कुमार पिछली बार फिल्म स्काई फोर्स में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई की थी। हालांकि, अक्षय ने फिल्म में अपने अभिनय के जरिए खूब वाहवाही लूटी थी। आने वाले दिनों में अक्षय की कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं और अब उनके खाते से एक नई फिल्म जुड़ गई है। दरअसल अक्षय निर्देशक अरुण माथेश्वरन की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अरुण बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और अपनी पहली हिंदी फिल्म के लिए वह अक्षय के साथ बातचीत कर रहे हैं। अक्षय को उनकी फिल्म की कहानी पसंद आई है और वह इसका हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी भी दे चुके हैं। फिल्म एक्शन थ्रिलर होने वाली है। फिल्म काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है।